खबरें जो सोच बदल दे

शुभ लाभ

हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

Postal Regd.No. HQ/SD/523/2023-25 । मंगलवार, 03 मार्च, 2026 । हैदराबाद और नई दिल्ली से प्रकाशित । website : https://www.shubhlabhdaily.com । संपादक : गोपाल अग्रवाल । पृष्ठ : 14 । मूल्य-8 रु.। वर्ष-8 । अंक-61

कच्चे तेल में घी

दामों में उछाल- दावों में उबाल

रियाद/तेहरान, 02 मार्च (एजेंसियां) । अमेरिका और ईरान के बीच बढ़ते तनाव की आंच अब सऊदी अरब के ऊर्जा ढांचे तक पहुंचती दिख रही है। रॉयटर्स और ब्लूमबर्ग की रिपोर्ट्स के मुताबिक, सऊदी अरब की सरकारी तेल कंपनी साऊदी आरामको ने ड्रोन हमले के बाद सोमवार को अपनी रास तनुरा तेल रिफाइनरी को एहतियातन बंद कर दिया।। रिपोर्ट के मुताबिक, बंद होने की खबरों से ब्रेंट क्रूड ऑयल की कीमतें 9.32% बढ़ गई हैं। यह जगह सऊदी की सबसे बड़ी और सबसे स्ट्रेटेजिक एनर्जी साइट्स में से एक है। हमले के बाद इसके प्रो-सेसिंग कॉम्प्लेक्स में आग लग गई। अधिकारियों का कहना है कि आग पर काबू पा लिया गया है और किसी के हताहत होने की पुष्टि नहीं हुई है, लेकिन इस घटना ने इलाके में ज़रूरी एनर्जी इंफ्रास्ट्रक्चर को लेकर चिंता पैदा कर दी।

सऊदी रक्षा मंत्रालय के प्रवक्ता ने अल-अरबिया टीवी से कहा, इस हमले में कोई आम नागरिक घायल नहीं हुआ है। अरामको के रास तनुरा में दो ड्रोन रोके गए। दुनिया भर में, ईरान जंग के बढ़ने के बाद क्रूड ऑयल की कीमतों में चार साल में सबसे ज़्यादा उछाल आया है, क्योंकि होर्मुज स्ट्रेट के ज़रिए व्यापार करीब रुक गया है। यह एक ऐसा पानी का रास्ता है, जो रोज़ाना दुनिया का करीब पांचवें हिस्से का कच्चा तेल ले जाता है। हालांकि, ईरान ने ऑफिशियली चैनल बंद नहीं किया है, लेकिन जहाज़ मालिकों ने लड़ाई के बीच खुद ही रोक लगा दी है।

ईरान युद्ध ग्लोबल ऑयल मार्केट के लिए एक खतरनाक नया दौर है। यूएस और इज़रायल ने शनिवार को ईरान में कई जगहों पर मिसाइलें दागीं और लोकल लोगों से इस्लामिक शासन को उखाड़ फेंकने की अपील की।ईरान के सुप्रीम लीडर अयातुल्ला अली खामेनेई के मारे जाने के बाद तेहरान ने इज़रायल के साथ-साथ सऊदी अरब, कतर, यूनाइटेड अरब अमीरात, कुवैत और बहरीन जैसे देशों में यूएस बेस और दूसरे ठिकानों पर हमलों की झड़ी लगा दी।

जरूरत पड़ी तो सेना भी उतारूंगा : ट्रंप

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने ईरान पर हमले के फैसले को लेकर बयान दिया है। ट्रंप ने कहा है कि ईरान ऐसी मिसाइलें बना रहा था, जो अमेरिका तक पहुंच सकती थीं। ट्रंप ने कहा कि हम चाहते थे कि ईरान का खतरा खत्म हो जाए। ईरान ने अमेरिकी चेतावनियों को नजरअंदाज किया। ईरान ने पिछले साल अमेरिका द्वारा उसके परमाणु कार्यक्रम को निशाना बनाए जाने के बाद भी परमाणु हथियार हासिल करने की अपनी कोशिशें नहीं छोड़ी।

अमेरिकी राष्ट्रपति ने कहा कि हमने ईरान को समय-समय पर चेताया लेकिन वह नहीं माना। अगर हमें जरूरत पड़ी तो हम सेना भी उतारेंगे। उन्होंने कहा कि ईरानी सरकार मिडिल ईस्ट में तैनात अमेरिकी बलों के लिए खतरा बन चुकी थी। ईरान अपने पारंपरिक बैलिस्टिक मिसाइल कार्यक्रम का तेजी से विस्तार कर रहा था।

ट्रंप ने चेतावनी दी कि ईरान के पास पहले से ही ऐसी मिसाइलें मौजूद थी, जो यूरोप और विदेशों में स्थित अमेरिकी ठिकानों को निशाना बना सकती हैं। उन्होंने कहा कि ईरान जल्द ही मिसाइलें बना लेता, जो अमेरिका को जद में ले सकती थी। ▶10पर

अमेरिका-एशिया-यूरोप के बाजार हुए लाल

9 लाख करोड़ डूबे

ईरान पर अमेरिका और इजरायल के हमले के बाद सोमवार को जब पहली बार स्टॉक मार्केट खुला तो धड़ाम हो गया। भारत के दोनों स्टॉक एक्सचेंज- बीएसई और एनएसई में जबरदस्त गिरावट आई। हफ्ते के पहले कारोबारी दिन सोमवार को बीएसई का सेंसेक्स 1,048 पॉइंट यानी 1.29% गिरा, जबकि एनएसई के निफ्टी में 312.95 पॉइंट यानी 1.24% की गिरावट आई। सेंसेक्स 80,238.85 और 24,865.70 पॉइंट पर बंद हुए। शनिवार को जब इजरायल और अमेरिका ने मिलकर ईरान पर हमला किया था। इसके बाद ईरान ने खाड़ी देशों में अमेरिकी सैन्य अड्डों पर हमला किया। ईरानी सुप्रीम लीडर अयातुल्लाह अली खामेनेई की मौत के बाद हलचल और बढ़ गई। इस कारण मार्केट में पहले से ही गिरावट की आशंका थी।

भारत में शेयर बाजार में गिरावट आने से निवेशकों को लाखों करोड़ रुपये की चपत लग गई। बीएसई पर लिस्टेड कंपनियों की मार्केट कैप 6 लाख करोड़ रुपये से ज्यादा घट गई।

शुक्रवार को बीएसई पर लिस्टेड कंपनियों की मार्केट कैप 463 लाख करोड़ रुपये थी, जो सोमवार को घटकर 457 लाख करोड़ रुपये से थोड़ी कम हो गई। यानी, एक ही दिन में बीएसई पर निवेशकों को 6 लाख करोड़ रुपये से ज्यादा का नुकसान हो गया।इसी तरह, एन एस ई पर लिस्टेड कंपनियों की मार्केट कैप में भी 2.5 लाख करोड़ रुपये की कमी आ गई। ▶10पर

अनमोल यूरेनियम पायो

एक टुकड़े से बन सकती है लाखों यूनिट बिजली!

नई दिल्ली, 02 मार्च (एजेंसियां) । प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और उनके कनाडाई समकक्ष मार्क कार्नी के बीच दिल्ली में मुलाकात हुई। इस दौरान दोनों देशों के बीच कई अहम समझौतों पर हस्ताक्षर हुए, जिसमें यूरेनियम सप्लाई का एक महत्वपूर्ण समझौता भी शामिल है। कनाडा और भारत के बीच हुई इस डील के बाद से यूरेनियम चर्चा में है। ऐसे में जानते हैं कि आखिर यूरेनियम को किसी भी देश के लिए खास संपत्ति क्यों माना जाता है....। प्राकृतिक रूप से मिलने वाला यूरेनियम सीधे उपयोग के लिए बहुत काम का नहीं होता, क्योंकि इसमें ज़्यादातर हिस्सा यू-238 आइसोटोप का होता है, जबकि असली उपयोगी हिस्सा यू-235 होता है। इसकी प्राकृतिक यूरेनियम में बहुत कम यानी लगभग 0.7% ही होती है। इसी वजह से बिना प्रोसेस किए इसे बेकार जैसा कहा जाता है, क्योंकि न तो यह सीधे परमाणु ईंधन के रूप में इस्तेमाल हो सकता है और न ही अन्य उन्नत परमाणु तकनीकों में। ऐसे में इसे काम में लेने के लिए प्रोसेस किया जाता है।

यूरेनियम को उपयोगी बनाने की प्रक्रिया को संवर्धन कहा जाता है, जिसमें विशेष मशीनों, खासकर सेंट्रीफ्यूज, की मदद से यू-235 की मात्रा बढ़ाई जाती है। जब इसका प्रतिशत बढ़ जाता है, तब वही यूरेनियम बिजली बनाने वाले परमाणु रिएक्टरों में ईंधन बन सकता है। अगर इसे बहुत अधिक स्तर तक संवर्धित कर दिया जाए तो यही पदार्थ हथियार-ग्रेड सामग्री भी बन सकता है। यही कारण है कि दुनिया भर में परमाणु कार्यक्रमों को लेकर विवाद इस बात पर ज्यादा होते हैं कि किसी देश के पास यूरेनियम है या नहीं, से ज्यादा इस बात पर कि उसका संवर्धन स्तर कितना है। एक किलो यूरेनियम = 44,000 किलोवाट बिजली, 88 टन कोयले के बराबर एक अंडे आकार का टुकड़ा होता है। यूरेनियम से बिजली बनाने की प्रक्रिया को परमाणु ऊर्जा उत्पादन या न्यूक्लियर पावर जनरेशन कहा जाता है। ▶10पर

रेवंत ने दिया पीएम प्रत्याशी का प्रस्ताव

राहुल ने हाँ करदी

हैदराबाद, 02 फरवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)। लोकसभा में विपक्ष के नेता और वरिष्ठ कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने सोमवार को प्रधानमंत्री पद की जिम्मेदारी संभालने को लेकर पहली बार स्पष्ट सकारात्मक संकेत दिए हैं। उन्होंने कहा कि यदि पार्टी और जनता की इच्छा हो, तो वे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के खिलाफ इस बड़ी लड़ाई के लिए पूरी तरह तैयार हैं।

विकाराबाद स्थित हरिता रिसॉर्ट्स में जिला कांग्रेस कमेटी (डीसीसी) अध्यक्षों के प्रशिक्षण शिविर के समापन समारोह में राहुल गांधी ने ये बातें कहीं। उनकी यह टिप्पणी तेलंगाना के मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी द्वारा उन्हें देश के प्रधानमंत्री के रूप में नेतृत्व करने की अपील के बाद आई। सभा को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी ने जोर देकर कहा कि राहुल गांधी को देश का प्रधानमंत्री बनना चाहिए और कांग्रेस कैडर को इस लक्ष्य को हासिल करने के लिए दृढ़ संकल्प के साथ काम करना चाहिए। उन्होंने भावुक होते हुए कहा, मैं यह मांग एक मुख्यमंत्री के रूप में नहीं, बल्कि एक साधारण कांग्रेस कार्यकर्ता के रूप में कर रहा हूँ। उन्होंने आगे कहा कि प्रधानमंत्री का पद राहुल गांधी के लिए प्रतिष्ठा का विषय नहीं, बल्कि जनता की सेवा करने का एक अवसर है। मुख्यमंत्री ने इस बात पर गौर किया कि अपनी पारिवारिक विरासत के बावजूद राहुल गांधी के मन में ▶10पर

संवाद के लिए तैयार जरदारी

भारत कर रहा है एक और युद्ध की तैयारी

इस्लामाबाद, 02 मार्च (एजेंसियां) । पाकिस्तान के राष्ट्रपति आसिफ अली जरदारी ने दावा किया है कि भारत एक और युद्ध की तैयारी कर रहा है। उन्होंने कहा कि भारत के नेता खुले तौर पर युद्ध की बात कर रहे हैं, लेकिन एक ऐसे व्यक्ति के रूप में जो हमेशा क्षेत्रीय शांति का समर्थक रहा है, वह इस रास्ते की सिफारिश नहीं करेंगे। जरदारी ने साथ ही कहा कि पाकिस्तान भारत के साथ बातचीत के लिए तैयार है और क्षेत्रीय सुरक्षा के लिए युद्ध के बजाय संवाद ही एकमात्र रास्ता है। ▶10पर

दावा : तालिबान ने रालवपिंडी में नूर खान मिलिट्री बेस समेत कई ठिकानों पर किए धमाके

काबुल, 02 मार्च (एजेंसियां)।

अफगानिस्तान और पाकिस्तान के बीच सीमाई तनाव अब एक गंभीर सैन्य टकराव में बदल गया है। अफगानिस्तान की सत्ता पर काबिज तालिबान के रक्षा मंत्रालय ने एक सनसनीखेज दावा करते हुए कहा है कि उसकी वायुसेना ने पाकिस्तान के कई महत्वपूर्ण सैन्य ठिकानों पर सफल हवाई हमले किए हैं। तालिबान के अनुसार, यह कार्रवाई पाकिस्तानी सेना द्वारा अफगान क्षेत्र में किए गए हालिया हवाई हमलों का करारा जवाब है।

रक्षा मंत्रालय द्वारा जारी आधिकारिक बयान के मुताबिक, अफगान वायुसेना ने पाकिस्तान के भीतर गहराई तक जाकर रावलपिंडी स्थित नूर खान एयरबेस, क्वेटा में मौजूद 12वीं कोर के मुख्यालय, खैबर पख्तूनख्वा के मोहम्मद एजेंसी इलाके और घलानी सैन्य अड्डों को अपना निशाना बनाया। तालिबान का दावा है कि इन ठिकानों पर सटीक और समन्वित हमले किए गए हैं, जिससे पाकिस्तानी सैन्य बुनियादी ढांचे को बड़े पैमाने पर नुकसान पहुँचा है। यह जवाबी कार्रवाई उन हमलों के बाद हुई है, जिसमें पाकिस्तानी जेट विमानों ने बीती रात काबुल और रणनीतिक रूप से महत्वपूर्ण बगराम एयरबेस सहित अफगानिस्तान के कई इलाकों में बमबारी की थी। काबुल में स्थानीय नागरिकों ने जोरदार धमाकों की आवाजें सुनीं, जिसके बाद तालिबान बलों ने एंटी-एयरक्राफ्ट और मिसाइल डिफेंस सिस्टम के जरिए जवाबी फायरिंग की। तालिबान सरकार का कहना है कि रविवार सुबह पाकिस्तानी जेट विमानों ने दोबारा अफगान हवाई क्षेत्र का उल्लंघन किया और बगराम एयरबेस को निशाना बनाने की कोशिश की, जिसे विफल कर दिया गया। गौरतलब है कि बगराम वही पूर्व अमेरिकी सैन्य अड्डा है, जो रणनीतिक दृष्टि से बेहद संवेदनशील माना जाता है।

दोनों देशों के बीच यह सैन्य टकराव अब लगातार चौथे दिन में प्रवेश कर चुका है। तालिबान ने स्पष्ट चेतावनी दी है कि यदि पाकिस्तान की ओर से उनके हवाई क्षेत्र का दोबारा उल्लंघन किया गया या किसी भी तरह की आक्रामक कार्रवाई की गई, तो उसका और भी कड़ा जवाब दिया जाएगा। फिलहाल, तालिबान के इन दावों पर पाकिस्तान की ओर से कोई आधिकारिक सैन्य प्रतिक्रिया सामने नहीं आई है, लेकिन इस घटनाक्रम ने पूरे क्षेत्र में युद्ध जैसी स्थिति पैदा कर दी है।

न्यूज ब्रीफ

जंग का असर: जाना था कुवैत, पहुंच गए पाकिस्तान, अब कराची में फंसी फ्लाइट

करांची। मिडिल ईस्ट में बढ़ते तनाव और युद्ध की स्थिति ने वैश्विक हवाई यातायात को बुरी तरह प्रभावित किया है। इस संघर्ष के कारण कई देशों द्वारा अपना एयरस्पेस (हवाई क्षेत्र) बंद किए जाने के बाद, अजरबैजान से आ रहे एक विमान को आपातकालीन स्थिति में पाकिस्तान के कराची एयरपोर्ट पर उतारना पड़ा। इस विमान में आठ भारतीय यात्री सवार हैं, जो फिलहाल वहां फंसे हुए हैं। जानकारी के अनुसार, कराची में फंसे इन भारतीय यात्रियों में केरल के तीन लोग भी शामिल हैं। इनमें पलक्कड़ निवासी कृष्णदास, उनकी पत्नी डा. रेश्मी मेनन और उनकी तीन साल की मासूम बेटी स्मृति मेनन शामिल हैं। यह परिवार अजरबैजान के बाकू से शारजाह होते हुए कुवैत की यात्रा पर था, लेकिन बीच रास्ते में ही युद्ध के चलते पैदा हुए हालातों के कारण उनकी उड़ान को डायवर्ट करना पड़ा। अन्य पांच भारतीय यात्री भी इसी फ्लाइट में सवार थे। प्रवासी केरलवासियों के मामलों को देखने वाली सरकारी एजेंसी नोर्का रूट्स ने इस घटना की पुष्टि की है। अधिकारियों ने बताया कि वे भारतीय विदेश मंत्रालय के निरंतर संपर्क में हैं ताकि फंसे हुए नागरिकों की सुरक्षित वापसी सुनिश्चित की जा सके। चूंकि भारत और पाकिस्तान के बीच सीधे हवाई संपर्क और एयरस्पेस के उपयोग पर प्रतिबंध है, इसलिए यात्रियों को वापस लाने के लिए वैकल्पिक रास्तों पर विचार किया जा रहा है। वर्तमान योजना के मुताबिक, यात्रियों को कराची से कोलंबो (श्रीलंका) भेजा जा सकता है, जहाँ से वे भारत के लिए उड़ान भर सकेंगे। मिडिल ईस्ट में हालिया सैन्य अभियानों और ईरान पर हुए हमलों के बाद सुरक्षा कारणों से कई देशों ने अपने हवाई क्षेत्र को बंद कर दिया है। इसके चलते अंतरराष्ट्रीय उड़ानों के रूट या तो बदल दिए गए हैं या उन्हें रद्द करना पड़ा है। कराची में फंसे यात्री भी इसी अनिश्चितता का सामना कर रहे हैं क्योंकि खाड़ी देशों की ओर जाने वाली अधिकांश उड़ानें बाधित हैं। प्रवासियों की सहायता के लिए नोर्का रूट्स ने एक विशेष हेल्प डेस्क भी शुरू किया है, ताकि प्रभावित परिवारों को जरूरी जानकारी और सहायता उपलब्ध कराई जा सके। प्रशासन का कहना है कि उनकी प्राथमिकता यात्रियों की सुरक्षा और उन्हें जल्द से जल्द अपने गंतव्य तक पहुँचाना है।

हांगकांग में चलती सड़क, लोग घर से निकलते ही बिना हिलेडुले मंजिल पर पहुंच रहे

हांगकांग। आप घर से बाहर निकलें और सड़क खुद आपके पास आ जाए, आप उस पर खड़े हो जाएं और सीधे मंजिल तक पहुंच जाएं। यह किसी फिल्म का सीन नहीं, बल्कि हांगकांग की रोजमर्रा की हकीकत है। यहां दुनिया का सबसे लंबा आउटडोर कवर एस्केलेटर सिस्टम-सेंट्रल-मिड-लेवल एस्केलेटर शहर की लाइफलाइन माना जाता है। करीब 800 मीटर लंबा यह सिस्टम हांगकांग सेंट्रल को मिड-लेवल के पहाड़ी रिहायशी इलाके से जोड़ता है। जब यात्री इस एस्केलेटर पर खड़े होते हैं, तो शहर मानो एक चलती हुई फिल्म की तरह सामने गुजरता है। एक ओर पारंपरिक छोटी दुकानें और धार्मिक स्थल तो दूसरी ओर आधुनिक बार और रेस्टोरेंट। जैसे-जैसे ऊपर बढ़ते हैं, नीचे ट्रैफिक का शोर धीमा होता जाता है और ठंडी हवा का अहसास होता है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक 1980 के दशक में हांगकांग की पहाड़ी ढलानों पर रहने वाले हजारों लोगों के लिए नीचे शहर तक पहुंचना चुनौती थी। संकरी सड़कों पर जाम आम बात थी और नई सड़कें बनाने की जगह नहीं थी। तब इंजीनियरों ने 20 एस्केलेटर और 3 मूविंग वाकवे को जोड़कर एक फ्लोटिंग ब्रिज जैसा समाधान तैयार किया।

6 साल की उम्र में सोशल मीडिया से जुड़ी जो 16 घंटे आनलाइन रहने की लत बनी: कैली

लास एंजिल्स। सोशल मीडिया ऐप से थोड़ी देर दूर होते ही लगता था कि मैं कुछ बहुत बड़ा मिस कर रही हूं। यह बयान 20 वर्षीय कैली जीएम का है, जिसने यूट्यूब और इंस्ट्राग्राम के खिलाफ मुकदमा दायर किया है। लास एंजिल्स की अदालत में सोशल मीडिया लत से जुड़े इस अहम मामले में गुरुवार को कैली ने गवाही दी थी, जिसने कोर्ट-रुम को भावुक कर दिया। कैली ने बताया कि महज छह साल की उम्र में वह यूट्यूब के जरिए डिजिटल दुनिया से जुड़ीं और धीरे-धीरे यह जुड़ाव लत में बदल गया। किशोरावस्था तक आते-आते वह इंस्टाग्राम पर रोजाना कई-कई घंटे बिताने लगीं। उनके मुताबिक, एक समय ऐसा था जब वह 16 घंटे तक लगातार आनलाइन रहती थीं। उन्होंने अदालत को बताया कि उनकी मां रात में उनका फोन लिविंग रूम में रखवा देती थीं, लेकिन वह चुपके से उठाकर फिर इस्तेमाल करने लगती थीं। उन्होंने कहा, मुझे लगता था कि अगर मैं आनलाइन नहीं रही तो कुछ बहुत महत्वपूर्ण छूट जाएगा। कैली के अनुसार, इस लत का असर उनकी पढ़ाई, नींद और मानसिक स्वास्थ्य पर पड़ा। उन्होंने स्वीकार किया कि सोशल मीडिया पर अपनी छवि को लेकर वह लगातार तनाव में रहती थीं।

अमेरिका ने ईरान पर हमले में किया ब्लैक टामहाक क्रूज मिसाइल का इस्तेमाल

आमतौर पर आजकल मिसाइलों को धुंधले ग्रे रंग से किया जाता है पेंट

तेहरान, 02 मार्च (एजेंसियां)।

अमेरिका की नौसेना ने ईरान पर हमले का एक वीडियो जारी किया है। इसमें आर्ले बर्क क्लास डिस्ट्रायर युद्धपोत से आरजीएम-109 टामहाक लैंड-अटैक मिसाइल को लान्च करते दिखाया गया है, लेकिन एक तस्वीर ने दुनियाभर के मिलिट्री एनालिस्ट का ध्यान खींचा है। वो है ब्लैक टामहाक क्रूज मिसाइल। सफेद टामहाक मिसाइल को तो कई बार देखा गया है लेकिन ब्लैक वैरिएंट को पहली बार किसी हमले में देखा गया है। ईरान हमले से पहले ब्लैक वैरिएंट को कभी नहीं देखा गया था यानि अमेरिका ने अपने रहस्यमय हथियार का इस्तेमाल किया है।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक आमतौर पर आजकल मिसाइलों को धुंधले ग्रे रंग से पेंट किया जाता है और अमेरिका में भी यही रिवाज है लेकिन काले रंग से मिसाइल को पेंट करना नया है जिस टिलेम की बात हो रही है, उसका गहरा रंग अमेरिकी नेवी की इन्वेंट्री में मौजूद एक और मिसाइल, स्टेल्थी एजीएम-158सी लान्ग-रेंज एंटी-शिप मिसाइल से मिलता-जुलता है। ये एडवांस्ड क्रूज मिसाइलें, कम से कम कुछ हद तक, जमीन पर हमला करने वाली मिसाइलों की तरह फ्लैट ग्रे टोन में नहीं, बल्कि चमकदार काली कोटिंग में दिखी है।

इसके पीछे शायद एक संभावना ये हो सकती है कि अमेरिकी नौसेना के लिए अब जिन टामहाक लैंड-अटैक मिसाइलों को बनाया जा रहा है उसे काले रंग से पेंट किया जा रहा हो। इसके पीछे मिलिट्री विशेषज्ञों का मानना है कि हो सकता है कि इसे दुश्मनों की नजर से छिपाना और हथियार के असर को बढ़ाना एक मकसद हो सकता है। समुद्री टागरेट पर हमला करने के लिए हो सकता है इसे खास तौर पर काले रंग में रंगा गया हो सकता है। काले रंग से पेंट होने से पानी के ऊपर नीचे उड़ते समय मिसाइल को देखना भी मुश्किल हो सकता है। इसके अलावा रडार-एब्जार्बेंट और इंफ्रारेड सप्रेसिव प्रापर्टीज होना भी एक बड़ा फायदा हो सकता है। यह खासकर टिलेम के लिए डिजाइन किया गया है जिससे ये और ज्यादा असरदार हो सके। इसमें कम दिखने वाले फीचर्स जोड़ना शामिल है, जैसे कि इसके नोज सेक्शन में चिन वाली क्रीज जो इसके रडार क्रास-सेक्शन को सामने के अहम हिस्से से कम करती है। इससे एयर डिफेंस के लिए इसे ट्रैक करना मुश्किल हो जाता है। दूसरी संभावना ये है कि नई कोटिंग शायद सबसे नई मैरीटाइम स्ट्राइक टामहाक मिसाइल है, जिसे एमएसटी के नाम से भी जाना जाता है। शायद पुरानी टामहाक मिसाइलों को अपग्रेड किया गया है, जिसमें लंबी दूरी का एंटी-शिप फंक्शन हो सकता है। रिपोर्ट के मुताबिक मैरीटाइम स्ट्राइक टामहाक टैक्टिकल टामहाक के लेटेस्ट ब्लाक वी वेरिएंट का एक सबवेरिएंट है और इसे ब्लाक वीए के नाम से भी जाना जाता है। सभी ब्लाक वी टामहाक में टू-वे डेटा लिंक भी होता है जिससे उन्हें फ्लाइट के दौरान अपने टारगेट को लेकर कोर्स करेक्शन और दूसरे टारगेटिंग अपडेट्स मिल सकते हैं। इसके अलावा फायर होने के बाद भी इसके टारगेट को बदला जा सकता है और इसे रीटास्क भी किया जा सकता है।

खामेनेई की मौत के बाद ईरान का पलटवार, इजराइल और अमेरिकी ठिकानों पर मिसाइल वर्षा

तेहरान, 02 मार्च (एजेंसियां)।

ईरान पर अमेरिका और इजराइल के संयुक्त हमलों के बाद पूरा मिडिल ईस्ट अब एक विनाशकारी युद्ध की आग में झुलस रहा है। ईरान के सर्वोच्च नेता अयातुल्ला अली खामेनेई की हत्या ने स्थिति को विस्फोटक बना दिया है। सोमवार को दोनों पक्षों के बीच जारी खूनी संघर्ष ने इस आशंका को पुख्ता कर दिया है कि यह युद्ध अब किसी बड़े क्षेत्रीय या वैश्विक संकट का रूप ले सकता है। एक तरफ ईरान ने अपने सर्वोच्च नेता की मौत का प्रतिशोध लेने का संकल्प दोहराया है, तो दूसरी तरफ अमेरिका ने स्थिति को नियंत्रित करने और दबाव बनाने के लिए अपने घातक बी-2 स्टील्थ बाम्बर्स युद्ध क्षेत्र में उतार दिए हैं। ईरान ने जवाबी कार्रवाई करते हुए खाड़ी देशों में स्थित अमेरिकी सैन्य ठिकानों और इजराइल के प्रमुख शहरों को सैकड़ों ड्रोन और मिसाइलों से निशाना बनाया है। इजराइल की व्यावसायिक राजधानी तेल अवीव धमाकों की आवाजों से गूंज उठी। इजराइली बचाव सेवाओं के अनुसार, मध्य शहर बेत शेमेश में एक यहूदी प्रार्थना स्थल पर हुए मिसाइल हमले में 8 लोगों की मौत हो गई और 28 अन्य घायल हुए हैं। इसके साथ ही इजराइल में मरने वालों का आंकड़ा 10 तक पहुंच गया है। हमले की तपिश कतर और कुवैत जैसे पड़ोसी देशों तक भी महसूस की गई, जहां देर रात धमाकों की आवाजें सुनी गईं। दूसरी ओर, अमेरिका और इजराइल की बमबारी ईरान पर लगातार जारी है।

रविवार और सोमवार को ईरान की राजधानी तेहरान के प्रशासनिक इलाकों पर भीषण हवाई हमले किए गए, जिससे आसमान में धुएं का गुबार छा गया। ईरानी अधिकारियों के मुताबिक, सर्वोच्च नेता और अन्य वरिष्ठ नेताओं को निशाना बनाकर किए गए इन हमलों में अब तक 200 से अधिक लोग अपनी जान गंवा चुके हैं। इनमें एक ईरानी स्कूल पर हुआ हमला भी शामिल है, जहां मरने वालों की संख्या 180 तक पहुंच गई है। इस भीषण तनाव का सीधा असर अंतरराष्ट्रीय विमानन क्षेत्र पर पड़ा है। एयर इंडिया ने सुरक्षा कारणों से पश्चिम एशिया के हवाई क्षेत्र का उपयोग बंद कर वैकल्पिक मार्गों से उड़ानें संचालित करने का निर्णय लिया है। एयर इंडिया ने 2 मार्च की मध्यरात्रि तक यूएई, सऊदी अरब, इजराइल और कतर जाने वाली सभी उड़ानें निलंबित कर दी हैं।

मंगल ग्रह पर मिली संरचनाओं ने बढ़ाई प्राचीन जीवन की आशंका

वाशिंगटन। पिछले छह महीनों की खोज के दौरान अमेरिकी अंतरिक्ष एजेंसी नासा के मार्स रोवर क्यूरियोसिटी ने मंगल की सतह पर एक ऐसे विशेष क्षेत्र की पहचान की है, जहां जाल जैसी भू-आकृतियां दिखाई देती हैं। यह भू-आकृतियां संकेत देती हैं कि लाल ग्रह पर जीवन के अनुकूल स्थितियां हमारी पहले की कल्पना से कहीं अधिक लंबे समय तक बनी रही होंगी। यह खोज मंगल ग्रह के प्राचीन जल इतिहास और संभावित सूक्ष्मजीवी जीवन के अध्ययन में मील का पत्थर साबित हो सकती है। क्यूरियोसिटी द्वारा पहचाने गए इस क्षेत्र में जमीन पर कई किलोमीटर तक फैली हुई पतली, एक-दूसरे को काटती रिज देखने को मिलती हैं। अंतरिक्ष से देखने पर ये संरचनाएं किसी विशाल मकड़ी के जाल जैसी प्रतीत होती हैं। वैज्ञानिक इन्हें बाक्सवर्क नाम देते हैं। यह जालनुमा संरचना 3 से 6 फीट ऊंची पतली दीवारों से बनी होती है, जिनके बीच रेतीले गड्ढे मौजूद होते हैं। वैज्ञानिकों का मानना है कि अरबों साल पहले मंगल की सतह के नीचे बहने वाले जल ने चट्टानों की दरारों में खनिज जमा कर दिए थे। यह खनिज बाद में मजबूत हिस्से बन गए और समय के साथ तेज हवाओं ने कमजोर चट्टानों को घिसकर हटा दिया, जिसके बाद ये अनोखे पैटर्न उभरकर सामने आए।

काठमांडू सहित नेपाल के पहाड़ी क्षेत्रों में मनाई जा रहा होली, सार्वजनिक कार्यक्रमों पर रोक

काठमांडू, 02 मार्च (एजेंसियां)।

रंगों का पर्व होली काठमांडू सहित पहाड़ी जिलों में मनाई जा रही है। होली के अवसर पर सरकार ने पहाड़ी जिलों में सार्वजनिक अवकाश भी घोषित किया है। हालांकि इस बार कई प्रतिबंधों के कारण सार्वजनिक रूप से उल्लास कम नजर आ रहा है। प्रत्येक वर्ष फाल्गुण शुक्ल पूर्णिमा के दिन पहाड़ी और हिमाली जिलों में, तथा उसके अगले दिन तराई और भीतरी मधेश के जिलों में होली पर्व उत्साहपूर्वक मनाने की परंपरा रही है लेकिन होली के अगले दिन यानि 5 मार्च को मतदान होने के कारण इस बार सार्वजनिक स्थलों पर किसी भी प्रकार के कार्यक्रम के आयोजन पर प्रतिबंध लगाया गया है। जिला प्रशासन कार्यालय काठमांडू ने सार्वजनिक स्थानों और खुली सड़कों पर एकत्र होकर होली पर्व मनाने पर प्रतिबंध लगा दिया है। रविवार को काठमांडू जिला प्रशासन की तरफ से जारी बयान में प्रशासन ने 2 मार्च को काठमांडू में मनाए जाने वाले रंगों के पर्व होली को सार्वजनिक स्थानों पर खेलने से मना किया है। बयान में कहा गया है कि पर्व के अवसर पर शांति एवं सुरक्षा व्यवस्था को प्रभावित करने वाली गतिविधियां—जैसे सार्वजनिक स्थानों पर हो-हल्ला और झगड़ा करना, मादक पदार्थ का सेवन कर पारिवारिक एवं सामाजिक जीवन तथा सार्वजनिक मर्यादा भंग करना, किसी की इच्छा के विरुद्ध रंग या पानी फेंकना, जबरन रंग लगाना, अत्यधिक उत्तेजना में भागदौड़ करना—न करें और न ही किसी को करने दें। पांच मार्च को होने वाले प्रतिनिधि सभा सदस्य निर्वाचन को ध्यान में रखते हुए यह निर्णय लेने की जानकारी काठमांडू के प्रमुख जिला अधिकारी (सीडीओ) छवि लाल रिजाल ने दी है। उन्होंने कहा कि होली के मौके का फायदा उठाकर किसी भी असामाजिक तत्व द्वारा किसी प्रकार की अवांछित गतिविधि न हो इसके लिए यह प्रतिबंध लगाया गया है। इतना ही नहीं इस बार चुनाव को ध्यान में रखते हुए होली के दो दिन पहले से ही देशभर में शराब के बिक्री वितरण और सेवन पर भी प्रतिबंध लगाया जा चुका है जिसके कारण भी इस बार की होली में उत्साह कम नजर आ रहा है। होली के अवसर पर सार्वजनिक कार्यक्रम आयोजित कराने वाले होटलों, रिसार्ट या अन्य लोगों के द्वारा भी कोई कार्यक्रम आयोजित नहीं किया गया है। प्रशासन ने लोगों से इस बार अपने घर में ही होली मनाने का आग्रह किया है। इस बार होली खेलते समय किसी भी राजनीतिक दलों के चुनाव चिन्ह और उम्मीदवारों की तस्वीर अंकित भेस्ट, टी-शर्ट, कमीज और गमछा जैसे परिधानों के उपयोग पर भी स्थानीय प्रशासन ने पूर्ण प्रतिबंध लगा दिया है।

मध्य पूर्व में बढ़ता संघर्ष: 17 लाख नेपाली श्रमिकों और देश की अर्थव्यवस्था पर मंडराता असर

काठमांडू, 02 मार्च (एजेंसियां)।

मध्यपूर्व क्षेत्र में तेज होते संघर्ष का प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष प्रभाव नेपाली अर्थव्यवस्था पर पड़ने की आशंका व्यक्त की जा रही है।

इस क्षेत्र में 17 लाख से अधिक नेपाली कार्यरत हैं। संयुक्त अरब अमीरात के रक्षा मंत्रालय के अनुसार वहां एक नेपाली नागरिक की मृत्यु भी हुई है। विशेषज्ञों का कहना है कि इसका असर नेपाली जनजीवन और अर्थव्यवस्था पर अवश्य पड़ेगा।

आयात-निर्भर और वैदेशिक रोजगार पर आधारित अर्थव्यवस्था होने के कारण मध्यपूर्व का संघर्ष नेपाल की अर्थव्यवस्था पर बहुआयामी प्रभाव डाल सकता है। नेपाल की अर्थव्यवस्था का प्रमुख आधार रेमिटेंस है, जो वैदेशिक रोजगार के माध्यम से देश में आता है।

खाड़ी देश नेपाल के प्रमुख श्रम गंतव्य रहे हैं। नेपाल राष्ट्र बैंक की 2025 की एक रिपोर्ट के अनुसार वैदेशिक रोजगार में जाने वाले नेपाली श्रमिकों में से 58.9 प्रतिशत सऊदी अरब, दुबई, कतर सहित खाड़ी देशों में कार्यरत हैं।

अर्थविद् डा. केशव आचार्य का कहना है कि नेपाल के प्रमुख श्रम गंतव्य क्षेत्र में संघर्ष होने से अर्थव्यवस्था पर सीधा प्रभाव पड़ेगा। उनका कहना है कि रेमिटेंस का अधिकतम हिस्सा खाड़ी देशों से आता है और यदि युद्ध लंबा खिंचता है तो रेमिटेंस में गिरावट की प्रबल संभावना है।

उन्होंने चेतावनी दी कि यदि रेमिटेंस में संकुचन आता है तो नेपाल की अर्थव्यवस्था नकारात्मक दिशा में जा सकती है। वर्तमान में नेपाल की अर्थव्यवस्था लगभग 61 खरब 7 अरब रुपये की है, जिसमें रेमिटेंस का हिस्सा 25 प्रतिशत से अधिक है। पिछले आर्थिक वर्ष में नेपाल में 17 खरब 23 अरब 27 करोड़ रुपये रेमिटेंस के रूप में आए थे।

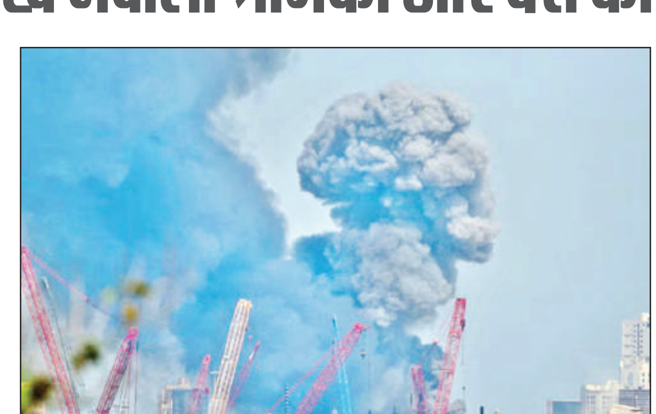

डा. आचार्य के अनुसार, यदि रेमिटेंस नहीं आएगा तो उस पर निर्भर परिवारों की खर्च करने की क्षमता घटेगी। पहले से सुस्त अर्थव्यवस्था में रेमिटेंस आपूर्ति कम होने पर आर्थिक संकुचन का जोखिम बढ़ जाएगा। उनका अनुमान है कि यदि खाड़ी देशों से मात्र 5 प्रतिशत रेमिटेंस भी रुक जाता है तो जीडीपी नकारात्मक दिशा में जा सकता है।

श्रम विशेषज्ञ डा. गणेश गुरुङ का कहना है कि खाड़ी देशों में युद्ध लंबा खिंचने पर प्रतिदिन नेपाल आने वाली रेमिटेंस पर असर पड़ेगा। उनके अनुसार, युद्ध शुरू होते ही संबंधित देशों और नेपाली दूतावासों ने नागरिकों से सुरक्षित स्थानों पर रहने का आग्रह किया है। ऐसे में उद्योग-धंधे बंद होने से आय के स्रोत प्रभावित होंगे और रेमिटेंस में गिरावट आएगी। इसी बीच मध्यपूर्व और खाड़ी क्षेत्र की विषम परिस्थिति को ध्यान में रखते हुए नेपाल सरकार ने सऊदी अरब, संयुक्त अरब अमीरात (यूएई), कतर, कुवैत, बहरीन, ओमान, इराक, यमन, जार्डन, लेबनान, तुर्की और इजरायल सहित 12 देशों के लिए वैदेशिक रोजगार की श्रम स्वीकृति अस्थायी रूप से स्थगित कर दी है। खाड़ी देशों को विश्व में तेल भंडार के प्रमुख केंद्र के रूप में देखा जाता है। विश्व की लगभग एक-तिहाई पेट्रोलियम मांग की आपूर्ति इन्हीं देशों से होती है। अर्थविद् डा. केशव आचार्य के अनुसार जब तेल उत्पादक देश युद्ध में उलझते हैं, तो पेट्रोलियम आपूर्ति में बाधा उत्पन्न होती है और अंतरराष्ट्रीय बाजार में कीमतें बढ़ने लगती हैं। उनका कहना है कि मांग के अनुरूप आपूर्ति न होने पर वैश्विक स्तर पर तेल के दाम बढ़ जाते हैं। तेल महंगा होने से परिवहन किराया बढ़ता है, जिसका सीधा प्रभाव सभी वस्तुओं की कीमतों पर पड़ता है और व्यापक महंगाई की स्थिति उत्पन्न होती है।

मुर्मु ने दिल्ली की महिलाओं के लिए चार कल्याणकारी योजनाएँ शुरू की

नयी दिल्ली, 02 मार्च (एजेंसियां)। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु और दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने सोमवार को दिल्ली की महिलाओं के लिए चार कल्याणकारी पहल शुरू की जिनमें 'दिल्ली लखपति बिटिया योजना', होली और दिवाली पर मुफ्त एलपीजी सिलेंडर देने की योजना, 'सहेली पिंक स्मार्ट कार्ड' और लाभार्थियों को 100 करोड़ रुपये से ज़्यादा का सीधा बैंक ट्रांसफर शामिल है।

राष्ट्रपति ने यहां 'सशक्त नारी, समृद्ध दिल्ली' नाम के एक विशेष कार्यक्रम में इन योजनाओं की शुरुआत की है।

केंद्र सरकार की 'वन नेशन, वन कार्ड' से प्रेरणा लेते हुए दिल्ली सरकार की ओर से राजधानी की महिला निवासियों के लिए नेशनल कॉमन मोबिलिटी कार्ड (एनसीएमसी) की शुरुआत की गयी है। पिंक कार्ड दिल्ली निवासी महिलाओं को डीटीसी बसों में निःशुल्क यात्रा की सुविधा प्रदान करेगा। इसके साथ ही मेट्रो, रीजनल रेपिड ट्रांजिट सिस्टम (आरआरटीएस) और अन्य सार्वजनिक परिवहन सेवाओं में एक ही स्मार्ट कार्ड के माध्यम से सशुल्क सुविधा देगा।

यह पहल सार्वजनिक परिवहन को अधिक सुलभ, सुरक्षित और डिजिटल बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है। इससे महिलाओं के दैनिक यात्रा खर्च में कमी आएगी और उन्हें शिक्षा, रोजगार, स्वास्थ्य तथा सामाजिक अवसरों तक सुगम पहुंच मिलेगी। पिंक कार्ड यह एक टच-फ्री और सुरक्षित स्मार्ट कार्ड होगा। इससे हर यात्रा का सही डिजिटल रिकॉर्ड रखा जाएगा। नकद लेन-देन कम होगा और आय का हिसाब-किताब अधिक साफ और पारदर्शी रहेगा। यात्रा के आंकड़ों की मदद से बस रूट तय करने, बसों की संख्या सही करने और बेहतर फैसले लेने में आसानी होगी। यही कार्ड पिंक पेपर टिकट की जगह लेगा, जिससे पूरी व्यवस्था ज्यादा आसान और आधुनिक बन जाएगी। श्रीमती गुप्ता ने बताया कि बदलते समय और उच्च शिक्षा की बढ़ती लागत को देखते हुए बालिकाओं के लिए प्रभावी और भविष्योन्मुखी योजना बनाने की आवश्यकता थी। इसी सोच के साथ लाडली योजना को विस्तारित और सुदृढ़ रूप में 'दिल्ली लखपति बिटिया योजना' के रूप में पुनर्गठित किया गया है। उन्होंने कहा कि पूर्व संरचना के अंतर्गत प्रत्येक पात्र बालिका के नाम पर संस्थागत जन्म होने पर 11,000 रुपये और घरेलू जन्म होने पर 10,000 रुपये जमा किए जाते थे। इसके अतिरिक्त कक्षा एक, छह और नौवीं में प्रवेश, कक्षा दसवीं उत्तीर्ण करने तथा कक्षा बारह में प्रवेश जैसे महत्वपूर्ण शैक्षणिक पड़ावों पर 5,000 रुपये की राशि जमा की जाती थी। यह संचित राशि ब्याज सहित 18 वर्ष की आयु में निकाली जा सकती थी। उन्होंने कहा कि नयी योजना में सहायता की राशि और दृष्टिकोण दोनों को व्यापक रूप से बढ़ाया गया है। अब बालिका के नाम पर विभिन्न चरणों में कुल 56,000 रुपये जमा किए जाएंगे और ब्याज सहित 21 वर्ष की आयु तक यह परिपक्वता मूल्य 1 लाख रुपये से अधिक होने की उम्मीद है।'दिल्ली लखपति बिटिया योजना' का लाभ उन्हीं परिवारों को मिलेगा जिनकी वार्षिक आय 1.20 लाख रुपये से अधिक न हो तथा जो पिछले तीन वर्षों से दिल्ली में रह रहे हों। बालिका का जन्म दिल्ली में होना अनिवार्य है। पंजीकरण जन्म के एक वर्ष के भीतर या निर्धारित शैक्षणिक पड़ावों पर कराया जा सकता है। यह लाभ प्रति परिवार दो जीवित बालिकाओं तक सीमित रहेगा।

कार्यक्रम में दिल्ली लाडली योजना के तहत 40,642 पात्र लाभार्थियों को 100.25 करोड़ रुपये की डिजिटल राशि डीबीटी की गयी जो काफी समय से अपनी परिपक्वता राशि प्राप्त नहीं कर पाए थे। यह राशि 'मेरी पूंजी मेरा अधिकार' के तहत प्रदान की गयी। वर्ष 2008 में शुरू की गई दिल्ली लाडली योजना का उद्देश्य बालिका के जन्म और शिक्षा को प्रोत्साहित करना और शिक्षा के महत्वपूर्ण पड़ावों पर संरचित वित्तीय सहायता के माध्यम से लैंगिक असमानताओं को दूर करना था। परिपक्वता राशि, अर्जित ब्याज सहित, डीबीटी माध्यम से सीधे आधार से जुड़े बैंक खातों में ट्रांसफर की गयी, जिससे पारदर्शिता, दक्षता और लाभार्थियों तक सीधी पहुंच सुनिश्चित हुयी।

राष्ट्रपति ने दिल्ली में सभी राशन कार्ड रखने वाले परिवारों को हर साल दो मुफ्त एलपीजी सिलेंडर देने के लिए एक नयी कल्याणकारी पहल भी शुरू की। यह फायदा हर साल होली और दिवाली के मौके पर भी दिया जाएगा। इस योजना के तहत वित्तीय मदद डायरेक्ट बेनिफिट ट्रांसफर (डीबीटी) के ज़रिए सीधे लाभार्थी को हस्तांतरित की जाएगी।

लेकिन रेडियोधर्मिता रिसाव का खतरा बरकरार : आईएईए

वियना, 02 मार्च (एजेंसियां)। अंतरराष्ट्रीय परमाणु ऊर्जा एजेंसी (आईएईए) ने कहा है कि अब तक ईरान के किसी भी परमाणु ठिकाने पर हमला नहीं हुआ है, लेकिन 'रेडियोधर्मिता रिसाव' की संभावना को टाला नहीं जा सकता।

आईएईए के महानिदेशक राफेल ग्रोसी ने ईरान और पश्चिम एशिया में जारी सैन्य हमलों पर गहरी चिंता व्यक्त करते हुए सभी पक्षों से अधिकतम संयम बरतने और परमाणु प्रतिष्ठानों पर किसी भी तरह के सशस्त्र हमले से बचने की अपील की है।

श्री ग्रोसी ने कहा कि आईएईए स्थिति की निगरानी जारी रखेगा और यदि परमाणु सुरक्षा में कोई उल्लंघन होता है तो सदस्य देशों को तत्काल तकनीकी सहायता प्रदान करने के लिए तैयार है। उन्होंने आगाह किया कि यदि रेडियोधर्मिता रिसाव होता है तो बड़े शहरों को खाली कराने की नौबत आ सकती है।

श्री ग्रोसी ने कहा कि एजेंसी ने अपने अधिकार क्षेत्र के अनुरूप संभावित रेडियोधर्मिता रिसाव आपात स्थिति की आशंका को ध्यान में रखते हुए तत्काल कार्रवाई की है। आईएईए का 'इंसिडेंट एंड इमरजेंसी सेंटर' (आईईसी) सक्रिय है और एक समर्पित टीम स्थिति का आकलन कर रही है, हालांकि संघर्ष के कारण संचार में बाधाएं आ रही हैं। उन्होंने बताया कि क्षेत्रीय सुरक्षा निगरानी नेटवर्क को सतर्क कर दिया गया है और अब तक ईरान से सटे देशों में पृष्ठभूमि स्तर से अधिक विकिरण दर्ज नहीं हुआ है।

ईरान में परमाणु प्रतिष्ठानों की स्थिति पर उन्होंने कहा कि अब तक बुशहर परमाणु ऊर्जा संयंत्र, तेहरान अनुसंधान रिएक्टर या अन्य परमाणु ईंधन चक्र सुविधाओं के क्षतिग्रस्त होने का कोई संकेत नहीं मिला है। आईएईए ने ईरान के परमाणु नियामक प्राधिकरण से संपर्क साधने के प्रयास जारी रखे हैं, लेकिन अभी तक प्रतिक्रिया नहीं मिली है।

महानिदेशक ने चेतावनी दी कि क्षेत्र के कई देशों में संचालित परमाणु ऊर्जा संयंत्र और अनुसंधान रिएक्टर हैं, जिससे किसी भी सैन्य हमले की स्थिति में परमाणु सुरक्षा के लिए जोखिम बढ़ जाता है। संयुक्त अरब अमीरात में चार परिचालित परमाणु रिएक्टर हैं, जबकि जॉर्डन और सीरिया में अनुसंधान रिएक्टर संचालित हैं।

उन्होंने संयुक्त राष्ट्र महासम्मेलन के पूर्व प्रस्तावों का उल्लेख करते हुए कहा कि परमाणु सुविधाओं पर सशस्त्र हमले कभी नहीं होने चाहिए, क्योंकि इससे गंभीर रेडियोधर्मी उत्सर्जन हो सकता है, जिसके प्रभाव सीमाओं से परे तक पड़ सकते हैं।

ईरान के परमाणु कार्यक्रम को लेकर दीर्घकालिक समाधान के लिए उन्होंने कूटनीति और वार्ता पर लौटने की आवश्यकता दोहराई। उन्होंने कहा कि बल प्रयोग अंतरराष्ट्रीय संबंधों का हिस्सा रहा है, लेकिन यह हमेशा अंतिम विकल्प होना चाहिए।

उन्होंने कहा, कूटनीति कठिन है, लेकिन असंभव नहीं। परमाणु कूटनीति और भी कठिन है, लेकिन असंभव नहीं। हमें जल्द से जल्द वार्ता की मेज पर लौटना ही होगा।

खामेनेई की मौत पर प्रदर्शनों के बीच कश्मीर में मोबाइल इंटरनेट की गति धीमी की गयी

श्रीनगर, 02 मार्च (एजेंसियां)। ईरान के सर्वोच्च नेता अयातुल्ला अली खामेनेई की हत्या के विरोध में हुए प्रदर्शनों के मद्देनजर सोमवार को कश्मीर भर में मोबाइल इंटरनेट की गति धीमी कर दी गई।

अधिकारियों ने बताया कि क्षेत्र में कानून व्यवस्था बनाए रखने के लिए एहतियाती उपाय के तौर पर यह कदम उठाया गया है।

शनिवार को तेहरान में इजराइल और अमेरिका द्वारा किए गए संयुक्त हवाई हमले में खामेनेई की मौत हो गयी थी। ईरान के सरकारी मीडिया ने रविवार को इसकी पुष्टि की जिसके बाद भारत समेत दुनियाभर में प्रदर्शन हुए।

एक अधिकारी ने बताया कि कश्मीर में लगभग 15 लाख शिया रहते हैं। उन्होंने बताया कि लाल चौक, सैदा कदल, बडगाम, बांदीपोरा, अनंतनाग और पुलवामा में बड़े पैमाने पर विरोध प्रदर्शन हुए।

प्रदर्शनकारियों को अमेरिका विरोधी और इजराइल विरोधी नारे लगाते हुए और मातम मनाने के तौर पर अपनी छाती पीटते हुए देखा गया।

अधिकारियों ने बताया कि कश्मीर घाटी में सभी मोबाइल नेटवर्क की हाई-स्पीड इंटरनेट की गति धीमी कर दी गई है।

इस बीच, पुलिस ने एक परामर्श जारी कर सभी मीडिया संस्थानों और समाचार मंचों से अपनी रिपोर्टिंग में उच्चतम स्तर की जिम्मेदारी और पेशेवर रवैया बरतने का आग्रह किया है।परामर्श में कहा गया है, ''कृपया अपुष्ट जानकारी, अटकलों या अफवाहों को प्रकाशित करने से बचें; सुनिश्चित करें कि सभी रिपोर्टों को प्रसारित करने से पहले विश्वसनीय और आधिकारिक स्रोतों से पुष्टि की गई हो; और सनसनीखेज सुर्खियों से बचें जो अनावश्यक दहशत पैदा कर सकती हैं।''पुलिस ने कहा कि जनता का विश्वास बनाए रखने और गलत सूचनाओं को रोकने के लिए जिम्मेदार तथा तथ्यों पर आधारित रिपोर्टिंग आवश्यक है।

भारत-कनाडा का 50 अरब डालर के द्विपक्षीय व्यापार का लक्ष्य, आर्थिक, रक्षा क्षेत्र में भी बढ़ेगा सहयोग : मोदी

नयी दिल्ली, 02 मार्च (एजेंसियां)। भारत और कनाडा ने वर्ष 2030 तक द्विपक्षीय व्यापार को 50 अरब डॉलर तक बढ़ाने तथा रक्षा सहयोग को और मजबूत बनाने के लिए भारत-कनाडा रक्षा संवाद शुरू करने का निर्णय लिया है। दोनों देशों ने आर्थिक क्षेत्र में सहयोग को पुख्ता करने पर भी सहमति व्यक्त की है। उन्होंने पश्चिम एशिया की स्थिति पर गहरी चिंता व्यक्त करते हुए कूटनीति और बातचीत से मुद्दों के समाधान पर जोर दिया है।

दोनों देशों ने आतंकवाद, उग्रवाद और कट्टरपंथ को मानवता के लिए साझा और गंभीर चुनौती माना है। श्री मोदी ने भारत की चार दिन की यात्रा पर आये कनाडा के प्रधानमंत्री मार्क कार्नी के साथ सोमवार को यहां द्विपक्षीय वार्ता के बाद संयुकत वक्तव्य में यह बात कही।

उन्होंने कहा कि कनाडा और भारत का लोकतान्त्रिक मूल्यों में अटूट विश्वास है और दोनों देश विविधता को पूरी तरह मान्यता देते हैं। उन्होंने कहा कि मानवता की भलाई हमारा साझा विजन है जो हमें हर क्षेत्र में आगे बढ़ने की प्रेरणा देता है। प्रधानमंत्री ने कहा कि दोनों देशों ने इस साझा विजन को आगे बढ़ाने और अपनी साझेदारी को अगले स्तर तक ले जाने के बारे में विस्तार से चर्चा की। उन्होंने कहा कि हमने वर्ष 2030 तक द्विपक्षीय व्यापार को 50 अरब डॉलर तक ले जाने का लक्ष्य रखा है। दोनों देशों ने आर्थिक संभावनाओं को पूरा फायदा उठाने के लिए व्यापक आर्थिक सहयोग साझेदारी को जल्द ही अंतिम रूप देने का भी निर्णय लिया है। श्री मोदी ने कहा कि कनाडा के पेंशन फंडों ने भारत में 100 अरब डॉलर का निवेश किया है जिससे भारत की विकास यात्रा में उनके गहरे विश्वास का पता चलता है।

'मोदी जी, हमें बचा लीजिए', मिसाइलों की बारिश के बीच फंसे 90 लाख भारतीय, तेहरान से दुबई तक गुहार

नयी दिल्ली, 02 मार्च (एजेंसियां)। मिडिल ईस्ट में ईरान, इज़राइल और अमेरिका के बीच छिड़ा भीषण युद्ध अब एक मानवीय संकट में बदल गया है। खाड़ी देशों में रहने वाले 90 लाख से ज़्यादा भारतीय इस समय मिसाइलों और सायरन के शोर के बीच फंसे हुए हैं। तेहरान के मेडिकल कॉलेजों से लेकर दुबई के आलीशान होटलों तक, हर जगह से भारतीय नागरिकों की घर वापसी की गुहार सुनाई दे रही है। 28 फरवरी को ईरान के सर्वोच्च नेता अयातुल्ला अली खामेनेई की मौत के बाद शुरू हुए हमलों ने पूरे खाड़ी क्षेत्र को दहला दिया है। यूएई, कतर, ओमान और सऊदी अरब जैसे देशों में, जहाँ भारतीय प्रवासियों की सबसे बड़ी संख्या है, वहां अब युद्ध के सायरन गूंज रहे हैं।

भारतीय नागरिकों की अपीलों की बाढ़ आ गई है, जिनमें से कई ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और विदेश मंत्रालय (एमईए) से उन्हें निकालने की गुज़ारिश की है। एमईए ने प्रभावित देशों में भारतीयों के लिए इमरजेंसी हेल्पलाइन नंबर जारी किए हैं, जो मेडिकल इमरजेंसी, सुरक्षा और निकलने से जुड़े सवालों के लिए मदद देते हैं। दुबई में एक वर्कर ने इंस्टाग्राम रील पर पोस्ट किया, मैं यहां रोज़ी-रोटी के लिए आया था, लेकिन अब मैं बम से बचने की कोशिश कर रहा हूं। मैं मोदी जी और भारत सरकार से रिक्वेस्ट करता हूं कि हमें यहां से निकालें।

टूरिस्ट भी दुबई और अबू धाबी में फंसे हुए हैं, और मिडिल ईस्ट में एमबीए और मेडिकल के स्टूडेंट भी सोशल मीडिया पर वीडियो पोस्ट कर रहे हैं, जिसमें भारत सरकार से मदद मांगी जा रही है। मिडिल ईस्ट में 9 मिलियन से ज़्यादा भारतीय हैं, जिनमें से ज़्यादातर वर्कर हैं जो रोज़ी-रोटी की तलाश में खाड़ी देशों में चले गए थे।

दुबई जैसी टॉप ग्लोबल टूरिस्ट जगहों पर भी मिसाइलों की बारिश हो रही है, जिससे बाहर से आए लोगों में डर बैठ गया है क्योंकि बहरीन, इराक, जॉर्डन, कुवैत, ओमान, कतर, सऊदी अरब, यूएई में सायरन बज रहे हैं।

ईरान में भारतीय स्टूडेंट्स, खासकर तेहरान में मेडिकल स्टूडेंट्स ने मदद की गुहार लगाते हुए इमोशनल वीडियो शेयर किए हैं। एक महिला स्टूडेंट ने कहा: मैं एक इंडियन स्टूडेंट हूँ और अभी तेहरान में हूँ। यहाँ के हालात बहुत खराब और अनिश्चित लग रहे हैं। हमें सच में नहीं पता कि आगे क्या होने वाला है। हम सच में शुक्रगुजार हैं कि भारत सरकार और विदेश मंत्रालय हमारी सुरक्षा के लिए बातचीत कर रहे हैं। लेकिन ऐसे समय में, स्पीड बहुत मायने रखती है... एयर स्ट्राइक हो रही हैं और हमारे लिए हालात बहुत खराब होते जा रहे हैं। हम बस जल्द से जल्द और साफ-साफ लोगों को निकालने की रिक्वेस्ट करते हैं...

ईरान यूनिवर्सिटी ऑफ़ मेडिकल साइंसेज के एक और पुरुष स्टूडेंट ने कहा, मैं ईरान यूनिवर्सिटी ऑफ़ मेडिकल साइंस का स्टूडेंट हूँ। हम अभी तेहरान में हैं और यहाँ मिसाइलों की बारिश हो रही है। और हम सभी स्टूडेंट जो इस वीडियो में आना भी नहीं चाहते, इसलिए उनकी तरफ से भी मैं भारत सरकार से अपील करना चाहूँगा कि वे हमें जल्द से जल्द निकालें...

यह ध्यान देने वाली बात है कि अभी ईरान में कम से कम 2,000 कश्मीरी स्टूडेंट हैं, जिनमें से कई मेडिसिन की पढ़ाई कर रहे हैं। जम्मू और कश्मीर स्टूडेंट्स एसोसिएशन ने पीएम मोदी को चिट्ठी लिखकर डिप्लोमैटिक दखल और जल्दी निकालने की रिक्वेस्ट की है।

वैश्विक आर्थिक परिदृश्य में भारत का एक महत्वपूर्ण स्थान : प्रधान

नयी दिल्ली, 02 मार्च (एजेंसियां)। शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने कहा है कि भारत का वैश्विक आर्थिक परिदृश्य में एक महत्वपूर्ण स्थान बना हुआ है जो सीखने, अनुसंधान करने, नवाचार करने और उसे लागू करने के लिये अपार अवसर प्रदान करता है।

श्री प्रधान ने सोमवार को आयोजित 'स्टडी इन इंडिया एडु-डिप्लोमैटिक कॉन्क्लेव 2026' को संबोधित किया। इस सम्मेलन में उच्च शिक्षा में अंतरराष्ट्रीय सहयोग को मजबूत करने पर विचार-विमर्श करने के लिए 50 से अधिक देशों के राजदूत, उच्चायुक्त, राजनयिक मिशनों के प्रतिनिधि और मंत्रालय के अधिकारी एकत्रित हुए। इस दौरान श्री प्रधान ने राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी) 2020 के तहत भारत की शिक्षा प्रणाली में हुए बदलावों के बारे में बताया।

उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भारत को 2047 तक एक विकसित राष्ट्र बनाने की परिकल्पना की है, जो स्वतंत्रता की 100वीं वर्षगांठ का प्रतीक होगा। इस संदर्भ में उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि भारत का वैश्विक आर्थिक परिदृश्य में एक महत्वपूर्ण स्थान बना हुआ है, जो सीखने, अनुसंधान करने, नवाचार करने और उसे लागू करने के अपार अवसर प्रदान करता है।

शिक्षा मंत्री ने इस बात पर जोर दिया कि भारत की सबसे बड़ी ताकत उसका जीवंत ज्ञान तंत्र, जनसांख्यिकीय लाभांश और तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्था है।

उन्होंने कहा कि नयी शिक्षा नीति 2020 और 'स्टडी इन इंडिया' पहल के माध्यम से देश छात्रों, शोधकर्ताओं और संस्थानों के लिए वैश्विक अवसरों का विस्तार कर रहा है।

उन्होंने इस बात का भी उल्लेख किया कि कृत्रिम बुद्धिमत्ता, जैव प्रौद्योगिकी और सेमीकंडक्टर से लेकर सतत ऊर्जा तक, भारत एक विश्वसनीय नवाचार भागीदार के रूप में उभर रहा है, जो सहयोग, क्षमता निर्माण और साझा ज्ञान पर आधारित वैश्विक दक्षिण मॉडल को आगे बढ़ा रहा है।

उन्होंने कहा कि अनिश्चितता और तेजी से बदलती दुनिया में शिक्षा ही समाजों के बीच सबसे मजबूत सेतु है और भारत सहयोगी देशों के साथ ज्ञान के मजबूत सेतु बनाने का प्रयास कर रहा है।

सपनों के शहर में एनिमल बनने की दास्तां, महेश मांजरेकर की रंगमंच पर वापसी

मशहूर अभिनेता और फिल्म निर्देशक महेश मांजरेकर काफी समय बाद रंगमंच पर वापसी करने जा रहे हैं। वे जल्द ही नाटक 'एनिमल' में मुख्य भूमिका निभाते नजर आएंगे। इस नाटक का निर्माण प्रसिद्ध थिएटर निर्माता अश्विन गिडवानी ने किया है। एनिमल एक गहरी और भावुक कहानी है, जो महत्वाकांक्षा के पीछे भागते हुए इंसान की भावनाओं के धीरे-धीरे होने वाले क्षरण को दिखाती है। नाटक का मुख्य किरदार है दत्तू, जिसे महेश ने बखूबी निभाया है। दत्तू महाराष्ट्र के पंढरपुर के पास एक छोटे से शहर का साधारण युवक है। वह स्टार बनने के बड़े सपने लेकर मुंबई आता है।

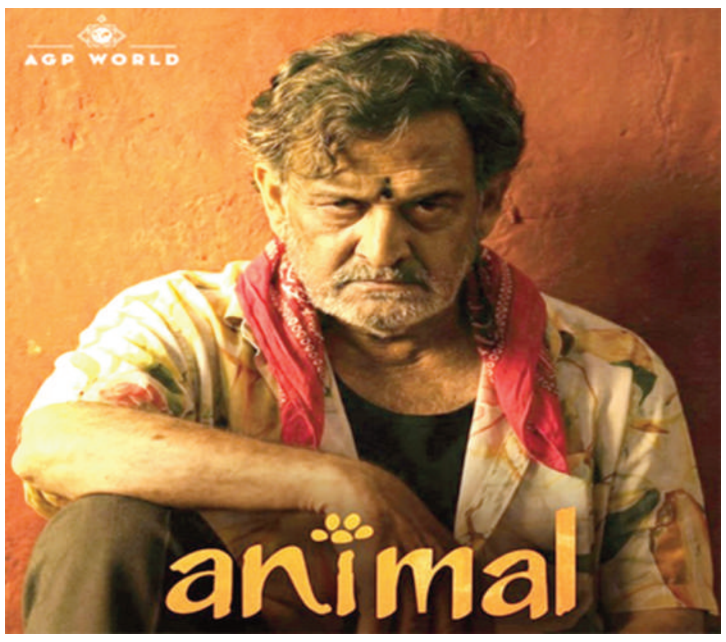

अपने किरदार को लेकर महेश मांजरेकर ने बताया, यह कहानी मैंने इंडस्ट्री में बहुत करीब से देखी है। दत्तू कोई हीरो नहीं है और न ही कोई खास शख्स। वह बस एक आम लड़का है, जो सपनों से भरा सूटकेस और पेट में भूख लेकर मुंबई पहुंचता है। मैंने ऐसे हजारों युवकों को देखा है। कुछ लोग स्टार बन जाते हैं, लेकिन ज्यादातर सिर्फ परछाई बनकर रह जाते हैं।

उन्होंने आगे बताया, जिस चीज ने मुझे इस नाटक की ओर खींचा, वह दत्तू की मासूमियत थी। शहर उसे रातोंरात नहीं बदलता, बल्कि धीरे-धीरे छीन लेता है। एक समझौता, एक अपमान, एक रिजेक्शन ऐसे ही छोटे-छोटे कदमों से वह 'जानवर' बनता जाता है।

'एनिमल' नाटक करीब नौ साल की लंबी तैयारी और बातचीत के बाद मंच पर आ रहा है। इस प्रोडक्शन में महेश मांजरेकर ने डायरेक्टर और एक्टर दोनों की जिम्मेदारी संभाली है। यह फैसला नाटक को और भी असली और भावुक बनाता है।

महेश ने कहा, दत्तू मुंबई से एक प्रेमी की तरह बात करता है, लेकिन मुंबई उससे एक जज की तरह पेश आती है।

महेश ने कहा कि उन्होंने स्टेज पर मरीन ड्राइव या चमकते स्काईलाइन जैसे सीन दिखाने के बजाय शहर को आवाजों से जीवंत किया है। उन्होंने कहा, इसमें लोकल ट्रेन के अनाउंसमेंट, ऑडिशन रूम की 'नेक्स्ट' पुकार, और बंद होते दरवाजों की आवाज है। स्टेज पर जानबूझकर खालीपन रखा गया है, क्योंकि मुंबई अक्सर यही देती है, बहुत सारी जगह, लेकिन अपनी जगह नहीं। महेश मांजरेकर और अनुभवी निर्माता अश्विन गिडवानी ने एजीपी वर्ल्ड के बैनर तले इस नाटक को तैयार किया है।

'एनिमल' अपनी कहानी के जरिए मुंबई की चकाचौंध के पीछे छिपी कड़वी हकीकत को बयां करेगी।

करण कुंद्रा ने तेजस्वी से रिश्ते पर बयां किया हाल-ए-दिल, बोले

पार्टनर सही हो तो भटकने की गुंजाइश नहीं रहती

एक्टर करण कुंद्रा की जिंदगी में उनकी खास दोस्त तेजस्वी प्रकाश बेहद मायने रखती हैं। करण ने बताया कि तेजस्वी उन्हें हमेशा जमीन से जोड़े रखती हैं और जरूरत पड़ने पर उन्हें उनकी जगह भी दिखा देती हैं। तेजस्वी की वजह से रिश्ते में लॉजिक और दिल का बैलेंस है। करण ने अपने रिश्ते के बारे में खुलकर बात की। करण ने बताया कि तेजस्वी और उनका रिश्ता अब चार साल से ज्यादा पुराना हो चुका है और यह काफी मजबूत और समझदारी भरा है। करण ने कहा, हम दोनों के अपने-अपने लक्ष्य हैं। चार साल से ज्यादा साथ रहने के बाद हमें पता चल गया है कि कुछ काम वह बहुत अच्छे से करती हैं और कुछ मैं बेहतर करता हूं।

उन्होंने मजाकिया अंदाज में कहा, कभी-कभी मैं चीजों को लेकर थोड़ा ज्यादा भावुक हो जाता हूं, लेकिन तेजस्वी कहती हैं, 'सुनो, यह काम मैं बेहतर कर सकती हूं।' अगर मैं उन्हें न कहने की कोशिश करता हूं, तो वह बिना हिचकिचाए मुझे मेरी जगह दिखा देती हैं। वह कहती हैं, 'यह लॉजिक है,' और मैं कहता हूं, 'कभी-कभी दिल की बात भी होती है।' उनकी राय बहुत पक्की होती है। हम इंसान हैं, कभी वह सही होती हैं और कभी मैं। खास बात है कि ज्यादातर बार तो वह ही सही होती हैं, लेकिन यही तो रिश्ते की असली खूबसूरती है।

करण ने बताया कि जब जिंदगी में सही इंसान मिल जाता है, तो सब कुछ ठीक हो जाता है और कोई डिस्ट्रैक्शन नहीं रहता। उनका पूरा ध्यान बस उसी एक शख्स पर केंद्रित हो जाता है। उन्होंने बताया, जैसे ही मेरा काम खत्म होता है और पैक-अप हो जाता है, मेरा मन बस यही सोचता रहता है - तेजा कहां है? मुझे वहां जाना चाहिए? बस उसी की तरफ खिंचाव महसूस होता है। एक्टर का मानना है कि सच्चा और खुशहाल रिश्ता मिलने पर इंसान की पूरी दुनिया वही एक पार्टनर बन जाता है। चाहे फिल्म इंडस्ट्री हो या कोई भी दूसरा क्षेत्र, जब आप सही इंसान के साथ होते हैं, तो बस उसी के साथ समय बिताने की चाहत रहती है। करण का मानना है कि पुराने जमाने वाला सच्चा प्यार आज भी वैसा ही है। जब सही पार्टनर मिल जाता है, तो बहकने या इधर-उधर ध्यान जाने की कोई वजह नहीं बचती, बल्कि उस इंसान की ओर और ज्यादा आकर्षण बढ़ता है। वह कहते हैं कि ऐसे रिश्ते में परेशानी नहीं, बल्कि सुकून और खुशी मिलती है।

करण और तेजस्वी को उनके फैंस प्यार से 'तेजरन' के नाम से बुलाते हैं। दोनों की पहली मुलाकात 2021 में रियलिटी शो 'बिग बॉस 15' में हुई थी। शो के अंदर उनके रिश्ते में कई उतार-चढ़ाव आए, लेकिन बाहर आने के बाद यह और भी गहरा और मजबूत हो गया।

सनी लियोन ने शेयर की अपनी इमोशनल मदरहुड जर्नी

बॉलीवुड की एक प्रमुख फिल्म निर्देशक, कोरियोग्राफर, डांसर और निर्माता फराह खान इन दिनों अपने यूट्यूब व्लॉग्स और मजेदार कुकिंग वीडियो के कारण सुर्खियों में बनी रहती हैं। फराह अपने यूट्यूब चैनल पर कुक दिलीप कुमार के साथ वीडियो डालती है, जहां वह अलग-अलग सेलेब्स के साथ मजेदार कुकिंग रेसिपी, अनफिल्टर्ड बातचीत और डेली लाइफ ब्लॉग शेयर करती हैं, जो लोगों को काफी पसंद आता है। फराह ने सोमवार को अपने यूट्यूब चैनल पर एक नया वीडियो पोस्ट किया है, जिसमें वो सनी लियोन के खूबसूरत घर पर नजर आ रही है। वीडियो में आपको सनी के लग्जरी हाउस टूर के साथ उनकी इमोशनल मदरहुड जर्नी और उनकी बेटी निशा की स्मार्ट इन्वेंशन देखने को मिलेगी।

वीडियो में आगे सनी फराह के लिए कुकिंग करते हुए भी नजर आ रही है, जहां उन्होंने लेमन बटर पास्ता की रेसिपी फैंस के साथ शेयर की है। इसके अलावा आगे आपको फराह के कुक दिलीप की सनी के पति डेनियल वेबर के साथ फनी रेसलिंग फाइट भी देखने को मिलेगा।

फराह के इस नए वीडियो में फैंस को सनी लियोन के खूबसूरत घर में हुई फुल ऑन कॉमेडी, हंगामा, खाना पकाने का मजा और उनकी मदरहुड की इमोशनल जर्नी के बारे में जानने को मिलेगा।

फराह खान के कुक दिलीप कुमार उनके व्लॉग्स के माध्यम से एक सोशल मीडिया स्टार बन गए हैं। फराह अपने यूट्यूब वीडियो में कुक दिलीप के साथ मस्ती और नोक-झोंक करती नजर आती हैं, जो दर्शकों को काफी पसंद आता है। वहीं, फराह खान ने 'मैं हूं ना', 'ओम शांति ओम', और 'हैप्पी न्यू ईयर' जैसी ब्लॉकबस्टर फिल्मों का निर्देशन किया है, जिसमें- 80 से अधिक फिल्में और 100 से ज्यादा गानों की कोरियोग्राफी शामिल है।

सनी लियोन एक कनाडाई-अमेरिकी अभिनेत्री, मॉडल और पूर्व एडल्ट फिल्म स्टार हैं, जो वर्तमान में बॉलीवुड में सक्रिय हैं। 'बिग बॉस' सीजन 5 फेम सनी ने 2012 में आई 'जिस्म 2' फिल्म से बॉलीवुड में डेब्यू किया था। इसके बाद अभिनेत्री कई और फिल्मों और रियलिटी शो में नज़र आईं।

सनी लियोन ने 2011 में डेनियल वेबर से शादी की। कपल के तीन बच्चे हैं, जिसमें बेटी निशा को उन्होंने 2017 में गोद लिया था और जुड़वां बेटे नूह और अशर 2018 में सरोगेसी के जरिए पैदा हुए थे।

सिद्धांत चतुर्वेदी, निर्देशक अभिषेक चौबे के साथ मिलकर बनाएंगे बलिया पर फिल्म

छोटे शहर बलिया से निकलकर मेनस्ट्रीम हिंदी सिनेमा तक अपनी पहुंच बनानेवाले सिद्धांत चतुर्वेदी अब अपनी ज़िंदगी के अनुभवों को परदे पर लाने की तैयारी में जुटे हैं। हाल ही में सिद्धांत चतुर्वेदी ने खुद ये बात कही कि वे अपने डियर फ्रेंड और निर्देशक अभिषेक चौबे के साथ मिलकर अपने होम टाऊन बलिया को केंद्र में रखकर एक फिल्म बनाने की तैयारी कर रहे हैं। गौरतलब है कि 'गली बॉय' से अपने करियर की शुरुआत करने वाले सिद्धांत चतुर्वेदी ने 'गहराइयाँ', 'खो गए हम कहाँ' और 'धड़क 2' जैसी फ़िल्में की और हमेशा लेयर्ड और हटकर किरदार चुने। यही वजह है कि अपनी हर फिल्म में अपने हर परफॉर्मेंस के लिए सिद्धांत ने अपने दर्शकों की सराहना बटोरी।

फिलहाल अब वह अपने करियर के एक ऐसे मोड़ पर हैं, जहां वे चाहते हैं कि कहानी सीधे उनके जीवन और यादों से निकलकर सामने आए। इस बारे में खुलकर बात करते हुए सिद्धांत ने कहा, अभी तक ये ऑफिशियल नहीं है, लेकिन मुझे लगता है ये वही स्टेज है जहां मैं बोल देना चाहता हूं। मैं अपनी रूट्स (जड़ों) पर वापस जाना चाहता हूं। मुझे बलिया की कहानी कहनी है। वहां की ज़िंदगी मैंने देखी है, और मैं वही एक्सपीरियंस स्क्रीन पर लाना चाहता हूं।

उन्होंने इस फिल्म में निर्देशक अभिषेक चौबे के साथ अपने सहयोग को लेकर भी उत्साह ज़ाहिर करते हुए कहा, अभिषेक चौबे के साथ हम एक बलिया-बेस्ड स्टोरी पर काम कर रहे हैं। ये वाकई बहुत ही कमाल की कहानी है। इस पर काफी चर्चा चल रही है और मुझे लगता है कि बहुत जल्द ये सबके सामने आएगी।

बलिया में पले-बढ़े एक आम लड़के से लेकर बॉलीवुड के जाने-माने अभिनेता बनने तक, सिद्धांत चतुर्वेदी की जर्नी मेहनत, आत्मविश्वास और उद्देश्य से भरी रही है। ऐसे में यह फिल्म सिर्फ एक नया प्रोजेक्ट नहीं, बल्कि उनकी पहचान, यादों और जड़ों की ओर वापसी का संकेत है। यही वजह है कि सिद्धांत के मुंह से इस फिल्म की बात सुनते ही उनके दर्शकों के मन में उत्साह की लहर दौड़ गई है, क्योंकि वे जानते हैं की अपनी फिल्मों के ज़रिए सच्चाई, गहराई और भावनात्मक ईमानदारी का संदेश देनेवाले सिद्धांत चतुर्वेदी कुछ ख़ास ही करेंगे।

जलसा सिर्फ घर नहीं, लाखों दिलों का आशीर्वाद है: अमिताभ बच्चन

मेगास्टार अमिताभ बच्चन अक्सर अपने ब्लॉग और सोशल मीडिया के जरिए विचार व्यक्त कर अपनी मौजूदगी बनाए रखते हैं। सोमवार को उन्होंने अपने ब्लॉग पर एक खास नोट शेयर करते हुए लिखा कि उनका घर 'जलसा' सिर्फ एक घर नहीं बल्कि लाखों दिलों का आशीर्वाद है। अमिताभ बच्चन ने अपने ब्लॉग पर एक नोट शेयर करते हुए लिखा कि उनका घर 'जलसा' सिर्फ एक घर नहीं बल्कि लाखों दिलों का आशीर्वाद है। उन्होंने इसे तीन दशकों से ज्यादा समय तक मिले प्रशंसकों के प्यार व आशीर्वाद का प्रतीक बताया। अभिनेता ने 'जलसा' को सिर्फ एक मकान नहीं बल्कि लाखों दिलों के आशीर्वाद की जगह बताते हुए लिखा, यह घर पिछले 30 साल से ज्यादा वक्त से मेरे परिवार को छत दे रहा है। इसी घर में मेरे बच्चे बड़े हुए और उनकी शादियां भी हुईं। अब मेरे पोते-पोतियों में से भी कई इसी घर में खेलते हुए बड़े हुए हैं।

अमिताभ बच्चन ने अपने प्रशंसकों को अपना बड़ा परिवार बताते हुए कहा, आज की भागदौड़ भरी जिंदगी में प्रशंसक मेरे लिए अपना कीमती समय निकालकर मुझसे मिलने आते हैं और मेरे बेहतर स्वास्थ्य की कामना करते हैं, जो मेरे लिए किसी दिव्य अनुभूति से कम नहीं है। आपका प्यार और आशीर्वाद मेरे लिए बेहद कीमती है। उन्होंने इसे खुशी और आनंद की जगह बताया। उन्होंने लिखा, यह घर जश्न मनाने, परिवार के साथ रहने और समय के साथ चलते जीवन का सबूत है। यह घर अपनों की खुशियों को दिखाता है, हमारे जीने के तरीके से जुड़ा है और हमेशा जश्न व अस्तित्व का अहसास दिलाता रहता है। अमिताभ ने अपने विचारों को विराम देते हुए लिखा, एक ऐसा घर जो हमेशा खुशियों और साथ का प्रतीक बना रहेगा।

साल का पहला चन्द्र ग्रहण आज

साल का पहला चंद्र ग्रहण फाल्गुन पूर्णिमा मंगलवार 3 मार्च 2026 को लगेगा। यह खण्डग्रास चंद्र ग्रहण होगा। यह ग्रहण भारत के साथ साथ एशिया, ऑस्ट्रेलिया, उत्तरी और दक्षिणी अमेरिका जैसे कई देशों में दिखाई देगा। चूंकि भारत में यह ग्रहण दिखेगा, इसलिए यहां इसका सूतक काल भी मान्य होगा। पाल बालाजी ज्योतिष संस्थान जयपुर जोधपुर के निदेशक ज्योतिषाचार्य डा.अनीष व्यास ने बताया कि 3 मार्च को चंद्र ग्रहण लगने जा रहा है। यह भारत में नजर आएगा और इसका सूतक काल भी प्रभावी रहने वाला है। ऐसे में कुछ राशि वालों को विशेष सावधानी बरतने की आवश्यकता रहेगी। 3 मार्च 2026 को साल का पहला चंद्र ग्रहण लगेगा। यह एक आंशिक (खण्डग्रास) चंद्रग्रहण होगा, जो भारत में नजर आएगा। इस दौरान चन्द्रमा सिंह राशि में रहेंगे, जहां पहले से छाया ग्रह केतु विराजमान हैं। दोनों की युति और चंद्र ग्रहण का प्रभाव कुछ राशि वालों पर नकारात्मक असर डाल सकता है। इस दौरान इन जातकों को सभी कार्यों में सावधानी बरतने की आवश्यकता रहेगी और किसी भी तरह की यात्राएं करने से बचना चाहिए। साल में दो चंद्र ग्रहण होंगे, लेकिन इनमें से केवल एक ही भारत में दिखाई देगा। पहला चंद्र ग्रहण फाल्गुन मास की पूर्णिमा के दिन पड़ेगा, जबकि दूसरा श्रावण पूर्णिमा को लगेगा। लेकिन भारत में केवल 3 मार्च का चंद्र ग्रहण ही देखा जा सकेगा। 28 अगस्त का ग्रहण भारत से दृश्य नहीं होगा, इसलिए देश में सिर्फ एक ही चंद्र ग्रहण का प्रत्यक्ष दर्शन होगा।

इस बार होली चंद्र ग्रहण के साये में मनाई जाएगी। 3 मार्च को दोपहर 3:20 बजे चंद्र ग्रहण शुरू होगा और शाम 6:48 बजे समाप्त होगा। जयपुर में चंद्र उदय शाम 6:29 बजे और ग्रहण का समापन 6:48 बजे होगा, जिससे ग्रहण काल मात्र 18 मिनट का रहेगा। ग्रहण का सूतक मंगलवार सुबह 6:20 बजे से लागू होगा। ग्रहण पूर्वा फाल्गुनी नक्षत्र और सिंह राशि में बनेगा और भारत में दिखाई देगा। चंद्र ग्रहण होने से होलिका दहन 2 मार्च को एक दिन पहले ही करना शुभ रहेगा। इस प्रकार, रंगों का त्योहार 3 मार्च को मनाया जाएगा। पंचांग के मुताबिक होली फाल्गुन पूर्णिमा के अगले दिन मनाते हैं, जबकि फाल्गुन पूर्णिमा की रात होलिका दहन किया जाता है। इस साल 2 मार्च को होलिका दहन किया जाएगा और अगले दिन यानी 3 मार्च 2026 को होली मनाई जाएगी। लेकिन इस साल होली पर साल का पहला चंद्र ग्रहण लगने जा रहा है, जिससे सभी 12 राशियां प्रभावित हो सकती हैं।

पहला चंद्र ग्रहण

साल 2026 में दो चंद्र ग्रहण होंगे, लेकिन इनमें से केवल एक ही भारत में दिखाई देगा। पहला चंद्र ग्रहण फाल्गुन मास की पूर्णिमा के दिन पड़ेगा, जबकि दूसरा श्रावण पूर्णिमा को लगेगा। साल 2026 का पहला चंद्र ग्रहण 3 मार्च को फाल्गुन मास की शुक्ल पूर्णिमा के दिन लगेगा। यह ग्रहण एशिया, ऑस्ट्रेलिया, उत्तरी और दक्षिणी अमेरिका जैसे कई देशों में नजर आएगा। चूंकि भारत में यह ग्रहण दिखेगा, इसलिए यहां इसका सूतक काल भी मान्य होगा।

भारत में चंद्रग्रहण की कुल अवधि 25 मिनट

भारत में यह चंद्रग्रहण ग्रस्तोदय रुप में दिखाई देगा। यानी जब भारत में चंद्रमा उदित होंगे तब तक चंद्रमा को ग्रहण लग चुका होगा। इसलिए यह ग्रस्तोदय रुप में दिखाई देगा। बता दें कि भारत में इस चंद्रग्रहण का प्रारंभ, मध्य यानी खग्रास नहीं देखा जा सकेगा। भारत में स्थानीय चंद्रोदय से ही इस ग्रहण का आरंभ माना जाएगा। भारत में जिस समय चंद्रोदय होगा उस समय चंद्रग्रहण समाप्त होने वाला होगा यानी भारत में चंद्रग्रहण समापन के समय ही दिखाई देगा। भारत में चंद्रग्रहण की कुल अवधि 25 मिनट की होगी। दरअसल, भारतीय समय अनुसार 3:20 मिनट पर ग्रहण प्रारंभ हो जाएगा और शाम में 6:47 मिनट पर समाप्त हो जाएगा। वहीं, दिल्ली में चंद्रोदय शाम में 6:22 मिनट पर होगा। जिसके बाद ही ग्रहण भारत के शहरों में दिखाई देगा। ऐसे में भारत में चंद्रग्रहण की कुल अवधि 25 मिनट की ही रहेगी। बता दें कि भारत के बाकी शहरों में चंद्रोदय के समय के अनुसार, ग्रहण दिखने की अवधि अलग-अलग हो सकती है। लेकिन, दिल्ली में चंद्रोदय के अनुसार, महज 25 मिनट ही ग्रहण दिखाई देगा। पूर्वी उत्तर राज्यों में ग्रहण दिखने की अवधि करीब 59 मिनट की होगी।

भारत में दिखाई देगा चंद्र ग्रहण

यह चंद्र ग्रहण मुख्य रूप से ग्रहण पूर्वी एशिया, ऑस्ट्रेलिया, प्रशांत महासागर और अमेरिका के क्षेत्रों में दिखाई देगा। अर्जेण्टीना, पैराग्वे के कुछ हिस्से, बोलीविया, ब्राजील, ग्रीनलैंड और उत्तरी अटलांटिक महासागर में उपच्छाया प्रवेश का प्रारम्भिक चरण चन्द्रास्त के समय दिखाई देगा। रूस, कजाकिस्तान, अफगानिस्तान, पाकिस्तान, भारत, श्रीलंका, मालदीव और हिंद महासागर में ग्रहण की उपच्छाया का अन्त चन्द्रोदय के समय दिखाई देगा।

सूतक – भारत में सूतक :- प्रात: 06:20 बजे इसका सूतक प्रारम्भ हो जायेगा।

चंद्र ग्रहण की परिस्थितियाँ (भारतीय मानक समय)

उपच्छाया प्रवेश दोपहर 02:13,

ग्रहण प्रारम्भ (स्पर्श): दोपहर 03:20,

पूर्णता प्रारम्भ :- सायं 04:34, ग्रहण र्श)

मध्य :- सायं 05:05,

पूर्णता समाप्त : सायं 05:33,

ग्रहण समाप्त (मोक्ष) :- सायं 06:48,

उपच्छाया अन्त : सायं 07:55,

ग्रहण ग्रासमान (परिमाण) :- 1.155,

ग्रहण की अवधि:- 03 घंटे 28 मिनट,

पूर्णता की अवधि :- 59 मिनट

जयपुर में ग्रहण :- चन्द्रोदय: सायं 06:29, ग्रहण अवधि: 18 मिनट, यहाँ पर ग्रहण की उपच्छाया का अन्त दिखाई देगा।

उदयपुर में ग्रहण :- चन्द्रोदय: सायं 06:39, ग्रहण अवधि: 08 मिनट, यहाँ पर ग्रहण की उपच्छाया का अन्त दिखाई देगा।

ग्रहण का राशियों पर प्रभाव

भविष्यवक्ता और कुण्डली विश्लेषक डा. अनीष व्यास ने बताया कि यह चन्द्रहण पूर्वाफाल्गुनी नक्षत्र तथा सिंह राशि में हो रहा है, अतः इस नक्षत्र एवं राशि के जातकों को ग्रस्तोदय ग्रहण का विशेष रूप से अशुभ एवं कष्टकारी होगा। जिस राशि के लिए ग्रहण का फल अशुभ कहा गया है, उसे यथाशक्ति जप-पाठ, ग्रह-राशि (चन्द्रमा एवं राशिस्वामी सूर्य की) एवं दानादि द्वारा अशुभ प्रभाव को क्षीण किया जाता है। इसके अतिरिक्त ग्रहण उपरान्त औषधि स्नान करने से भी अनिष्ट की शान्ति होती है। जिस राशि में ग्रहण होता है उस राशि वाले को उपाय अवश्य करना चाहिए।

मेष राशि – व्यय की अधिकता, व्यर्थ परिश्रम

वृष राशि – कार्यसिद्ध, धनलाभ

मिथुन राशि – प्रगति, उत्साह, पुरुषार्थ-वृद्धि

कर्क राशि – धन हानि, अपव्यय से कष्ट

सिंह राशि – शरीर को कष्ट, चोट भय, धन हानि

कन्या राशि – धन हानि, कष्ट

तुला राशि – धन एवं सुखलाभ

वृश्चिक राशि – रोग, कष्ट, चिन्ता, भय, संघर्ष

धनु राशि – सन्तान सम्बन्धी चिन्ता

मकर राशि– शत्रु व दुर्घटना का भय, व्यय की अधिकता

कुम्भ राशि – जीवनसाथी को कष्ट

मीन राशि – रोग, गुप्त चिंता, कार्य में विलम्ब

प्राकृतिक आपदाओं की आशंका

भविष्यवक्ता और कुण्डली विश्लेषक डा. अनीष व्यास ने बताया कि चंद्र ग्रहण की वजह से प्राकृतिक आपदाओं का समय से ज्यादा प्रकोप देखने को मिलेगा। इसमें भूकंप, बाढ़, सुनामी, विमान दुर्घटनाएं का संकेत मिल रहे हैं। प्राकृतिक आपदा में जनहानि कम ही होने की संभावना है।

फिल्म एवं राजनीति से दुखद समाचार। व्यापार में तेजी आएगी। बीमारियों में कमी आएगी। रोजगार के अवसर बढ़ेंगे। आय में इजाफा होगा। वायुयान दुर्घटना होने की संभावना। पूरे विश्व में राजनीतिक अस्थिरता यानि राजनीतिक माहौल उच्च होगा। राजनीतिक आरोप-प्रत्यारोप ज्यादा होंगे। सत्ता संगठन में बदलाव होंगे। पूरे विश्व में सीमा पर तनाव शुरू हो जायेगा। आंदोलन, हिंसा, धरना प्रदर्शन हड़ताल, बैंक घोटाला, उपद्रव और आगजनी की स्थितियां बन सकती है।

डॉ. अनीष व्यास
भविष्यवक्ता और कुण्डली विश्लेषक
पाल बालाजी ज्योतिष संस्थान,जयपुर-जोधपुर
मो.9460872809

ब्लड मून : जानें कितने प्रकार के होते हैं चंद्र ग्रहण

चंद्र ग्रहण एक खूबसूरत खगोलीय घटना है, जो साल में चार से सात बार होती है। इस दौरान पृथ्वी, चंद्रमा और सूर्य एक सीधी रेखा में आ जाते हैं। चंद्रमा की कक्षा पृथ्वी की कक्षा के मुकाबले थोड़ी झुकी हुई हैं, इसलिए हर पूर्णिमा पर ग्रहण नहीं होता, बल्कि कभी-कभी ही होता है। चंद्र ग्रहण पूर्णिमा के दिन होता है, जबकि सूर्य ग्रहण अमावस्या पर। चंद्र ग्रहण में पृथ्वी की छाया चंद्रमा पर पड़ती है, जिससे चंद्रमा धुंधला या लाल दिखाई देता है। यह ग्रहण पृथ्वी के आधे हिस्से से दिखता है। ये घटनाएं प्रकृति की अनोखी प्रस्तुति हैं। साफ आसमान में बिना किसी उपकरण के देखा जा सकता है। साल 2026 का पहला चंद्र ग्रहण 3 मार्च को है, जो पूर्ण चंद्र ग्रहण या ब्लड मून होगा। वहीं, दूसरा चंद्र ग्रहण 28 अगस्त को है। यह आंशिक चंद्र ग्रहण होगा। चंद्र ग्रहण के तीन मुख्य प्रकार होते हैं। इनमें पूर्ण चंद्र ग्रहण, आंशिक चंद्र ग्रहण और पेनम्ब्रल चंद्र ग्रहण शामिल हैं।

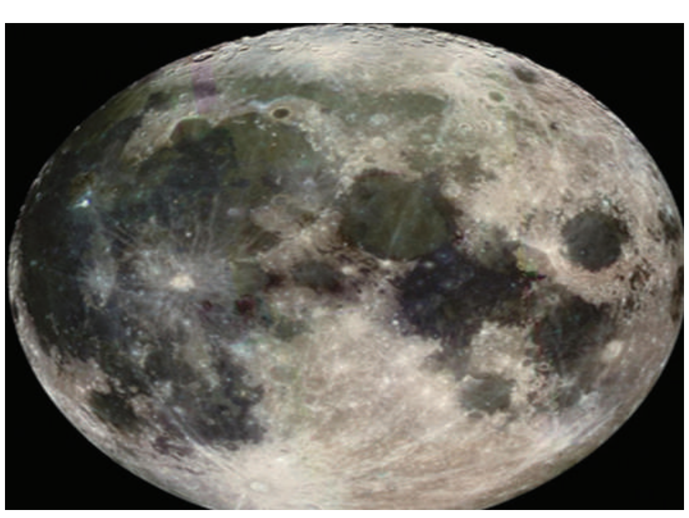

पूर्ण चंद्र ग्रहण में चंद्रमा पूरी तरह पृथ्वी की गहरी छाया (उम्ब्रा) में चला जाता है। पृथ्वी के वायुमंडल से गुजरने वाली सूर्य की रोशनी चंद्रमा तक पहुंचती है। नीली और बैंगनी रोशनी ज्यादा बिखर जाती है, जबकि लाल और नारंगी सीधे पहुंचती है। इसलिए चंद्रमा लाल या नारंगी रंग का दिखता है, जिसे ब्लड मून कहते हैं। वायुमंडल में जितनी ज्यादा धूल या बादल, उतना गहरा लाल रंग दिखता है। यह ग्रहण कई घंटों तक रह सकता है।

ब्लड मून पूर्ण चंद्र ग्रहण का ही एक नाम है। सूर्य की रोशनी सफेद दिखती है, लेकिन इसमें कई रंग होते हैं। सूर्यास्त या सूर्योदय के समय लाल रोशनी ज्यादा पहुंचती है, क्योंकि नीली रोशनी बिखर जाती है। चंद्र ग्रहण में भी यही होता है। पृथ्वी के वायुमंडल से गुजरती रोशनी चंद्रमा पर पड़ती है, जैसे दुनिया के सभी सूर्योदय और सूर्यास्त एक साथ चंद्रमा पर प्रोजेक्ट हो रहे हों। यही वजह है कि चंद्रमा लाल दिखता है।

आंशिक चंद्र ग्रहण: चंद्रमा जब पृथ्वी की छाया के सिर्फ एक हिस्से से गुजरता है तो छाया बढ़ती है लेकिन चंद्रमा को पूरी तरह नहीं ढक पाती, फिर पीछे हट जाती है।

पेनम्ब्रल चंद्र ग्रहण: वहीं जब पृथ्वी, सूर्य और चंद्रमा एक सीध में आ जाते हैं और चंद्रमा पृथ्वी की बाहरी हल्की छाया (पेनम्ब्रा) में चला जाता है, तब पेनम्ब्रल चंद्र ग्रहण होता है। इस दौरान चंद्रमा बहुत हल्का या धुंधला दिखता है और कई बार नजर नहीं आता।

खण्ड ग्रस्तोदित चन्द्र ग्रहण, जानें ग्रहण योग का असर

3 मार्च, दिन मंगलवार को ग्रस्तोदित चन्द्र ग्रहण का मोक्ष सायं 06 बजकर 47 मिनट पर है, परन्तु इस चन्द्र ग्रहण का सूतक सूर्योदय से ही प्रारम्भ हो जाएगा। ग्रहण लगे हुए चन्द्रमा का उदय प्रयागराज में सायं 6 बजकर 19 मिनट पर होगा, अलग-अलग शहरों में चन्द्रोदय का समय भिन्न रहेगा।

ग्रहण का वैज्ञानिक आधार

ग्रहण के समय जल, अन्न आदि में सूक्ष्म जीवाणु एकत्र हो जाते हैं, जिससे वह दूषित हो जाता है, अतः जल आदि बर्तनों में कुशा डालकर रखना चाहिए, कुशा में कीटाणु एकत्र हो जाते हैं और ग्रहण के बाद उन कुशाओं को निकाल देना चाहिए, फिर स्नान के बाद ही भोजन करना चाहिए। ऐसा न करने से और ग्रहण के समय भोजन करने से यह सूक्ष्म जीव-ाणु भोजन के साथ पेट में चले जाते हैं जो स्वास्थ्य के लिए हानिकारक होते हैं। शोध द्वारा यह स्पष्ट है कि ग्रहण के समय व्यक्ति की पाचन शक्ति कमजोर हो जाती है, अत:ग्रहण के समय अजीर्ण जैसे रोगों की सम्भावनाऐं अधिक से अधिक रहती हैं, इसलिए ऋषि-महर्षियों ने बालक और रोगियों को छोड़कर सभी के लिए ग्रहण लगने के समय भोजन करने से मना किया है।

गर्भवती स्त्रियां रखें ध्यान

ग्रहण के समय गर्भवती स्त्रियों को घर से बाहर नहीं निकलना चाहिए क्योंकि गर्भस्थ शिशु के शरीर में ग्रहण के कारण विकार उत्पन्न होने की सम्भावनाऐं अधिक से अधिक होती हैं, ग्रहण के समय हानिकारक विकरणें अनवरत प्रवाहित होती रहती हैं, चन्द्र और सूर्य ग्रहण के समय पराबैंगनी, गामा जैसी अन्य विकरणें निकलती हैं, सामान्य तौर पर ओजोन की परत उन्हें सोख कर आमजन तक नहीं पहुंचने देती, लेकिन ग्रहण काल में ये विकरणें गर्भ में पल रहे कोमल शिशु के लिए हानिकारक सिद्ध हो सकती हैं।

ग्रहण योग

चन्द्रमा मन का कारक होता है, जब कभी राहु के द्वारा ग्रहण योग बने तो ऐसे समय उत्पन्न होने वाले बालक जीवन में अशान्ति का अनुभव करता है, स्वयं निर्णय लेने में कठिनाइयां आती हैं। मानसिक अस्थिरता और ग्रहण दोष से बचने के लिए सफेद चीजें, चीनी, चावल, दही आदि का दान करना चाहिए। चन्द्रमा के मंत्रों का जप करने से चन्द्रमा बलवान होता है, ग्रहण के बाद ऐसे बालकों को पूर्णिमा के दिन चांदी से निर्मित अर्द्धचन्द्रमा चन्द्रमा के मंत्रों द्वारा अभिमंत्रित कर गले में धारण कराना चाहिए।

मंत्रों के माध्यम से सृष्टि के रहस्यों का अनावरण

‘ओम्’ और सृष्टि का प्रारंभ

छांदोग्य उपनिषद (1.3.1) सूर्य की तुलना ‘उद्गाता’ (उद्गीथ या ‘ओम्’ का गान करने वाला) से करता है। यदि आप सूर्य की ध्वनि को सुनें, तो आप इसकी ‘ओम्’ की ध्वनि के साथ समानता को अनदेखा नहीं कर पाएंगे। ऑस्ट्रेलिया के एक व्याख्याता ने नासा द्वारा रिकॉर्ड की गई सूर्य की ध्वनि और ‘ओम्’ के जाप का एक फ्रीक्वेंसी चार्ट बनाया, और दोनों के ग्राफ अद्भुत रूप से एक समान पाए गए... (देखें लिंक- https://youtu.be/kRqy7 RXV_wc?si =WG-VRm8a9Q_XtGAv)

वैदिक ऋषियों के अनुसार, सृष्टि का आरंभ ‘ओम्’ की ध्वनि से हुआ था, जो भगवान शिव के डमरू से उत्पन्न हुई थी। जब तारे जन्म लेते हैं या समाप्त होते हैं, तो उनके चारों ओर एक ‘नेबुला’ देखा जाता है। इस नेबुला के आकार को वैज्ञानिक ‘ऑवरग्लास’ (रेतघड़ी) कहते हैं, जिसे हम ‘डमरू’ के रूप में पहचानते हैं। ‘ऑवरग्लास नेबुला एमवाईसीएन 18’ और ‘वेला पल्सर’ जैसी खगोलीय संरचनाओं से प्राप्त ध्वनियों को सुनने पर वे डमरू की कोमल और तीव्र थाप से मिलती-जुलती प्रतीत होती है। ध्यान फाउंडेशन में जब ‘मंत्र स्कैनर’ का उपयोग करके ‘ओम्’ के जाप का मानचित्रण किया, तो उससे डमरू की आकृति निर्मित हुई।

ध्वनि का विज्ञान और शरीर पर प्रभाव

यदि आप किसी भी वस्तु पर कान लगाकर सुनें, तो आपको एक ध्वनि सुनाई देगी। ब्रह्मांड की प्रत्येक वस्तु की एक विशिष्ट ध्वनि होती है, ठीक वैसे ही जैसे प्रत्येक वस्तु का एक विशिष्ट रंग होता है, जो उसकी अद्वितीय आवृत्ति को दर्शाता है। अतः ध्वनि पदार्थ और भौतिक शरीर को प्रभावित करती है।

जैसे-जैसे साधक ‘सनातन क्रिया’ में प्रगति करते हैं, वे अपने शरीर पर विभिन्न ध्वनियों के प्रभाव को अनुभव कर सकते हैं। वैदिक ऋषियों ने ध्वनि के विज्ञान और उसके शारीरिक प्रभावों को समझते हुए इन्हें ‘मंत्रों’ के रूप में संहिताबद्ध किया तथा उनके उद्देश्य के आधार पर वर्गीकृत किया। इनका एक प्रमुख उद्देश्य शरीर का उपचार भी रहा है।

आधुनिक शोध और ध्वनि की शक्ति

जापानी वैज्ञानिक मसारू एमोटो और फ्रांसीसी शोधकर्ता फैबियन मामन द्वारा किए गए शोधों में यह दावा किया गया कि ध्वनि कोशिकाओं की अवस्था को बदल सकती है। मामन की रिपोर्ट के अनुसार, संगीत के सुरों को क्रमबद्ध रूप से ऊपर की ओर बजाने पर कैंसर की कोशिकाएं अस्थिर होकर नष्ट हो गईं।

इसी प्रकार, डॉ. एमोटो और उनकी टीम ने जापान की एक अत्यधिक प्रदूषित झील के जल क्रिस्टलों में परिवर्तन दर्ज किए, जब वहां शांति और कृतज्ञता की प्रार्थना की गई। प्रार्थना से पूर्व जल के क्रिस्टल धुंधले और विकृत थे, जो प्रार्थना के पश्चात सुंदर और ज्यामितीय रूप में परिवर्तित हो गए। यदि साधारण प्रार्थनाओं का प्रभाव ऐसा हो सकता है, तो संहिताबद्ध मंत्रों के प्रभाव की कल्पना की जा सकती है।

‘मंत्रों की शक्ति का उपयोग कैसे करें’ विषय पर विशेष सत्र

ध्यान आश्रम के संस्थापक एवं आध्यात्मिक मार्गदर्शक अश्विनी गुरुजी इस मार्च हैदराबाद में ‘मंत्रों की शक्ति का उपयोग कैसे करें’ विषय पर एक विशेष व्यावहारिक सत्र आयोजित करने जा रहे हैं। यह सत्र मंत्र विज्ञान, ध्वनि की शक्ति और उसके शारीरिक व आध्यात्मिक प्रभावों को समझने का एक अनूठा अवसर प्रदान करेगा। जिसमें मंत्रों के वैज्ञानिक, आध्यात्मिक और उपचारात्मक पहलुओं पर विस्तृत चर्चा की जाएगी। अधिक जानकारी के लिए वेबसाइट: www.dhyanfoundation.com **पर जाएं।**

यह सत्र उन साधकों और जिज्ञासुओं के लिए विशेष रूप से उपयोगी होगा, जो मंत्र विज्ञान को अनुभव के स्तर पर समझना चाहते हैं।

महामृत्युंजय मंत्र और नाड़ियों पर प्रभाव

प्रत्येक मंत्र एक विशिष्ट दैवीय ऊर्जा के अनुरूप माना जाता है और उसी के अनुसार शरीर व पर्यावरण पर प्रभाव डालता है। उदाहरणस्वरूप, श्री महा मृत्युंजय मंत्र को मृतसंजिवनी विद्या का भाग बताया जाता है, जिसे शुक्राचार्य से संबंधित माना जाता है। मान्यता है कि यह मंत्र शरीर की ऊर्जा वाहिकाओं (नाड़ियों) को प्रभावित करता है।

आध्यात्मिक मत के अनुसार, शरीर में कोई भी असंतुलन पहले नाड़ियों में उत्पन्न होता है और बाद में भौतिक लक्षणों के रूप में प्रकट होता है। मंत्र साधना नाड़ियों के स्तर पर संतुलन स्थापित कर रोगों को जड़ जमाने से रोकने में सहायक मानी जाती है।

उच्चारण की शुद्धता का महत्व

किसी मंत्र का प्रभाव उसके शुद्ध उच्चारण और स्वर-साधना पर निर्भर करता है। इसके लिए ऐसे गुरु के मार्गदर्शन की आवश्यकता बताई जाती है, जो उस मंत्र में सिद्ध हों। एक अक्षर का भी गलत उच्चारण अर्थ को बदल सकता है।

तैत्तिरीय संहिता में ‘त्वष्टा’ की कथा का उल्लेख मिलता है। त्वष्टा ने इंद्र के विनाश के लिए ‘इन्द्रशत्रु’ मंत्र का प्रयोग किया, किंतु उच्चारण में स्वर के परिवर्तन के कारण अर्थ बदल गया। परिणामस्वरूप उनका पुत्र वृत्र इंद्र के हाथों पराजित हुआ। यह कथा मंत्रोच्चार की सूक्ष्मता और शुद्धता का महत्व दर्शाती है।

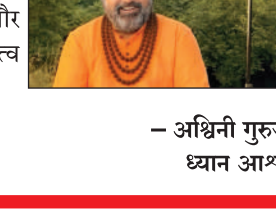

– अश्विनी गुरुजी
ध्यान आश्रम

खबरें जो सोच बदल दे
शुभ लाभ

संपादकीय

खामेनेई खत्म, 'महायुद्ध' जारी

ईरान के सुप्रीम लीडर खामेनेई मार दिए गए। अमरीका-इजरायल ने एक हमले में उस परिसर पर एक साथ 30 विनाशक बम बरसाए, जहां खामेनेई और उनका परिवार रहते थे। खामेनेई 'सेफ बंकर' में बताए जा रहे थे, लेकिन बम का बारूद वहां तक भी पहुंच गया। परिसर तबाह होकर मिट्टी-मलबा हो गया। खामेनेई कैसे बच सकते थे? उनके परिवार में बहू, दामाद और एक पौत्री भी विनाशक बम के शिकार हो गए। यही नहीं, मानवतावादी संगठन 'ईरानियन रेड क्रीसेंट' की रपट में खुलासा किया गया है कि ईरान में 201 लोगों की मौत हो चुकी है और 747 घायल हैं। यकीनन यह नरसंहार से भी बढ़ कर सामूहिक कत्लेआम है। ईरान के 31 प्रांतों में से 24 प्रांत युद्ध से प्रभावित हैं। ये आंकड़े बढना तय है, क्योंकि युद्ध अभी जारी है। खामेनेई की मौत के बाद ईरान ने हमले बहुत तेज कर दिए हैं। इजरायल की राजधानी तेल अवीव में सेना के स्टाफ मुख्यालय पर मिसाइल हमला किया गया है। करीब 3 लाख लोग इजरायल में बंकरों में छिपे हैं। यह युद्ध आपसी नफरत और अस्तित्व को मिटा देने की सनक में शुरू किया गया है। खामेनेई की मौत के बावजूद ईरान की हुकूमत यथावत है। खामेनेई के बेटे मोजतबा को ईरान का नया सुप्रीम लीडर घोषित भी कर दिया गया है। ईरानी राष्ट्रपति मसूद पेजेश्कियन ने कुरान का हवाला देते हुए खामेनेई की मौत का बदला लेने की कसम खाई है। ईरान में 40 दिन का मातम है। लोग रोते-बिलखते नारे लगा रहे हैं-'लड़ेंगे, मरेंगे, लेकिन सरेंडर नहीं करेंगे।' बहरहाल ईरान में जब तक 'रिवोल्यूशनरी गार्ड्स' के लड़ाके जिंदा हैं और युद्धरत हैं, तब तक यह जंग खत्म नहीं हो सकती। यह एक 'स्वघोषित शांतिदूत' द्वारा थोपे गए महायुद्ध का अभी तक का निष्कर्ष है, जो आंशिक है। क्या युद्ध भी कोई शांति-प्रयास हो सकता है? दरअसल जब से ट्रंप अमरीका के राष्ट्रपति चुने गए हैं और वह 'व्हाइट हाउस' में आए हैं, तभी से दुनिया में युद्ध भडक़ रहे हैं, बल्कि फैल रहे हैं। इतना ही नहीं, अमरीका बनाम यूरोप और अमरीका बनाम नाटो के तौर पर तीखे तनाव भी सामने आए हैं। हास्यास्पद है कि राष्ट्रपति ट्रंप लगातार दावे करते रहे हैं कि उन्होंने 8 युद्ध रुकवाए हैं। उनमें वह भारत-पाक युद्ध को भी गिनवाते हैं, जो सफेद झूठ है, तथ्यों से परे है। रूस-यूक्रेन युद्ध चार साल के बाद भी जारी है, जिसे एक माह में खत्म करने के आश्वासन पर ट्रंप ने अमरीकी जनमत का जुगाड़ किया था। अब अमरीका ने इजरायल के साथ ईरान पर महायुद्ध थोपा है, क्योंकि राष्ट्रपति ट्रंप ईरान में परमाणु कार्यक्रम के खिलाफ हैं। ईरान की कथित तानाशाह और क्रूर हुकूमत को बदलना चाहते हैं। क्या राष्ट्रपति ट्रंप दुनिया भर के ठेकेदार हैं, जो दुनिया को अपनी उंगलियों पर नचाना चाहते हैं? क्या विश्व में अब संप्रभुता, क्षेत्रीय अखंडता और सीमाओं की गरिमा शेष नहीं बची है? क्या संयुक्त राष्ट्र, सुरक्षा परिषद और संबद्ध एजेंसियों की प्रासंगिकता भी समाप्त हो चुकी है? ईरान की नाकेबंदी के लिए राष्ट्रपति ट्रंप ने करीब 50 फीसदी वायुसेना और नौसेना को मध्य-पूर्व में तैनात कराया है। युद्ध की शुरुआत ही 200 लड़ाकू विमानों के हमलों के साथ की गई और ईरान के प्रमुख शहरों में तबाही मचा दी। इजरायल ने ईरान के मिनाब शहर के एक स्कूल पर ऐसा मिसाइल हमला किया कि उसमें 148 मासूम छात्राओं की मौत हो गई। क्या यह शांति का कोई नया महायुद्ध है? खाड़ी देशों में करीब 1 करोड़ भारतीय बसे और काम कर रहे हैं। ईरान ने सऊदी अरब, संयुक्त अरब अमीरात, कतर, बहरीन, जॉर्डन, कुवैत, इराक और दुबई पर लगातार हमले कर खाड़ी देशों के समीकरण को बिगाड़ दिया है। ईरान ने होर्मुज के उस संकरे रास्ते को भी बंद कर दिया है, जिससे 20 फीसदी तेल दुनिया के देशों में जाता है। भारत में करीब 90 फीसदी तेल, करीब 55 लाख बैरल प्रतिदिन, इसी रास्ते से आता है। यदि युद्ध के कारण यह रास्ता कुछ और दिन बंद रहा, तो विश्व में तेल और गैस के लिए हाहाकार मचने लगेगा, लिहाजा फ्रांस, जर्मनी, स्पेन, कोलंबिया ने हमले की कटु आलोचना की है और युद्ध रोकने को ट्रंप से अपील की है। क्या युद्ध यहीं रुक सकता है? खाड़ी देशों में बसे प्रवासी भारतीयों की सुरक्षा के लिए भारत को पुख्ता व्यवस्था करनी चाहिए। अगर यह लड़ाई लंबी खिंचती है, तो सभी का कुछ न कुछ नुकसान तो अवश्य ही होगा। युद्ध में दोनों पक्षों को नुकसान होता है, इसलिए बेहतर यही रहेगा कि जल्द से जल्द इस लड़ाई को रोक दिया जाए और बातचीत के जरिए मसला हल किया जाए।

> अमरीका-इजरायल ने एक हमले में उस परिसर पर एक साथ 30 विनाशक बम बरसाए, जहां खामेनेई और उनका परिवार रहते थे। खामेनेई 'सेफ बंकर' में बताए जा रहे थे, लेकिन बम का बारूद वहां तक भी पहुंच गया। परिसर तबाह होकर मिट्टी-मलबा हो गया। खामेनेई कैसे बच सकते थे? उनके परिवार में बहू, दामाद और एक पौत्री भी विनाशक बम के शिकार हो गए। यही नहीं, मानवतावादी संगठन 'ईरानियन रेड क्रीसेंट' की रपट में खुलासा किया गया है कि ईरान में 201 लोगों की मौत हो चुकी है और 747 घायल हैं। यकीनन यह नरसंहार से भी बढ़ कर सामूहिक कत्लेआम है। ईरान के 31 प्रांतों में से 24 प्रांत युद्ध से प्रभावित हैं। ये आंकड़े बढना तय है, क्योंकि युद्ध अभी जारी है। खामेनेई की मौत के बाद ईरान ने हमले बहुत तेज कर दिए हैं। इजरायल की राजधानी तेल अवीव में सेना के स्टाफ मुख्यालय पर मिसाइल हमला किया गया है। करीब 3 लाख लोग इजरायल में बंकरों में छिपे हैं। यह युद्ध आपसी नफरत और अस्तित्व को मिटा देने की सनक में शुरू किया गया है। खामेनेई की मौत के बावजूद ईरान की हुकूमत यथावत है। खामेनेई के बेटे मोजतबा को ईरान का नया सुप्रीम लीडर घोषित भी कर दिया गया है। ईरानी राष्ट्रपति मसूद पेजेश्किय़न ने कुरान का हवाला देते हुए खामेनेई की मौत का बदला लेने की कसम खाई है। ईरान में 40 दिन का मातम है। लोग रोते-बिलखते नारे लगा रहे हैं-'लड़ेंगे, मरेंगे, लेकिन सरेंडर नहीं करेंगे।'

भारत अपनी कच्चे तेल की जरूरतों के करीब 85 फीसदी तक आयात पर निर्भर है, अतएव कच्चे तेल के दाम में बढ़ोतरी भारत के आयात बिल की चिंता बढ़ा सकती है

ईरान और इजराइल-अमरीका युद्ध से चिंताएं

डा. जयंती लाल भंडारी

> ईरान पर हमले और उसके बाद ईरान के द्वारा इजरायल व अमेरिका के सैन्य ठिकानों पर हमलों से निर्मित युद्ध ने दुनिया की चिंताएं बढ़ा दी हैं। खास तौर से इस युद्ध में ईरान के सुप्रीम लीडर अयातुल्लाह अली खामेनेई के मारे जाने के बाद जहां ईरानी सेना ने इजराइल-अमेरिका से इसका पूरा बदला लेने और इजराइल-अमेरिका के द्वारा ईरान को पूरी तरह से कमजोर किए जाने के वक्तव्यों से इस युद्ध के लंबा खींचने की आशंका बढ़ गई है। ऐसे में भारत की भी चिंताएं बढ़ सकती हैं। ये चिंताएं कच्चे तेल की बढ़ती कीमतों, शेयर बाजार में गिरावट, माल ढुलाई की लागत बढने, खाद्य वस्तुओं की महंगाई, भारत से बासमती चावल, चाय, मशीनरी, इस्पात तथा फुटवियर जैसे क्षेत्रों में निर्यात, निर्यात के लिए बीमा लागत में वृद्धि, पश्चिम एशिया में रहने वाले भारतीयों की सुरक्षा की चिंता तथा इजराइल और ईरान के सहित पश्चिम एशिया के अन्य देशों के साथ द्विपक्षीय व्यापार में कमी की आशंकाओं से संबंधित हैं।

28 फरवरी को इजराइल-अमेरिका के द्वारा ईरान पर हमले और उसके बाद ईरान के द्वारा इजरायल व अमेरिका के सैन्य ठिकानों पर हमलों से निर्मित युद्ध ने दुनिया की चिंताएं बढ़ा दी हैं। खास तौर से इस युद्ध में ईरान के सुप्रीम लीडर अयातुल्लाह अली खामेनेई के मारे जाने के बाद जहां ईरानी सेना ने इजराइल-अमेरिका से इसका पूरा बदला लेने और इजराइल-अमेरिका के द्वारा ईरान को पूरी तरह से कमजोर किए जाने के वक्तव्यों से इस युद्ध के लंबा खींचने की आशंका बढ़ गई है। ऐसे में भारत की भी चिंताएं बढ़ सकती हैं। ये चिंताएं कच्चे तेल की बढ़ती कीमतों, शेयर बाजार में गिरावट, माल ढुलाई की लागत बढने, खाद्य वस्तुओं की महंगाई, भारत से बासमती चावल, चाय, मशीनरी, इस्पात तथा फुटवियर जैसे क्षेत्रों में निर्यात, निर्यात के लिए बीमा लागत में वृद्धि, पश्चिम एशिया में रहने वाले भारतीयों की सुरक्षा की चिंता तथा इजराइल और ईरान के सहित पश्चिम एशिया के अन्य देशों के साथ द्विपक्षीय व्यापार में कमी की आशंकाओं से संबंधित हैं। उल्लेखनीय है कि ईरान और इजरायल-अमेरिका के बीच युद्ध का असर वैश्विक शिपिंग रूट्स पर भी पड़ सकता है, खासकर होर्मुज जलडमरूमध्य पर। ईरान ने 33 किलोमीटर चौड़ा यह जल मार्ग रोक दिया है। यह वैश्विक यातायात का एक अत्यंत महत्वपूर्ण मार्ग है। दुनिया को मिलने वाला करीब एक-तिहाई तेल और खाद्य व कृषि उत्पादों का अधिकांश यातायात इसी मार्ग से होता है। ऐसे में इस क्षेत्र में शिपिंग बाधित होने से कच्चे तेल की ग्लोबल सप्लाई चेन प्रभावित हो सकती है। साथ ही इससे खाद्य पदार्थों, जैसे कि गेहूं, चीनी और अन्य कृषि उत्पादों की कीमतें बढने लगेंगी। चूंकि भौगोलिक रूप से ईरान भारत का पड़ोसी क्षेत्र है और कच्चे तेल के लिहाज से भारत का करीब आधा कच्चा तेल इसी रास्ते से होकर आता है, ऐसे में यह युद्ध भारत के लिए कच्चे तेल संबंधी चिंता निर्मित करते हुए दिखाई दे रहा है। चूंकि भारत अपनी कच्चे तेल की जरूरतों के करीब 85 फीसदी तक आयात पर निर्भर है, अतएव कच्चे तेल के दाम में बढ़ोतरी भारत के आयात बिल की चिंता बढ़ा सकती है। स्थिति यह है कि युद्ध के तनाव के बीच 28 फरवरी को कच्चे तेल की कीमत 73 डॉलर प्रति बैरल के मूल्य स्तर पर पहुंच गई, जो सात माह का रिकॉर्ड मूल्य स्तर है। युद्ध के लंबा खींचने पर कच्चे तेल की कीमत 100 डॉलर प्रति बैरल के पार जा सकती है। ईरान दुनिया के सबसे बड़े कच्चा तेल उत्पादकों में से एक है और यह देश युद्धग्रस्त देश है। ऐसे में ईरान के तेल बाजार में अस्थिरता से कच्चे तेल की कीमतें तेजी से बढने पर पेट्रोल, डीजल और अन्य पेट्रोलियम उत्पाद महंगे होने लगेंगे। इसका असर भारत पर भी हो सकता है। इस युद्ध से वैश्विक शेयर बाजार के साथ-साथ भारत के शेयर बाजार पर भी बड़ा असर पडने की आशंका है। इस युद्ध से भारत के शेयर बाजार में बड़ी संख्या में विदेशी निवेशकों के द्वारा जोखिम वाली संपत्तियां बेची जाने और बड़ी संख्या में निवेश निकालने की स्थिति दिखाई दे सकती है। सेंसेक्स और निफ्टी के लिए मार्च 2026 बड़ी गिरावट का माह होगा। इस युद्ध के कारण निवेशक तेजी से सुरक्षित निवेश के तौर पर सोने की खरीदी का भी रुख करते हुए दिखाई देंगे। इससे वैश्विक स्तर के साथ-साथ भारत में भी सोने की खपत और सोने की कीमत और तेजी से बढ़ेगी। यह बात भी महत्वपूर्ण है कि ईरान और अमेरिका-इजरायल के बीच युद्ध के लंबा खिंचे जाने पर पश्चिम एशिया में रहने वाले करीब 90 लाख भारतीयों की सुरक्षा भी भारत के लिए चिंता का कारण बन सकती है। इस युद्ध का प्रभाव भारत के वित्तीय बाजार पर भी पड़ सकता है और भारतीय रुपया कमजोर भी हो सकता है। लेकिन ईरान और इजराइल-अमेरिका युद्ध के बीच भारत के कई ऐसे मजबूत आर्थिक पक्ष हैं, जिनसे भारत के आम आदमी और भारतीय अर्थव्यवस्था को अधिक नुकसान नहीं होगा। खास बात यह है कि इस समय भारत की ग्रामीण अर्थव्यवस्था मजबूत बनी हुई है। भारत खाद्यान्न अतिशेष वाला देश है और देश के 80 करोड़ से अधिक कमजोर वर्ग के लोगों को निशुल्क खाद्यान्न वितरित किया जा रहा है। वर्ष 2025 में भारत में 35.70 करोड़ टन खाद्यान्न का उत्पादन हुआ था और इस वर्ष 2026 में रिकॉर्ड खाद्यान्न उत्पादन की संभावना है। भारतीय खाद्य निगम (एफसीआई) के पास केंद्रीय पूल में इस समय लगभग 182 लाख टन गेहूं उपलब्ध होने का अनुमान है। इसी तरह इस वित्त वर्ष 2025-26 के लिए निजी कंपनियों और व्यापारियों के पास लगभग 75 लाख टन गेहूं का स्टॉक मौजूद है। यह पिछले साल की इसी अवधि की तुलना में करीब 32 लाख टन ज्यादा है। यह भी महत्वपूर्ण है कि रबी सीजन 2026 में गेहूं की बुवाई का रकबा बढक़र 334.17 लाख हेक्टेयर हो गया है, जो पिछले साल 328.04 लाख हेक्टेयर था। एक खास बात यह है कि भारत में महंगाई नियंत्रित है। भारतीय अर्थव्यवस्था मजबूत बनी हुई है। महंगाई दर 4 प्रतिशत के लक्ष्य से नीचे है। थोक मूल्य सूचकांक आधारित महंगाई दर जनवरी 2026 में 1.81 प्रतिशत पर रही है। इसी तरह उपभोक्ता महंगाई दर 2.75 प्रतिशत रही है। भारत में महंगाई रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया के निर्धारित लक्ष्य से भी कम है। निश्चित रूप से भारतीय अर्थव्यवस्था मजबूत बनी हुई है। यदि युद्ध से जरूरी दवाइयों की आपूर्ति में कोई कमी आती है, तो सरकार पीएलआई योजना के तहत दवाई उद्योग में काम आने वाले 35 प्रमुख कच्चे मालों (एपीआई) का उत्पादन देश में ही तेजी से बढ़ाते हुए दिखाई दे सकेगी। इससे दवाइयों के दामों पर नियंत्रण रखा जा सकेगा। इस युद्ध के चलते वैश्विक तेल की कीमतों में आए उछाल पर भारत कच्चे तेल के किसी भी संकट से निपटने में सक्षम होगा। इस समय भारत के पास 74 दिनों की रणनीतिक कच्चा तेल भंडार उपलब्ध है। पहले भारत 27 देशों से कच्चा तेल खरीदता था, अब इन देशों की संख्या बढक़र 39 हो गई है। इससे कुछ ही देशों से तेल खरीदने संबंधी जोखिम कम हो गई है। यह बात भी महत्वपूर्ण है कि आगामी वित्त वर्ष 2026-27 के बजट के तहत शीघ्र खराब होने वाले सामान की बाजार में समुचित आपूर्ति सुनिश्चित करने, महंगाई नियंत्रण और जरूरी दवाइयों की किफायती दाम पर आपूर्ति के लिए जो प्रभावी व्यवस्थाएं सुनिश्चित की गई हैं, वे युद्ध की चुनौती के बीच भारत के आम आदमी को राहत देते हुए दिखाई दे सकेंगी। यह भी महत्वपूर्ण है कि भारत की अर्थव्यवस्था मजबूत बनी हुई है। साथ ही ग्रामीण भारत की आर्थिकी भारत की शक्ति बनी हुई है। 27 फरवरी को भारत ने वित्त वर्ष 2022-23 को आधार वर्ष बनाकर जो नई राष्ट्रीय आय श्रृंखला जारी की है, इसके आधार पर चालू वित्त वर्ष 2025-26 में अर्थव्यवस्था की वास्तविक वृद्धि दर 7.6 फीसदी तक पहुंचने का अनुमान है जो बीते तीन वित्त वर्षों में सबसे अधिक वृद्धि है। साथ ही भारत की अर्थव्यवस्था दुनिया की दूसरी अर्थव्यवस्थाओं की तुलना में सबसे तेजी से बढने वाली अर्थव्यवस्था बनी हुई है। यह बात भी महत्वपूर्ण है कि इस समय भारत पूरी दुनिया में मुक्त व्यापार की तरफ तेजी से आगे बढ़ा है। पिछले कुछ सालों में भारत द्विपक्षीय व्यापार और मुक्त व्यापार समझौतों (एफटीए) से दुनिया के कई विकसित देशों में निर्यात बढ़ाने की राह पर आगे बढ़ा है और इस वर्ष 2026 में भारत यूरोपीय संघ, ब्रिटेन सहित कई देशों के साथ एफटीए क्रियान्वित करते हुए दिखाई देगा। इससे भारत के सामानों के लिए दुनिया के बाजारों में निर्यात पहुंच और बढ़ेगी तथा युद्ध की चुनौती के बीच भी भारत निर्यात के मोर्चे पर मजबूत बना हुआ होगा।

देश दुनिया से

नेपाल के लिए नई उम्मीद

एक भारतीय होने के नाते, मैं हमेशा नेपाल को अपने हृदय के करीब मानता आया हूं और इस खूबसूरत, जीवंत देश के प्रति गहरी चिंता रखता हूं। इस बार हफ्ते भर लंबी यात्रा की शुरुआत 20 फरवरी 2026 को हुई, जो मुख्य रूप से कोशी प्रांत और बिहार सीमा के आसपास बिताई गई। यह यात्रा विशेष रूप से महत्वपूर्ण रही क्योंकि यह नेपाल की प्रतिनिधि सभा के चुनाव (5 मार्च 2026) के समय के साथ मेल खाती है। ये चुनाव केवल संवैधानिक प्रक्रिया नहीं हैं। यह लोकतांत्रिक मूल्यों की पुष्टि, संस्थागत जवाबदेही को मजबूत करने और नेपाल के भविष्य को आकार देने में सक्षम नेतृत्व चुनने का निर्णायक क्षण हैं। निर्वाचन आयोग के सक्रिय कदम : लोकतांत्रिक अनुशासन को मजबूत करने की दिशा में निर्णायक कदम के रूप में, नेपाल के निर्वाचन आयोग के चुनाव आयुक्त राम प्रसाद भंडारी ने महत्वपूर्ण घोषणाएं और संचालन निर्देश जारी किए हैं। 2082 (सन्) के चुनाव : आचार संहिता पर आधारित ये निर्देश पारदर्शिता, निष्पक्षता और लोकतांत्रिक मानदंडों के कड़ाई से पालन पर जोर देते हैं। इसी तरह, नेपाल के निर्वाचन आयोग के संयुक्त सचिव और प्रवक्ता नारायण प्रसाद सापकोटा ने काठमांडू के कांतीपथ से आयोग की प्रतिबद्धता को दोहराया और चुनावी अखंडता और जनता के विश्वास को बनाए रखने में नेपाल की दृढ़ संकल्पना को रेखांकित किया। जिला स्तरीय आचार संहिता समितियां और नामित चुनाव अधिकारी जैसे निगरानी तंत्र पूरे देश में सक्रिय किए गए हैं ताकि नियमों का पालन सुनिश्चित किया जा सके और चुनावी मैदान निष्पक्ष रखा जा सके। संस्थागत निष्पक्षता : लोकतंत्र की सुरक्षा : आयोग के निर्देशों का केंद्रीय ध्यान शैक्षिक संस्थानों की निष्पक्षता पर है। सार्वजनिक और सामुदायिक संस्थानों के प्रोफेसर, शिक्षक और कर्मचारी निम्नलिखित से वंचित रहेंगे : चुनावी प्रचार में भाग लेना, रैलियों या सार्वजनिक बैठकों में शामिल होना, प्रचार सामग्री वितरित करना, सोशल मीडिया पर पक्षपातपूर्ण विचार व्यक्त करना, शैक्षिक संस्थान ज्ञान के मंदिर हैं। उनकी निष्पक्षता की रक्षा करने से न केवल जनता का विश्वास मजबूत होता है, बल्कि यह सुनिश्चित करता है कि छात्रों को निष्पक्ष मार्गदर्शन प्राप्त हो। शिक्षा अधिनियम और चुनाव आचार संहिता द्वारा समर्थित यह आवश्यकता नैतिक और कानूनी दोनों दृष्टि से अनिवार्य है। स्वतंत्र और निष्पक्ष चुनाव के लिए प्रचार दिशानिर्देश : आयोग ने चुनावी पारदर्शिता और अनुशासन सुनिश्चित करने के लिए व्यापक दिशानिर्देश जारी किए हैं : सार्वजनिक अधिकारियों की निष्पक्षता : सरकारी कर्मचारी और शिक्षक राजनीतिक रूप से तटस्थ रहें। सार्वजनिक संसाधनों का उपयोग : कार्यालय, वाहन या सार्वजनिक निधि का प्रचार में उपयोग नहीं किया जा सकता। नैतिक प्रचारः उम्मीदवारों को नफरत भरे भाषण, गलत सूचना और व्यक्तिगत हमलों से बचना चाहिए। ध्यान नीतियों और जनकल्याण पर होना चाहिए। प्रचार सामग्री और प्रदर्शन : पोस्टर, बैनर और पैम्पलेट केवल निर्धारित क्षेत्रों में प्रदर्शित किए जा सकते हैं। अनधिकृत संपत्ति क्षति निषिद्ध है। सोशल मीडिया नियम : ऑनलाइन प्रचार वही नैतिक मानदंडों का पालन करे, गलत सूचना और व्यक्तिगत हमलों पर दंड लागू होगा। वित्तीय पारदर्शिता : प्रचार खर्च निर्धारित सीमा में रहे और समय पर रिकॉर्ड प्रस्तुत किया जाए। चुनावी मौन : मतदान से 48 घंटे पहले प्रचार रोक दिया जाना चाहिए। इस अवधि में कोई रैली, घोषणा या डिजिटल प्रचार नहीं होगा ताकि मतदाता स्वतंत्र निर्णय ले सकें। ये नियम नेपाल के पारदर्शी, विश्वसनीय और अनुशासित चुनावों के प्रति प्रतिबद्धता को दर्शाते हैं, जो इस सिद्धांत का प्रतीक हैं : स्वतंत्र और निष्पक्ष चुनाव : राष्ट्र का गौरव। ऐतिहासिक संदर्भ और चुनावी पार्टियां : नेपाल की लोकतांत्रिक यात्रा लंबी और उथल-पुथल भरी रही है। सदियों की राजशाही से लेकर 2008 में संघीय लोकतांत्रिक गणराज्य की घोषणा तक, देश ने लगातार लोकतांत्रिक मानदंडों को संस्थागत किया। 2015 के संविधान ने संघवाद और समावेशी शासन को और मजबूत किया। 2026 का चुनाव नेपाल के इतिहास में सबसे प्रतिस्पर्धी चुनावों में से एक है : प्रतिनिधि सभा में 275 सीटें, 165 फस्र्ट-पास्ट-द-पोस्ट और 110 अनुपातिक प्रतिनिधित्व। पूरे देश में 3484 उम्मीदवार : 68 राजनीतिक दलों से 2297 और स्वतंत्र 1187 प्रमुख दल : नेपाली कांग्रेस, सीपीएन-यूएमएल, राष्ट्रीय स्वतंत्र पार्टी और राष्ट्रीय प्रजातंत्र पार्टी, यह विविधता नेपाल के नागरिकों की उन आकांक्षाओं को दर्शाती है जो सक्षम नेतृत्व चाहते हैं जो शासन, विकास और सामाजिक समानता सुनिश्चित कर सके। नागरिकों की अपेक्षाएं : सामान्य नेपाली मतदाता के लिए, ये चुनाव स्थिरता, जवाबदेही और प्रगति के बारे में हैं। प्रमुख प्राथमिकताएं हैं : राजनीतिक स्थिरता : एक ऐसी सरकार जो अपना कार्यकाल पूरा कर सके, रोजगार और आर्थिक विकास : नौकरियों का सृजन, उद्यमिता और मूल्य स्थिरता, सुव्यवस्था और भ्रष्टाचार नियंत्रणः पारदर्शी और जवाबदेह नेतृत्व, जमीनी विकास : सडक़ें, स्वास्थ्य सेवा, शिक्षा, बिजली और डिजिटल सेवाएं, युवा और शिक्षा सुधार : कौशल विकास, योग्यता आधारित अवसर और प्रौद्योगिकी का एकीकरण, सामाजिक सद्भाव और राष्ट्रीय एकता : समावेशी राजनीति और शांतिपूर्ण अभियान, स्वच्छ और निष्पक्ष प्रक्रिया : चुनाव विश्वसनीय, सम्मानजनक और निष्पक्ष होना चाहिए। जनरेशन की भूमिका : नेपाल की जनरेशन (18-25 वर्ष) एक परिवर्तनकारी चुनावी शक्ति के रूप में उभर रही है। बीते वर्ष जब मैंने हेत्तौडा में देखा कि पिछले राजनीतिक आंदोलनों के दौरान इस पीढ़ी ने सक्रिय भूमिका निभाई, यह स्पष्ट है कि यह पीढ़ी राजनीतिक विमर्श और मतदाता प्राथमिकताओं दोनों को प्रभावित कर सकती है। युवा मतदाता सक्रियता : जनरेशन योग्य मतदाताओं का बढ़ता अनुपात है, खासकर शहरी क्षेत्रों में, जो शासन, शिक्षा और रोजगार पर केंद्रित है। डिजिटल प्रभाव : सोशल मीडिया सहभागिता बहसों को तेज करती है, नेताओं को जवाबदेह बनाती है और सार्वजनिक धारणा को आकार देती है।

> निर्वाचन आयोग के सक्रिय कदम : लोकतांत्रिक अनुशासन को मजबूत करने की दिशा में निर्णायक कदम के रूप में, नेपाल के निर्वाचन आयोग के चुनाव आयुक्त राम प्रसाद भंडारी ने महत्वपूर्ण घोषणाएं और संचालन निर्देश जारी किए हैं। 2082 (सन्) के चुनाव : आचार संहिता पर आधारित ये निर्देश पारदर्शिता, निष्पक्षता और लोकतांत्रिक मानदंडों के कड़ाई से पालन पर जोर देते हैं। इसी तरह, नेपाल के निर्वाचन आयोग के संयुक्त सचिव और प्रवक्ता नारायण प्रसाद सापकोटा ने काठमांडू के कांतीपथ से आयोग की प्रतिबद्धता को दोहराया और चुनावी अखंडता और जनता के विश्वास को बनाए रखने में नेपाल की दृढ़ संकल्पना को रेखांकित किया।

आप का नज़रिया

पर्यटक सीजन की अर्जियां

बादलों से दूर गर्मियों का आगाज, खेत में किसान, गुसलखाने में स्नान परेशान है। हिमाचल अपने चरित्र में परेशां सा है। पर्वतीय इलाकों में सूखे की डालियों में उलझे बागीचे के फूल और नीचे खड्ड अपने किनारों से शर्मिंदा है। ये कैसी वसंत, जो आने की खबर से घबरा रही। बर्फ अपने बगल में छुपाए पानी से डर रही। पिघल रहे हिमनद और पिघल रहे अरमानों के मौसम। कुछ यात्री और कुछ यात्राएं फिर भी हिमाचल को पर्यटक राज्य बनाएंगी। भले ही इस बार ढलानों पर स्कीइंग कमजोर रही और शिमला का आइस स्केटिंग रिंक अपने अनुकूल बर्फ जमा नहीं कर पाया, लेकिन आने वाली गर्मी को हिमाचल में बेहतर मौसम की दरकार रहेगी। पर्यटन सीजन की दरख्वास्तें पहुंच चुकी हैं, लिहाजा आने वाले चार महीनों की करवटों में साल भर के दाने हैं। पिछले वर्ष से भिन्न और हर वर्ष से अलग दिखाई देने की कसरतें बताएंगी कि पर्यटन को महोत्सव बनाने की शर्तों में हम कितने सफल रहे। हिमाचल में अब खतरा यह कि जब सैलानी भीड़ बन जाते हैं, तो परेशानी अपने साथ नकारात्मक पर्यटन की शिकायत बढ़ा देती है। कम से कम इस सीजन की सार्थकता में यह जरूरी है कि नकारात्मक पहलू हटाए जाएं। पहाड़ों पर गर्मियां बिताने के तरीके बदल रहे हैं। कुछ को शांति चाहिए, तो कुछ को अटल टनल के दो छोरों से गुजरता वाहनों का महासागर चाहिए। अभी तो पर्यटक सीजन के दरवाजे भी नहीं खुले, फिर भी अटल टनल रोजाना करीब बारह सौ वाहनों के शोर में बेचैन है। मकलोडगंज से धर्मशाला के बीच ट्रैफिक जाम और कमोबेश हर सडक़ के चौराहों पर सीजन बिखरने की इत्तिला है। हम उसी ढर्रे पर प्रवेश शुल्क की पर्ची बढ़ा कर शायद इस बार ज्यादा कमा जाएंगे, मगर यातायात के संदर्भ कैसे सुधर पाएंगे। पर्यटक बनाम नागरिक सुविधाएं भी होने लगी हैं। पार्किंग की जरूरतों में सडक़ों पर दबाव और शहरों की आबरू में बढ़ते सुराख, अंततः आम नागरिक की मुसीबतों में सीजन को खड़ा कर देते हैं। इसी तरह जलापूर्ति के आंकड़ों में संकट के नक्शे पर पर्यटक की प्यास कौन बुझाएगा। पर्यटक सीजन की कमाई और लागत में द्वंद्व है। कमाई के सरोपे पहन कर पूरी इंडस्ट्री तो अपने लाभ-हानि की खाई गिनाने लगेगी, मगर पर्यटक शहरों में आम लोगों की फुर्सत और जीने के पल जिस कद्र हराम होने लगे हैं, उनके ऊपर सोचना होगा। अंततः पर्यटन उद्योग, परिवहन क्षेत्र, टैक्सी आपरेटर तथा व्यापार मंडलों को भी सीजन की कर्मठता में खुद को हाजिर करना होगा। हिमाचल के कुछ भागों में पर्यटक सीजन की आंच से खाने-पीने की कीमतें सुलगती हैं। ऐसा लगता है कि चार महीनों के लिए हमारी व्यवस्था शून्यता के कंधों पर पर्यटन सीजन को ढोती है। मनाली, डलहौजी, कसौली या मकलोडगंज के दामन में उछलते दाम आखिर राज्य को गलम नाम देते रहेंगे, तो टूरिस्ट के पास विकल्प बढ़ेंगे। हिमाचल के हर पर्यटक सीजन में अब हाई एंड टूरिस्ट का मूल्यांकन होने लगा है। यह बढ़ोतरी नगण्य है, हालांकि प्रदेश में पर्यटन क्षेत्र में निवेश बढ़ रहा है। फोरलेन परियोजनाओं के कारण पर्यटन में गतिशीलता आ रही है, तो इसके साथ मुकाम पर पहुंचने वाले कचरे की बौछार भी बढ़ा रहे हैं। बहरहाल पर्यटक सीजन को अब एसओपी के जरिए चलाने के लिए विभागीय तालमेल के विशेष प्रबंधन, प्रशासन व निजी क्षेत्र के बीच सहयोग और स्थानीय निकायों को विशेष ग्रांट के तहत पर्यटन को महोत्सव की तरह चलाने का प्रोत्साहन मिलना चाहिए या ग्रीन टैक्स का दायरा बढ़ाने की अनुमति मिलनी चाहिए।

> पर्वतीय इलाकों में सूखे की डालियों में उलझे बागीचे के फूल और नीचे खड्ड अपने किनारों से शर्मिंदा है। ये कैसी वसंत, जो आने की खबर से घबरा रही। बर्फ अपने बगल में छुपाए पानी से डर रही। पिघल रहे हिमनद और पिघल रहे अरमानों के मौसम। कुछ यात्री और कुछ यात्राएं फिर भी हिमाचल को पर्यटक राज्य बनाएंगी। भले ही इस बार ढलानों पर स्कीइंग कमजोर रही और शिमला का आइस स्केटिंग रिंक अपने अनुकूल बर्फ जमा नहीं कर पाया, लेकिन आने वाली गर्मी को हिमाचल में बेहतर मौसम की दरकार रहेगी। पर्यटन सीजन की दरख्वास्तें पहुंच चुकी हैं, लिहाजा आने वाले चार महीनों की करवटों में साल भर के दाने हैं। पिछले वर्ष से भिन्न और हर वर्ष से अलग दिखाई देने की कसरतें बताएंगी कि पर्यटन को महोत्सव बनाने की शर्तों में हम कितने सफल रहे। हिमाचल में अब खतरा यह कि जब सैलानी भीड़ बन जाते हैं, तो परेशानी अपने साथ नकारात्मक पर्यटन की शिकायत बढ़ा देती है। कम से कम इस सीजन की सार्थकता में यह जरूरी है कि नकारात्मक पहलू हटाए जाएं। पहाड़ों पर गर्मियां बिताने के तरीके बदल रहे हैं। कुछ को शांति चाहिए, तो कुछ को अटल टनल के दो छोरों से गुजरता वाहनों का महासागर चाहिए। अभी तो पर्यटक सीजन के दरवाजे भी नहीं खुले, फिर भी अटल टनल रोजाना करीब बारह सौ वाहनों के शोर में बेचैन है। मकलोडगंज से धर्मशाला के बीच ट्रैफिक जाम और कमोबेश हर सडक़ के चौराहों पर सीजन बिखरने की इत्तिला है। हम उसी ढर्रे पर प्रवेश शुल्क की पर्ची बढ़ा कर शायद इस बार ज्यादा कमा जाएंगे, मगर यातायात के संदर्भ कैसे सुधर पाएंगे। पर्यटक बनाम नागरिक सुविधाएं भी होने लगी हैं।

कुछ अलग

सोचने की फुर्सत नहीं

भारत में आकर विदेशियों की इंटेलिजेंस जवाब दे जाती है, बल्कि यहां के सुकून की खासियत भी यही है कि बंदा बुद्धि, विवेक और तर्क भूल कर जो हो रहा होता है, उसका आनंद लेता है। पर्यटक हैरान होते हैं कि अगर किसी देश को इंटेलिजेंस चाहिए ही नहीं, तो यकीनन यह भारत है। किसी को सोचने की फुर्सत नहीं, इसलिए देश को वे भी चला लेते हैं जो दिमाग का कतई इस्तेमाल नहीं करते। कई बार तो लगता है आवारा जानवर कहीं हमसे ज्यादा इंटेलिजेंस दिखाते हैं। आवारा पशुओं को मालूम है कि रोजाना किस खेत की फसल उखाडऩी है। बंदरों के मुकाबले इनसान असहाय इसलिए हो रहा है क्योंकि वह हमारे साथ दिमागी खेल खेलता है। हमारे शहर में सबसे ज्यादा आवारा कुत्ते बताए गए, हालांकि आवारगी का सिर्फ यही आलम नहीं। आवारा कुत्ते भी हर दिन रोटी की दिहाड़ी में चक्कर चलाते हैं। सभी जगह कुत्ते थे, तो प्रशासन भी जाग गया। उन्हें भगाने में इनसान काम नहीं आ रहा था, तो सोचा गया क्यों न आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के टूल्स का फायदा उठाया जाए।

दृष्टि कोण

ईरान पर हमले से बढ़ेगा मध्यपूर्व का संकट

शनिवार को हुए हमलों में कम से दो सौ से अधिक लोग मारे गए हैं, जिनमें दक्षिणी ईरान के एक स्कूल में हुए 80 से ज़्यादा लोग शामिल हैं। अमेरिका में इस हमले के हवाले से जो पोल कराया गया, उससे स्पष्ट हुआ कि केवल 33 फीसद लोग ईरान पर आक्रमण के पक्ष में थे। डेमोक्रेटिक हाउस माइनॉरिटी लीडर हकीम जेफ्रीस ने कहा, 'डोनाल्ड ट्रंप ईरान पर हमला करने से पहले कांग्रेस से मंज़ूरी लेने में नाकाम रहे थे।' ट्रंप को कन्विंस करना होगा कि ईरान पर कार्रवाई के बाद अमेरिकन्स सुरक्षित हैं। चीनी विदेश मंत्रालय मिडल ईस्ट में फंसे अपने नागरिकों को वहां से निकल लेने के कई विकल्प दे चुका है। मंत्रालय ने कहा कि अस्तारा बॉर्डर क्रॉसिंग के ज़रिए अज़रबैजान में हमारे नागरिक बिना वीज़ा के आ सकते हैं, जो रोज़ सुबह 9:00 बजे से शाम 4:00 बजे तक खुला रहता है। अगराक क्रॉसिंग से आर्मेनिया में भी बिना वीज़ा के एंट्री मिलती है। चीनी दूतावास के मुताबिक, 'वान, आगरी और हक्कारी प्रांतों में बॉर्डर क्रॉसिंग के ज़रिए तुर्की में ज़मीन के रास्ते खुले हैं, जहां चीनी पासपोर्ट होल्डर्स को भी बिना वीज़ा के आने-जाने की इजाज़त है। जो लोग इराक में घुसना चाहते हैं, वे शालमचेह बॉर्डर क्रॉसिंग के ज़रिए ऐसा कर सकते हैं, बशर्ते वे पहले से इलेक्ट्रॉनिक वीज़ा ले लें, या पहुंचने पर टेम्परारी वीज़ा के लिए अप्लाई करें।' मिडिल ईस्ट में कई एम्बेसी, जिनमें तुर्की, अज़रबैजान और इराक शामिल हैं, ने उन चीनी नागरिकों के लिए अधिसूचना जारी की हैं, जो ईरान से इन देशों में इवैक्युएट होना चाहते हैं। इससे एक बात तो नज़र आ रही है, कि मिडल-ईस्ट में लड़ाई लम्बी चलेगी। उसमें चीन और रूस की भूमिका अभी स्पष्ट नहीं है। इनकी पहली प्राथमिकता अपने नागरिकों को सुरक्षित निकालने की रहेगी। युद्ध प्रभावित और ईरानी टारगेट वाले देशों में कोई 50 हज़ार रूसी नागरिक हैं। क़तर और बहरीन में कोई दो हज़ार रूसी नागरिकों को निकलने की चिंता क्रेमलिन को है। लेकिन चीन-रूस से कई गुना अधिक 97 लाख के क़रीब भारतीय नागरिक युद्ध प्रभावित गल्फ के देशों में हैं, उन्हें सुरक्षित निकालना आसान नहीं है। इराकी कुर्दिस्तान के एरबिल में हवाई हमले और धमाकों की खबर है। शिया मिलिशिया शरया उलिया अल-दाम ने उस जगह पर कब्ज़ा करने का दावा किया, जहां एक बड़ी फ्यूल स्टोरेज की जगह थी। मूवमेंट के मिलिट्री विंग के प्रतिनिधियों ने घोषणा की, कि इराक में अमेरिकी सैनिकों, प्रॉपर्टी और इंफ्रास्ट्रक्चर पर हमले जारी रहेंगे। कतर, कुवैत, बहरीन, जॉर्डन और यूएई अमेरिकी मित्र और सैन्य ठिकानों वाले देश हैं। ईरानी ऑपरेशन में मरने वाले अमेरिकी सैनिकों की संख्या कथित तौर पर बढ़ गई है। कुवैत में एक बेस और बहरीन में अमेरिकी सैनिकों के ठिकानों पर ईरानी रेवोल्यूशनरी गार्ड कॉर्प के हमलों में सबसे ज़्यादा अमेरिकी सैनिक मारे गए। एक बात तो मान कर चलें, जिन-जिन देशों में अमेरिकी बेस हैं, वो मुल्क़ भी महफ़ूज़ नहीं हैं। राजधानी दोहा के बाहर रेगिस्तान में 24 हेक्टेयर का अल उदीद एयर बेस, यूएस सेंट्रल कमांड का फॉरवर्ड हेडक्वार्टर है, जो पश्चिम में मिस्र से लेकर पूर्व में कजाकिस्तान तक फैले इलाके में अमेरिकी मिलिट्री ऑपरेशन्स को डायरेक्ट करता है। मिडिल ईस्ट के सबसे बड़े अल उदीद बेस में करीब 10,000 अमेरिकी सैनिक हैं। इसके अलावा कैंप आरिफजान में अमेरिकी सैनिकों का जमावड़ा है। अमेरिकन आर्मी सेंट्रल का फॉरवर्ड हेडक्वार्टर, अली अल सलेम एयर बेस को माना जाता है, जो इराकी बॉर्डर से लगभग 40 किलोमीटर दूर है, और अपने ऊबड़-खाबड़ माहौल की वजह से 'द रॉक' के नाम से जाना जाता है।

आज का राशिफल

मेष – चू,चे,चो,ला,लि,लू,ले,लो,अ

मौज–मस्ती और मनपसंद काम करने का दिन है। आज आपको किसी अज्ञात स्रोत से पैसा प्राप्त हो सकता है जिससे आपकी कई आर्थिक परेशानियां दूर हो जाएंगी। संबंधियों से आपको सहायता प्राप्त होगी। आपको उदार और स्नेह से भरे प्यार का तोहफ़ा मिल सकता है। काम को मनोरंजन के साथ न मिलाएँ। कोई आध्यात्मिक गुरू या बड़ा आपकी सहायता कर सकता है। अगर आप कोशिश करें तो आप अपने जीवनसाथी के साथ अपने जीवन का सबसे अच्छा दिन आज गुज़ार सकते हैं।

वृषभ – इ,उ,ए,ओ,वा,वि,वु,वे,वो

आप आज ख़ुद को रोज़ाना की अपेक्षा कम ऊर्जावान महसूस करेंगे। स्वयं को ज़रूरत से ज़्यादा काम के नीचे न दबाएँ, थोड़ा आराम करें और आज के कामों को कल तक के लिए टाल दें। आर्थिक पक्ष के मजबूत होने की पूरी संभावना है। अगर आपने किसी शख्स को पैसा उधार दिया था तो आज आपको वो पैसा वापस मिलने की उम्मीद है। परिवार के सदस्यों की ज़रूरतों को तरजीह दें। उनके सुख–दु:ख के भागीदार बनें, ताकि उन्हें महसूस हो कि आप वाक़ई उनका ख़याल रखते हैं। नए विचार फ़ायदेमंद साबित होंगे। रात के समय आज आप घर के लोगों से दूर होकर टहलना पसंद करेंगे। ऐसा लगता है कि आपके जीवनसाथी आज आपके ऊपर ख़ास ध्यान देंगे।

मिथुन – क,कि,कृ,घ,ड़,छ,के,को,ह

निवेश करना कई बार आपके लिए बहुत फायदेमंद साबित होता है आज आपको यह बात समझ में आ सकती है क्योंकि किसी पुराने निवेश से आज आपको मुनाफा हो सकता है। जो लोग आपके क़रीब हैं, वे आपका ग़लत फ़ायदा उठा सकते हैं। आपकी कड़ी मेहनत और निष्ठा ख़ुद आपके लिए बोलेगी व दूसरों का विश्वास और सहयोग आपको हासिल होगा। आपको ऐसी जगहों से महत्वपूर्ण बुलावा आएगा, जहाँ से आपने इसकी कभी कल्पना भी न की हो। अपने जीवनसाथी के किसी काम की वजह से आप कुछ शर्मिन्दगी महसूस कर सकते हैं।

कर्क – ही,हु,हे,हो,डा,डी,डू,डे,डो

कोई दोस्त आपकी सहनशक्ति और समझ की परीक्षा ले सकता है। अपने मूल्यों को दरकिनार करने से बचें और हर फ़ैसला तार्किक तरीक़े से लें। आपको कई स्रोतों से आर्थिक लाभ होगा। आम परिचितों से व्यक्तिगत बातों को बांटने से बचें। जिसे आप चाहते हैं, उसके साथ आपका तल्ख़ रवैया आपके रिश्ते में दूरी बढ़ा सकता है। कार्यक्षेत्र में आपको हर कोई गंभीरता से सुनेगा। आप खुद को समय देना जानते हैं और आज तो आपको काफी खाली समय मिलने की संभावना है। खाली समय में आज आप कोई खेल–खेल सकते हैं या जिम जा सकते हैं।

सिंह – म,मी,मू,मे,मो,टा,टी,टू,टे

स्वास्थ्य के लिहाज़ से बहुत अच्छा दिन है। आपकी ख़ुशमिज़ाजी ही आपके आत्मविश्वास में बढ़ोतरी करेगी। विदेशों में पड़ी आपकी जमीन आज अच्छे दामों में बिक सकती है जिससे आपको मुनाफा होगा। बहन की शादी की ख़बर आपके लिए ख़ुशी का सबब लेकर आएगी। लेकिन आपको भविष्य के बारे में सोचना छोड़ वर्तमान का पूरा आनंद लेना चाहिए। व्यावसायिक साझीदार सहयोग करेंगे और आप साथ मिलकर टलते आ रहे कामों को पूरा कर सकते हैं। आज धार्मिक कामों में आप अपना खाली समय बिताने का विचार बना सकते हैं।

कन्या – टो,प,पी,पू,ष,ण,ठ,पे,पो

आज का दिन मौज–मस्ती और आनन्द से भरा रहेगा– क्योंकि आप ज़िन्दगी को पूरी तरह जिएंगे। जल्दबाज़ी में निवेश न करें– अगर आप सभी मुमकिन कोणों से परखेंगे नहीं तो नुक़सान हो सकता है। अपने बच्चों के साथ एक दोस्ताना रिश्ता विकसित करें। पुरानी बातों को पीछे छोड़कर आगे आने वाले अच्छे वक़्त की ओर देखें। आपकी कोशिशें फलदायी रहेंगी। क्योंकि आप किसी ख़ास के साथ की कमी महसूस कर रहे हैं। पैसे बनाने के उन नए विचारों का उपयोग करें, जो आज आपके ज़ेहन में आएँ। यात्रा करना फ़ायदेमंद लेकिन महंगा साबित होगा।

तुला – र,री,रू,रे,रो,ता,ति,तू,ते

अनचाहा कोई महमान आज आपके घर आ सकता है जिसके आने से आप–को घर के उन समानों पर भी खर्चा करना पड़ सकता है जिनको आपने अगले महीने पर टाला हुआ था। जिनसे आप प्यार करते हैं, उनसे आज सारी ग़लतफ़हमी दूर हो सकती है। आपका प्रिय आज रोमांटिक मूड में होगा। चीज़ें कार्यक्षेत्र में बेहतर नज़र आती हैं। पूरे दिन आपका मिज़ाज बढ़िया रहेगा। खाली समय में आज आप कोई उपन्यास अथवा कोई धार्मिक ग्रन्थ पढ के बोरियत को दूर कर सकते हैं । आपका जीवनसाथी आपकी बहुत तारीफ़ करेगा और आप पर बहुत स्नेह उढ़ेलेगा।

वृश्चिक – तो,न,नी,नू,ने,नो,या,यी,यू

स्वास्थ्य का ख़याल रखें, नहीं तो लेने के देने पड़ सकते हैं। धन की आवाजाही आज दिन भर होती रहेगी और दिन ढलने के बाद आप बचत करने में भी सक्षम हो पाएंगे। आज आप नए दोस्त बनाने में सफल साबित होंगे। आज कार्यक्षेत्र में आपके किसी पुराने काम की तारीफ हो सकती है। आपके काम को देखते हुए आज आपकी तरक्की भी संभव है। कारोबारी आज अनुभवी लोगों से करोबार को आगे बढ़ाने की सलाह ले सकते हैं। वक़ील के पास जाकर क़ानूनी सलाह लेने के लिए अच्छा दिन है। अगर आप कोशिश करें तो आप अपने जीवनसाथी के साथ अपने जीवन का सबसे अच्छा दिन आज गुज़ार सकते हैं।

धनु – ये,यो,भ,भी,भू,धा,फा,ढा,भे

बहुत ज़्यादा चिंता और तनाव की आदत आपकी सेहत बर्बाद कर सकती है। जिन लोगों को आप जानते हैं, उनके ज़रिए आपको आमदनी के नए स्रोत मिलेंगे। अपने मेहमानों से ख़राब बर्ताव न करें। आपका ऐसा व्यवहार न केवल आपके परिवार को दु:खी कर सकता है, बल्कि संबंधों में दूरी भी पैदा कर सकता है। आपके आत्मविश्वास में वृद्धि हो रहा है और तरक़्क़ी साफ़ नज़र आ रही है। आज समय की नजाकत को देखते हुए आप अपने लिए समय निकाल सकते हैं लेकिन ऑफिस के किसी काम के अचानक आ जाने के कारण आप ऐसा करने में सफल नहीं हो पाएँगे।

मकर – भो,ज,जी,खि,खू,खे,खो,ग,गि

आपको काफ़ी समय से चल रही बीमारी से छुटकारा मिल सकता है। आकस्मिक मुनाफ़े या सट्टेबाज़ी के ज़रिए आर्थिक हालात सुदृढ़ होंगे। आपका जी–वनसाथी आपकी सहायता करेगा और मददगार साबित होगा। थोड़े बहुत टकराव के बावजूद भी आज आपका प्रेम जीवन अच्छा रहेगा और आप अपने संगी को खुश रखने में कामयाब होंगे। बहादुरी भरे क़दम और फ़ैसले आपको अनुकूल पुरुस्कार देंगे। मुमकिन है कि आपके अतीत से जुड़ा कोई शख़्स आज आपसे संपर्क करेगा और इस दिन को यादगार बना देगा।

कुम्भ – गु,गे,गो,सा,सी,सू,से,सो,द

आज आपको आराम करने और क़रीबी दोस्तों व परिवार के साथ ख़ुशी के कुछ पल बिताने की ज़रूरत है। इस राशि के विवाहित जातकों को आज ससुराल पक्ष से धन लाभ होने की संभावना है। अपने मेहमानों से ख़राब बर्ताव न करें। आज हो सकता है कि पहली नज़र में ही आपको कोई पसंद कर ले। अगर आप सेमिनार और व्याख्यान आदि में शिरकत करेंगे, तो कुछ नया सीखने को मिलेगा। आज सोच–समझकर क़दम बढ़ाने की ज़रूरत है– जहाँ दिल की बजाय दिमाग़ का ज़्यादा इस्तेमाल करना चाहिए। आज से पहले शादीशुदा ज़िन्दगी इतनी अच्छी कभी नहीं रही।

मीन – दी,दू,थ,झ,ञ,दे,दो,चा,ची

बचपन की यादें आपके मन पर छायी रहेंगी। लेकिन इस काम में आप ख़ुद को मानसिक तनाव दे सकते हैं। आज के दिन आप धन से जुड़ी समस्या के कारण परेशान रह सकते हैं। इसके लिए आपको अपने किसी विश्वास पात्र से सलाह लेनी चाहिए। आपका लाप–रवाह रवैया आपके माता–पिता को दु:खी कर सकता है। कोई भी नयी परियोजना शुरू करने से पहले उनकी राय भी जान लें। कार्यक्षेत्र में प्रगतिशील और बड़े बदलाव करने में सहकर्मी आपका पूरा सहयोग करेंगे। आज आप सब कामों को छोड़कर उन कामों को करना पसंद करेंगे जिन्हें आप बचपन के दिनों में करना पसंद करते थे।

आज का पंचांग

दिनांक : 03 मार्च 2026, मंगलवार
विक्रम संवत : 2082
मास : फाल्गुन , शुक्ल पक्ष
तिथि : पूर्णिमा सायं 05:10 तक
नक्षत्र : मघा प्रातः 07:32 तक
योग : सुकर्मा प्रातः 10:23 तक
करण : बव सायं 05:10 तक
चन्द्रराशि : सिंह
सूर्योदय : 06:33 , सूर्यास्त 06:23 (हैदराबाद)
सूर्योदय : 06:34, सूर्यास्त 06:28 (बैंगलोर)
सूर्योदय : 06:27 , सूर्यास्त 06:21 (तिरुपति)
सूर्योदय : 06:24 , सूर्यास्त 06:14 (विजयवाडा)

शुभ चौघड़िया

चल : 09:00 से 10:30
लाभ : 10:30 से 12:00
अमृत : 12:00 से 01:30
राहुकाल : सायं 03:00 से 04:30
दिशाशूल : उत्तर दिशा
उपाय : गुड खाकर यात्रा का आरंभ करें
दिन विशेष : ग्रस्तोदित खग्रास चन्द्र ग्रहण, चैतन्य महाप्रभु जयंती, मन्वादि तिथि , गण्डमूल प्रातः 07:32 तक

* पाण्डित्य विषय में सम्पर्क करें *

पं.चिदम्बर मिश्र (टिल्लू महाराज)
हमारे यहाँ पाण्डित्य पूर्ण यज्ञ अनुष्ठान, भागवत कथा एवं मूल पारायण, वास्तुशान्ति, गृहप्रवेश,शतचंडी, विवाह, कुंडली मिलान, नवग्रह शान्ति, ज्योतिष सम्बन्धी शंका समाधान किए जाते हैं
फक्कड़ का मन्दिर, रिकाबगंज, हैदराबाद, (तेलंगाना)
9246159232, 9866165126
chidamber011@gmail.com

भजनलाल शर्मा ने कार्यकर्ताओं के साथ खेली फूलों की होली

जयपुर, 02 मार्च (एजेंसियां)। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा सोमवार को भांकरोटा स्थित संगम पैराडाइज में आयोजित होली स्नेह मिलन समारोह में शामिल हुए। इस दौरान मुख्यमंत्री ने भाजपा कार्यकर्त्ताओं के साथ फूलों की होली खेली और सुरक्षित एवं पर्यावरण अनुकूल होली का संदेश दिया। उन्होंने वहां उपस्थित महिलाओं, बच्चों और युवाओं से आत्मीय मुलाकात करते हुए सभी को होली की शुभकामनाएं दी। कार्यक्रम में लोक कलाकारों ने रसिया गीतों एवं नृत्य की प्रस्तुति दी। मुख्यमंत्री ने कलाकारों पर फूल बरसाएं और नंगाड़ा बजाकर कलाकारों का उत्साहवर्धन किया। मुख्यमंत्री ने सभी प्रदेशवासियों को होली की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि हमारी संस्कृति में हर त्योहार का विशेष महत्व है। होली का पर्व उल्लास और उमंग का उत्सव है, जो हम सभी के जीवन में नए रंग घोलता है। यह त्योहार हम सभी को एक–दूसरे के साथ मिलकर आगे बढ़ने का संदेश देता है। उन्होंने सभी प्रदेशवासियों की सुख–समृद्धि और खुशहाली के लिए कामना की।

उन्होंने कहा कि देश के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने 28 फरवरी को अजमेर से राजस्थान को बड़ी सौगाते दी। प्रधानमंत्री ने अजमेर से सर्वाइकल कैंसर की रोकथाम के लिए देशव्यापी टीकाकरण अभियान की शुरूआत भी की। उन्होंने सभी प्रदेशवासियों की ओर से प्रधानमंत्री का आभार जताया। शर्मा ने कहा कि हमने विधानसभा में 2 साल बनाम 5 साल का प्रतिवेदन रखा। लेकिन कांग्रेस के लोग बिना बहस किए ही मैदान छोड़कर भाग गए। उन्होंने कहा कि कार्यकर्त्ता ही हमारी ताकत है। उन्होंने कहा कि हमारी सरकार प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के सबका साथ सबका विकास के मूल मंत्र को आत्मसात करते हुए युवा, किसान, महिला, मजदूर के सशक्तीकरण के लिए कार्य कर ही है। हमारी सरकार ने युवाओं को अब तक सवा लाख सरकारी नौकरियों में नियुक्ति पत्र दे दिए है तथा 1 लाख 35 हजार पदों पर भर्तियां प्रक्रियाधीन है। हमने, वर्ष 2026 के लिए 1 लाख पदों पर भर्तियों का कलैण्डर निर्धारित किया था और अब हमने बजट में 25 हजार और पदों के लिए कलैण्डर जारी किए जाने की घोषणा की है। इस वर्ष के लिए 1 लाख 25 हजार पदों पर भर्तियों का कलैण्डर जारी होगा। उन्होंने युवाओं से आह्वान किया कि वें मन लगाकर पढ़े और मेहनत करें। सरकार पूरी तरह से युवाओं के साथ है। उन्होंने सभी से केन्द्र व राज्य सरकार की सभी योजनाओं का लाभ अंतिम पंक्ति पर खड़े व्यक्ति तक पहुंचाने का आह्वान किया।

कार्यक्रम में सांगानेर विधानसभा के सभी मंडल के अध्यक्ष, पदाधिकारी एवं हजारों की संख्या में कार्यकर्त्ता उपस्थित रहे। कार्यक्रम से लौटते समय मुख्यमंत्री ने भांकरोटा में चाय की दुकान पर रूक कर चाय पी और वहां उपस्थित लोगों से मुलाकात की। इससे पहले मुख्यमंत्री निवास पर आयोजित होली स्नेह मिलन समारोह में अखिल भारतीय सेवाओं के वरिष्ठ अधिकारियों ने मुख्यमंत्री को होली की शुभकामनाएं दीं। इस दौरान भारतीय प्रशासनिक सेवा, भारतीय पुलिस सेवा, भारतीय वन सेवा सहित विभिन्न सेवाओं के अधिकारीगण उपस्थित रहे।

राजस्थान पुलिस की सर्जिकल स्ट्राइक 1276 अपराधी चिन्हित, 214 गिरफ्तार

जयपुर, 02 मार्च (एजेंसियां)। राजस्थान में भयमुक्त वातावरण सुनिश्चित करने के लिए महानिदेशक पुलिस राजीव कुमार शर्मा के विजन को धरातल पर उतारते हुए संगठित गिरोहों के विरुद्ध पुलिस ने रविवार अलसुबह बड़ी घेराबंदी की। इस ऑपरेशन का मुख्य लक्ष्य अवैध हथियार रखने वाले, इलाके में रंगदारी व अन्य अपराधी घटनाओं को अंजाम देने वाले गिरोह से संबंधित नेटवर्क को जड़ से उखाड़ना था। यह कार्रवाई जयपुर व जोधपुर कमिश्नरेट सहित राज्य के 14 अन्य जिलों में की गई। इस मिशन की कमान महानिदेशक स्पेशल ऑपरेशन्स आनंद श्रीवास्तव को सौंपी गई। उनके कुशल निर्देशन में राजस्थान पुलिस की एंटी गैंगस्टर टास्क फोर्स ने मोर्चा संभाला। एडीजी श्री दिनेश एमएन और डीआईजी योगेश यादव के सुपरविजन में इस पूरे ऑपरेशन का ब्लूप्रिंट तैयार किया गया। ग्राउंड लेवल पर कार्रवाई के लिए एसपी ज्ञान चंद यादव, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक नरोत्तम वर्मा व सिद्धांत शर्मा और डीएसपी फूलचंद टेलर व भँवर लाल सहित अनुभवी पुलिस निरीक्षकों की टीम ने मैदान में मोर्चा संभाला। अन्य सभी जिलों में टारगेटेड अपराधियों की सूची साझा कर जीरो टॉलरेंस के निर्देश दिए गए।

डीजीपी शर्मा ने बताया कि सभी रेंज आईजी ने समस्त कार्रवाई की मॉनिटरिंग की एवं स्थानीय पुलिस अधीक्षक के नेतृत्व में फील्ड में पुलिस टीमों द्वारा कार्रवाई की गई।

इस विशेष अभियान के लिए कुल 1,276 अपराधियों को टारगेट पर लिया गया था। आंकड़ों के अनुसार, इनमें रोहित गोदारा और लॉरेंस गैंग से संबंधित 383, स्थानीय गैंग के 534 और अन्य श्रेणियों के 359 इनामी व वांछित अपराधी चिन्हित किए गए थे। पुलिस की टीमों ने प्रदेश भर में इनके ठिकानों पर सघन दबिश दी।आर्म्स एक्ट के तहत कुल 30 प्रकरण दर्ज कर 17 पिस्टल, 3 देशी कट्टे, 14 कारतूस, 6 चाकू और 6 छुरे बरामद किए गए।एनडीपीएस एक्ट के 34 मामलों में पुलिस ने 1.166 किलो हेरोइन, 8.544 ग्राम स्मैक, 5.29 ग्राम एमडी, 300 ग्राम अफीम, 14.792 किलो गांजा और 26.08 किलो डोडा पोस्त जब्त किया।झुंझुनू जिले में कार्यवाही करते हुए पुलिस ने 8,153 अफीम के पौधे भी बरामद किए हैं।अभियान के अंत तक पुलिस ने कुल 214 फरार और वांछित अपराधियों को गिरफ्तार करने में सफलता पाई है।

श्रद्धा व भक्ति के साथ मनाया गया गच्छाधिपति आचार्य श्री मणिप्रभ सूरी जी का 66वां जन्मोत्सव

जैसलमेर, 02 मार्च (एजेंसियां)। अपने जन्मदिवस के शुभ प्रभात में गच्छाधिपति आचार्य श्री मणिप्रभ सूरी जी ने चतुर्विध संघ के साथ किला स्थित ज्ञान भंडार में विराजित जिनदत्त सूरि की प्रभावशाली चादर आदि वस्त्रों के दर्शन किए। तत्पश्चात जैन भवन, जैसलमेर में श्रद्धा एवं भक्ति भाव के साथ 80 से अधिक साधु–साध्वी एवं सैकड़ों श्रावक–श्राविकाओं ने जन्मोत्सव के उपलक्ष्य में भव्य वरघोड़े के साथ गच्छाधिपति आचार्य का भावपूर्ण स्वागत किया गया। बालिका मंडल एवं महिला मंडल द्वारा वंदना के साथ गुरुदेव को विधिवत सिंहासन पर विराजमान कराया गया। जन्मोत्सव की शुरुआत मंगलाचरण से हुई। इसके पश्चात कोमल गुलेचा की

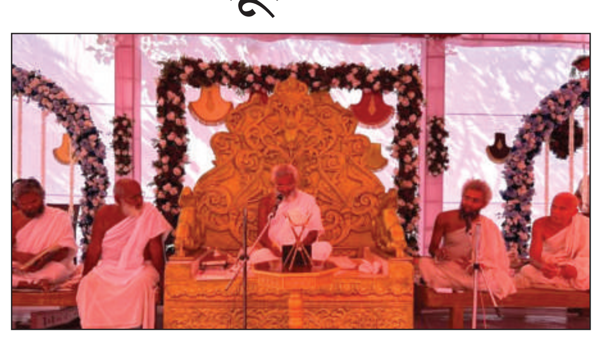

मधुर गायिकी से पूरा वातावरण संगीतमय और भक्तिमय हो उठा। छोटे बच्चों से लेकर वृद्ध भक्तों एवं वरिष्ठ साधु–साध्वियों ने गुरुदेव को जन्मदिवस की शुभकामनाएँ दीं और हर्ष व आनंद का भाव व्यक्त किया। बधावणा सभा का संचालन उपाध्याय मनितप्रभसागर ने किया। संचालन के साथ साथ उपाध्याय जी खरतरगच्छाधिपति के व्यक्तित्व की विशेषता व्यवहार, विवेक विद्या वैभव का वर्णन करते हुए बहुत ही रोचक और अनुकरणीय जानकारी दी। आज की सभा में सर्वप्रथम अध्यक्ष महेन्द्र सिंह भंसाली व मैनेजिंग ट्रस्टी श्री सुभाष बापना ने चादर महोत्सव की आमंत्रण पत्रिका गुरु भगवंतों को समर्पित की। चादर महोत्सव के सोंग का लांचिंग किया गया।इस सोंग को स्वर दिया है।

अध्यक्ष महेन्द्र सिंह भंसाली ने जन्मदिवस पर गुरुदेव का आशीर्वाद चाहते हुए निवेदन किया कि जैसलमेर में ज्ञानभंडार का बहुत सा काम करना है और संग्रहालय बनाने के 1997 के सपने को भी साकार करना है, अतः इस वर्ष जैसलमेर में उपाध्याय जी एवं गणि जी का चातुर्मास प्रदान करने की विनंती की। इस अवसर पर देवीकोट में बालिका परिषद का गठन करने की घोषणा की गई और वर्षा चोपड़ा को अध्यक्ष मनोनीत किया गया। अंत में गुरुदेव ने अपने प्रेरणादायी संबोधन में भविष्य को सुधारने वाली मां के प्रेम और शिक्षा देने वाले गुरु के उपकारों का स्मरण किया। जन्मदिन पर मिली बधाईओं को सावधान होने, जागरुक होने का लाल सिग्नल और मंजिल तक पहुंचने के लिए हरा सिग्नल बताया। पूरे आयोजन के दौरान भक्तों के चेहरों पर विशेष उल्लास और आनंद की झलक स्पष्ट रूप से दिखाई दी।

हवाई सेवा बंद होने से राजस्थान के लोग दुबई में फंसे, परिजनों ने सरकार से मांगी मदद

जयपुर, 02 मार्च (एजेंसियां)। ईरान पर इजरायल–अमेरिका के हवाई हमलों के बाद मध्य पूर्व में बढ़ते तनाव के बीच, खाड़ी क्षेत्र के कुछ हिस्सों के लिए उड़ान सेवाएं बाधित हो गई हैं। कई उड़ानें रद्द कर दी गई हैं, जिससे राजस्थान के कई लोग दुबई और अबू धाबी में फंस गए हैं। राजस्थान के डीग जिले से ज्योतिषियों का एक समूह 28 फरवरी को दुबई में एक ज्योतिष सम्मेलन में भाग लेने के लिए गया था। उन्हें 1 मार्च को भारत लौटना था, लेकिन अचानक हवाई क्षेत्र पर प्रतिबंध लगने के कारण उनकी उड़ानें रद्द हो गईं। फंसे हुए लोगों में डीग के ज्योतिषी रंगनाथ शर्मा भी शामिल हैं, जो दुबई में ही हैं। वहीं जयपुर से दुबई, अबू धाबी और शारजाह जाने वाली उड़ानें रद्द कर दी गई हैं। साथ ही, जयपुर हवाई अड्डे ने खाड़ी देशों की यात्रा करने वाले यात्रियों के लिए एक चेतावनी जारी की है।

अचानक हवाई क्षेत्र बंद होने के कारण उड़ानें रद्द होने से जोधपुर, कोटा और सीकर के 100 से अधिक छात्र और अन्य निवासी फंसे हुए हैं। कुछ यात्रियों ने बताया कि उड़ानें रद्द होने की घोषणा के बाद उन्हें हवाई अड्डे से पास के होटलों में पहुंचाया गया।कुछ फंसे हुए छात्रों ने दावा किया कि उन्होंने दुबई और अबू धाबी हवाई अड्डों के पास विस्फोटों की आवाज सुनाई दे रही है, जिससे हम लोगों को डर लग रहा है।दुबई के एकेडमी एजुकेशनल जोन में रह रहे कोटा के छात्र सिद्धार्थ जैन ने बताया कि उनके हॉस्टल के पास एक मिसाइल गिरी थी। उन्होंने अपने परिवार को तस्वीरें और वीडियो भेजे, जिनमें उन्होंने बताया कि रुक–रुक कर धमाकों की आवाजें सुनाई दे रही थीं।

भयंकर रूप से बढ़ रही बेरोजगारी ने युवाओं को विदेश जाने पर मजबूर कर दिया : दीपेन्द्र हुड्डा

चंडीगढ़, 02 मार्च (एजेंसियां)। सांसद दीपेन्द्र हुड्डा ने विगत 5 फरवरी को लोकसभा में नियम 377 के तहत रूस के युद्ध क्षेत्र में फंसे भारतीय युवाओं, खासकर छात्रों की सुरक्षित वतन वापसी की मांग की थी। इस पर विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने पत्र लिखकर सांसद दीपेन्द्र हुड्डा की चिंताओं को सही बताते हुए कहा कि अभी तक उपलब्ध जानकारी के अनुसार, 214 भारतीय नागरिकों के रूसी सेना में शामिल होने की खबर है। विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने माना कि नौकरी दिलाने के नाम पर भारतीय नागरिकों को गुमराह किया गया है।

सरकार ने 135 भारतीय नागरिकों को रूसी सेना के साथ साइन किए गए कॉन्ट्रैक्ट से छुटकारा दिलाकर इनकी सुरक्षित वतन वापसी में मदद की है। विदेश मंत्री ने यह भी माना कि लड़ाई के दौरान 29 भारतीय नागरिकों की जान जाने की खबर है। मॉस्को में भारतीय दूतावास मृतकों और घायलों के लिए मुआवज़े के दावे जमा करने में परिवारों को ज़रूरी मदद दे रहा है। भारत सरकार का विदेश मंत्रालय रूस में लापता बताए गए 14 लोगों का पता लगाने और बाकी 36 लोगों के स्टेटस अपडेट के लिए रूसी अधिकारियों के साथ लगातार बातचीत कर रहा है। विदेश मंत्रालय रूसी अधिकारियों के साथ मिलकर सभी लापता लोगों की उ्छ– रिपोर्ट शेयर करके उनका पता लगाने में परिवारों की मदद के साथ परिवारों को जरूरी सूचनाएं भी अपडेट करा रहा है। विदेश मंत्री ने पत्र के जरिए कुछ ऐसे मामलों की जानकारी होने की बात भी कही जहाँ जेल में सज़ा काट रहे भारतीय नागरिक अपनी मर्ज़ी से रूसी सेना में शामिल हो गए, ताकि उन्हें एक तय समय तक रूसी सेना में सेवा करने के बदले, जेल में बंद लोगों की सज़ा माफ़ करने के सरकारी आदेश का फ़ायदा मिल सके। कुछ लोग पहले से ज़्यादा साइनिंग अमाउंट, सैलरी और नागरिकता मिलने के लालच में आ गए हैं। भारत सरकार ने भारतीय नागरिकों को रूसी सेना में शामिल होने के किसी भी ऑफ़र पर ध्यान न देने की एडवाइज़री जारी की है और सभी भारतीय नागरिकों से रूस में नौकरी के मौके ढूंढते समय सावधानी बरतने की भी अपील की है। दीपेन्द्र हुड्डा ने कहा कि यह मामला भारतीय नागरिकों की सुरक्षा, सरकार की विदेश नीति, कूटनीतिक प्रभाव से सीधे जुड़ा है।

दीपेन्द्र हुड्डा ने कहा कि अनेक युवा तो ऐसे भी हैं जिन्हें या तो विदेशों में बंधक बना लिया गया है या एजेंटों ने धोखे से उन्हें विदेशी सेना में भर्ती करवाकर रूस–यूक्रेन में झोंक दिया है। अनेक युवा ऐसे भी हैं जिनका परिवार को कुछ अता–पता ही नहीं लग रहा है। कई महीनों से इन युवकों का परिवार से संपर्क नहीं हो पाया रहा है। उनकी चिंता में परेशान और गहरी पीड़ा झेल रहे परिवार के लोग राज्य सरकार से लेकर केंद्र सरकार तक गुहार लगा चुके हैं।

हरियाणा विधान सभा में होली मिलन समारोह का आयोजन

सेरेमोनियल गेट पर खेली फूलों की होली

चंडीगढ़, 02 मार्च (एजेंसियां)। हरियाणा विधान सभा में सोमवार को होली का पावन पर्व पारंपरिक हर्षोल्लास, रंगों और आपसी सौहार्द के साथ मनाया गया। बजट सत्र के दौरान मुख्य मंत्री नायब सिंह सैनी द्वारा बजट भाषण प्रस्तुत किए जाने के उपरांत, विधान सभा अध्यक्ष हरविन्द्र कल्याण मंत्रिपरिषद के सदस्यों, विधायकों, वरिष्ठ प्रशासनिक अधिकारियों तथा पत्रकारों के साथ सेरेमोनियल गेट पर पहुंचे, जहां फूलों की होली खेली गई। इस अवसर पर सभी जनप्रतिनिधियों ने एक–दूसरे पर पुष्पवर्षा कर होली की शुभकामनाएं दीं और सद्भावना का संदेश दिया। कार्यक्रम के दौरान कला एवं सांस्कृतिक कार्य विभाग द्वारा रंगारंग सांस्कृतिक प्रस्तुतियां दी गईं। लोक कलाकारों ने हरियाणवी लोकगीतों और पारंपरिक नृत्यों के माध्यम से वातावरण को उल्लासमय बना दिया। विधान सभा परिसर उत्सव के रंगों से सराबोर दिखाई दिया और मुख्यमंत्री सहित जनप्रतिनिधियों ने औपचारिक दायित्वों के बीच कुछ पल आपसी आत्मीयता के साथ बिताए। इस अवसर पर विधान सभा अध्यक्ष हरविन्द्र कल्याण ने कहा कि होली केवल रंगों का पर्व नहीं, बल्कि सामाजिक समरसता, भाईचारे और आपसी विश्वास का प्रतीक है। उन्होंने कहा कि लोकतांत्रिक संस्थाओं की मजबूती भी इसी भावना पर आधारित होती है, जहां मतभेदों के बावजूद संवाद, सहयोग और सम्मान की परंपरा कायम रहती है।उन्होंने कहा कि विधान सभा जनभावनाओं का प्रतिनिधित्व करने वाला सर्वोच्च मंच है, और यहां पर विभिन्न विचारधाराओं के लोग जनता की भलाई के लिए एकत्रित होते हैं। ऐसे में होली का यह पर्व हमें याद दिलाता है कि राजनीतिक मतभेद व्यक्तिगत संबंधों में दूरी का कारण नहीं बनने चाहिए। बल्कि विविधता में एकता ही लोकतंत्र की सबसे बड़ी ताकत है।

शुभ लाभ DAILY
खबरें जो सोच बदल दे
हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

करीमनगर में बंदरों के आतंक से निपटने के लिए सरपंचों ने लिया 'गोरिल्ला' वेशभूषा का सहारा

करीमनगर, 02 फरवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)। अविभाजित करीमनगर जिले के ग्रामीण क्षेत्रों में नवनिर्वाचित सरपंचों के लिए बंदरों और कुत्तों का आतंक एक बड़ी चुनौती बनकर उभरा है। इससे निपटने के लिए कई सरपंच अभिनव तरीके और तरकीबें अपना रहे हैं।

चूंकि गांवों में यह समस्या गंभीर है, इसलिए ग्राम पंचायत चुनावों से पहले वोट मांगने आए उम्मीदवारों से जनता ने इस पर कड़े सवाल किए थे। वोट हासिल करने के लिए उम्मीदवारों ने चुनाव के बाद कम समय में इन दोनों समस्याओं को हल करने का वादा किया था। कुछ ने तो चुनाव से पहले ही प्रशिक्षित बंदर पकड़ने वालों को तैनात कर दिया था। अब अपने चुनावी वादों को पूरा करने के लिए सरपंचों ने प्रयासों को तेज कर दिया है। जहाँ कुछ ने बंदर पकड़ने वालों को काम पर लगाया है, वहीं अधिकांश सरपंच ऐसे लोगों को तैनात कर रहे हैं जो गोरिल्ला मस्कट (वेशभूषा) पहनकर गांवों में घूमते हैं ताकि बंदरों को डराकर भगाया जा सके।शंकरपटनम मंडल के करीमपेट में यह प्रयोग सफल रहने के बाद, ग्राम पंचायत सदस्यों ने इसी काम के लिए एक और व्यक्ति को रखने का निर्णय लिया है। इसी तरह की पद्धति मंथनी ग्रामीण मंडल के गुंजापदुगु, थंगल्लापल्ली मंडल के मंडेपल्ली, गंभीरओपेट मंडल के नागमपेट और अन्य गांवों में भी लागू की जा रही है। नागमपेट में तो सरपंच मद्दुला नागीरेड्डी ने खुद गोरिल्ला की वेशभूषा पहनी और बंदरों को भगाने के लिए गांव के चक्कर लगाए।

हालाँकि इन प्रयासों से बंदरों से तो अस्थायी राहत मिली है, लेकिन सरपंचों को अभी तक आवारा कुत्तों की समस्या का स्थायी समाधान नहीं मिल पाया है। नागरकुरनूल, रंगारेड्डी और जगित्याल जैसे कुछ जिलों में आवारा कुत्तों को सामूहिक रूप से मारने की घटनाओं ने विवाद खड़ा कर दिया है, जहाँ कुत्तों को कथित तौर पर जहर दिया गया था। पशु कार्यकर्ताओं की शिकायतों के बाद पुलिस ने मामले दर्ज किए हैं।जगित्याल में पेगाडापल्ली पुलिस ने 22 जनवरी को बड़े पैमाने पर आवारा कुत्तों की हत्या के मामले में केस दर्ज किया है। पशु अधिकार कार्यकर्ताओं के अनुसार, पेगाडापल्ली में कई आवारा कुत्तों को जहरीले इंजेक्शन देकर मारा गया था।

खम्मम के दूरस्थ एजेंसी गांवों में दो कंटेनर अस्पताल स्थापित

खम्मम, 02 फरवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)।
जिले के दूरस्थ एजेंसी गांवों में रहने वाले लोगों को आपातकालीन चिकित्सा देखभाल सुनिश्चित करने के लिए 'प्री-फैब्रिकेटेड हेल्थ सब-सेंटर' के रूप में कार्य करने वाले दो कंटेनर अस्पताल स्थापित किए गए हैं।जिला वन विभाग और एकीकृत जनजातीय विकास प्राधिकरण (ITDA), भद्राचलम ने मिलकर इन कंटेनर अस्पतालों को सिंगरेनी मंडल के रेलाकायालापल्ली गांव (सिंगरेनी पीएचसी के तहत) और सथुपल्ली के चंद्रैयापालेम गांव (गंगाराम पीएचसी के तहत) में स्थापित किया है।जिला वन अधिकारी सिद्धार्थ विक्रम सिंह ने बताया कि इन अस्पतालों की स्थापना तेलंगाना वन विकास निगम लिमिटेड के फंड से की गई है। इन सुविधाओं के लिए आवश्यक आपातकालीन चिकित्सा उपकरण और फर्नीचर भी सौंप दिए गए हैं।'तेलंगाना टुडे' से बात करते हुए, कारेपल्ली पीएचसी के चिकित्सा अधिकारी डॉ. सुरेश ने कहा कि संबंधित पीएचसी से सहायक नर्स मिडवाइफ (ANM), मिड-लेवल हेल्थ प्रोवाइडर (MLHP) और आशा कार्यकर्ता सप्ताह में दो बार ग्रामीणों के लिए उपलब्ध रहेंगे। चूंकि ये बस्तियां पीएचसी से काफी दूर स्थित हैं, इसलिए ये कंटेनर अस्पताल ग्रामीणों को समय पर प्राथमिक स्वास्थ्य सेवा प्राप्त करने में मदद करेंगे। उन्होंने कहा कि नियमित स्वास्थ्य सेवाओं के अलावा, इन केंद्रों पर स्थानीय लोगों के लिए टीकाकरण गतिविधियां भी चलाई जाएंगी।गौरतलब है कि इसी तरह की सुविधाएं आईटीडीए द्वारा कोठागुडेम जिले के अस्वाराअ-ापेट मंडल के अल्लापल्ली, गुंडाला, पर्णशाला और विनायकपुरम के साथ-साथ मुलुगु जिले के तडवई मंडल की बंधला ग्राम पंचायत के पोचारम में भी स्थापित की गई हैं।

मंचेरियल में टीजीएमसी, एचआरडीए और आईएमए द्वारा एक दिवसीय सीपीडी कार्यक्रम आयोजित

मंचेरियल, 02 मार्च (शुभ लाभ ब्यूरो)। तेलंगाना राज्य चिकित्सा परिषद (टीजीएमसी), इंडियन मेडिकल एसोसिएशन (आईएमए) और हेल्थ रिफॉर्म्स डॉक्टर्स एसोसिएशन (एचआरडीए) द्वारा रविवार को यहाँ एक फंक्शन हॉल में संयुक्त रूप से एक दिवसीय सतत व्यावसायिक विकास (सीपीडी)-2026 कार्यक्रम आयोजित किया गया। टीजीएमसी के अध्यक्ष के. महेश इस कार्यक्रम के मुख्य अतिथि थे।विशेषज्ञ वक्ताओं ने विभिन्न विषयों के डॉक्टरों के बीच नवीनतम चिकित्सा ज्ञान और कौशल के प्रति जागरूकता पैदा की। टीजीएमसी सदस्यों, जिला चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी अनीता और सरकारी सामान्य अस्पताल मंचिर्याल के अधीक्षक ने झोलाछाप डॉक्टरों , अनैतिक चिकित्सा पद्धतियों और पेशेवर कदाचार को रोकने के तरीकों पर चर्चा की।डॉ. महेश ने झोलाछाप डॉक्टरों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की चेतावनी दी और चिकित्सा क्षेत्र में नैतिक मूल्यों और रोगियों के अधिकारों की रक्षा करने की आवश्यकता पर जोर दिया। आयोजकों ने बताया कि यह आयोजन तेलंगाना में पहली बार सीपीडी में अंकों की ऑनलाइन प्रणाली की शुरुआत का प्रतीक है।

रामागुंडम पुलिस कमिश्नरेट में सिटी पुलिस एक्ट लागू होगा : पुलिस कमिश्नर अंबर किशोर झा

मंचेरियाल, 02 मार्च (शुभ लाभ ब्यूरो) । आम लोगों, खासकर महिलाओं को होने वाली कठिनाइयों को ध्यान में रखते हुए, रामागुंडम पुलिस कमिश्नर अंबर किशोर झा ने कहा कि रामागुंडम पुलिस कमिश्नरेट के तहत मंचेरियाल और पेद्दापल्ली ज़ोन में सार्वजनिक जगहों पर शराब पीने पर प्रतिबंध जारी रखा जा रहा है।

उन्होंने कहा कि यह फैसला कई शिकायतों के बाद लिया गया है, जहां कुछ लोग सार्वजनिक स्थानों पर शराब पीकर असामाजिक कार्यों में लिप्त हो रहे थे। कमिश्नर ने उल्लेख किया कि नशे में सड़कों और गलियों में अभद्र व्यवहार करने से लोगों को काफी परेशानी हो रही है, और ये रोक के आदेश लोगों की सुरक्षा को देखते हुए लगाए गए हैं।

यह भी जानकारी दी गई कि रोक के आदेश 01 मार्च से 01 अप्रैल तक लागू रहेंगे, और हालात के अनुसार इस समय को बढ़ाया भी जा सकता है।

कमिश्नर ने चेतावनी दी कि इंडियन पीनल कोड की धारा 223 और हैदराबाद सिटी पुलिस एक्ट, 1348 फसली के अंतर्गत रोक का उल्लंघन करने वालों के खिलाफ कानूनी कार्रवाई की जाएगी। इसके अलावा, रामागुंडम पुलिस कमिश्नरेट के तहत डीजे साउंड के इस्तेमाल पर लगाई गई रोक को भी बढ़ा दिया गया है।

इस बात पर जोर देते हुए कहा गया कि बच्चों, बुज़ुर्गों, मरीज़ों और छात्रों की पढ़ाई में रुकावट न आए और ध्वनि प्रदूषण को रोकने के लिए तेज़ डीजे साउंड के इस्तेमाल पर बैन लगाया गया है।

कमिश्नर ने यह साफ किया कि रामागुंडम कमिश्नरेट में कोई भी धरना, रैली, रोडब्लॉक, मीटिंग या जमावड़ा नहीं किया जाना चाहिए। ऐसे प्रोग्राम करने के लिए पुलिस अधिकारियों से पहले अनुमति लेना आवश्यक है।

इसके साथ ही, बंद के नाम पर संस्थानों और कार्यालयों को ज़बरदस्ती बंद कराने या उन्हें धमकी देने वालों के खिलाफ कानूनी कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने सभी लोगों से कानून-व्यवस्था बनाए रखने में पुलिस विभाग के साथ सहयोग करने की अपील की।

हिंदी विश्वविद्यालय में विकसित भारत युवा संसद आयोजित

वर्धा, 02 मार्च (शुभ लाभ ब्यूरो)।
महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय में 27 फरवरी को विकसित भारत युवा संसद का आयोजन किया गया। इस अवसर पर 'आपातकाल के 50 वर्ष भारतीय लोकतंत्र के लिए एक सबक विषय पर विद्यार्थियों के लिए ग़ालिब सभागार में भाषण प्रतियोगिता रखी गई। प्रतियोगिता में प्रथम स्थान जनसंचार, परास्नातक की विद्यार्थी वेदिका मिश्रा ने प्राप्त किया। द्वितीय स्थान विश्वविद्यालय के बीएड के विद्यार्थी देवब्रत दुबे ने, तृतीय स्थान नागपूर इन्स्टिट्यूट ऑफ टेक्नॉलॉजी, नागपूर के सिव्हिल इंजीनिअरिंग के विद्यार्थी अभि थुटे ने, चतुर्थ स्थान इंद्रप्रस्थ न्यू आर्ट्स, कॉमर्स एंड साइंस कॉलेज, वर्धा की एमएससी रसायन विज्ञान, द्वितीय वर्ष की छात्रा मुस्कान बानो रशीद अली ने तथा पंचम स्थान विश्वविद्यालय के जनसंचार, परास्नातक की छात्रा श्रेया पटेल ने प्राप्त किया। महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय, वर्धा में संपन्न इस जिलास्तरीय प्रतियोगिता के बाद इन 5 विद्यार्थियों का चयन राज्यस्तर के लिए किया गया जिसका आयोजन मुंबई में मार्च महीने में किया जाएगा। प्रतियोगिता में निर्णायक की भूमिका डॉ. गौरी शर्मा, डॉ. अभिषेक सिंह एवं डॉ. कोमल कुमार परदेसी ने निभाई।इस अवसर पर साहित्य विद्यापीठ के एसोसिएट प्रोफेसर डॉ. अशोक नाथ त्रिपाठी, राष्ट्रीय सेवा योजना विश्वविद्यालय इकाई के संयोजक डॉ. बालाजी चिरडे, कार्यक्रम अधिकारी डॉ. हेमचंद्र ससाने, डॉ. विधु खरे दास सहित मेरा युवा भारत वर्धा के उप निदेशक शिवधन शर्मा की उपस्थिति रही।

जगित्याल के मोथकुरावपेट जंगल में बाघ की हलचल की सूचना

जगित्याल, 02 मार्च (शुभ लाभ ब्यूरो) ।
पिछले कुछ दिनों से भीमराम मंडल के मोथकुरावपेट वन क्षेत्र में एक बाघ विचरण कर रहा है। क्षेत्र में पगमार्क (पदचिह्नों) की जांच के बाद अधिकारियों ने बाघ की मौजूदगी की पुष्टि की है।

यह जंगली जानवर, जो लगभग एक सप्ताह पहले इलाके में आया था, शनिवार रात फिर से दिखाई दिया और उसने तीन बैलों पर हमला कर दिया। 21 फरवरी को, किसानों ने अपने कृषि क्षेत्रों के पास बाघ के पगमार्क देखे थे और वन अधिकारियों को सूचित किया था। बंदगुट्टा और मैसम्मा मंदिर क्षेत्रों के पास भी पगमार्क पाए गए थे। अधिकारियों के अनुसार, एक सप्ताह के बाद यह फिर से मोथकुरावपेट गांव के बाहरी इलाके में दिखा और बैलों पर हमला किया, लेकिन बड़ी संख्या में मवेशियों के शोर मचाने के कारण वह भाग गया।

वन अधिकारियों ने पगमार्क और बैलों पर चोटों के निशान की जांच के बाद बाघ की आवाजाही की पुष्टि की है। इससे पहले, राजन्ना-सिरसिला जिले में भी इसकी हलचल दर्ज की गई थी। 16 फरवरी की रात को, बाघ ने इल्लंतकुंटा मंडल में थिप्पापुर की पहाड़ियों के पास चार बछड़ों पर हमला किया था, जिनमें से तीन की मौत हो गई और एक गंभीर रूप से घायल हो गया। उस घटना से एक सप्ताह पहले, उसने पेदालिंगापुर गांव के पास भी मवेशियों को मार डाला था।

वन अधिकारी लगातार तलाशी अभियान चला रहे हैं और बाघ की गतिविधियों पर नजर रखने के लिए ट्रैप कैमरे लगाए गए हैं।

बालका सुमन की हिरासत याचिका पर मंचेरियल अदालत ने 5 मार्च तक सुनवाई टाली

मंचेरियल, 02 मार्च (शुभ लाभ ब्यूरो)।
जिला प्रधान न्यायालय ने बीआरएस जिला अध्यक्ष बालका सुमन की पूछताछ के लिए पुलिस हिरासत मांगने वाली याचिका पर सुनवाई 5 मार्च तक के लिए टाल दी है।जिला प्रधान न्यायालय के कनिष्ठ दीवानी न्यायाधीश (जूनियर सिविल जज) ए. निर्मल ने हिरासत याचिका पर सुनवाई गुरुवार तक के लिए स्थगित कर दी। अदालत उस याचिका पर विचार कर रही थी जो पुलिस द्वारा सुमन की हिरासत के संबंध में दायर की गई थी। यह मामला हाल ही में क्याथनपल्ली में श्रम मंत्री डॉ. जी. विवेक के काफिले पर कथित हमले, दंगा करने, गैरकानूनी रूप से इकट्ठा होने और एक एसआई (डख) के कार्यों में बाधा डालने के आरोप में दर्ज किया गया था।शुक्रवार को अदालत ने पुलिस द्वारा दायर हिरासत याचिका को खारिज

कर दिया था। अदालत ने फिर से पुलिस हिरासत देने के खिलाफ अपनी राय व्यक्त की थी, क्योंकि पूछताछ पूरी होने के बाद उन्हें न्यायिक रिमांड पर भेज दिया गया था। अदालत ने यह भी उल्लेख किया कि जिस पुलिस अधिकारी ने सुमन के खिलाफ मामला दर्ज किया था, उसे ही जांच अधिकारी नियुक्त किया गया था। सुमन और छह अन्य नेताओं को पहले ही गिरफ्तार किया जा चुका है और वे 18 फरवरी से आदिलाबाद शहर की जेल में बंद हैं।

हालाँकि, पुलिस ने शनिवार को एक नई याचिका दायर की, जिसे अब 5 मार्च के लिए सूचीबद्ध किया गया है। पुलिस द्वारा लगातार याचिकाएं दायर करने के कदम पर बीआरएस कार्यकर्ताओं ने कड़ा रोष व्यक्त किया है। उन्होंने आरोप लगाया कि हाल के नगर निकाय चुनावों में क्याथनपल्ली नगर पालिका में बीआरएस की जीत की रणनीति बनाने के बाद राज्य सरकार जानबूझकर सुमन को परेशान कर रही है।

सिंचाई के पानी की मांग को लेकर सिद्दीपेट में बीआरएस कार्यकर्ताओं का रास्ता-रोको

सिद्दीपेट, 02 मार्च (शुभ लाभ ब्यूरो) । नारायणरावपेट मंडल के बीआरएस (इठड) कार्यकर्ताओं ने सोमवार को सिद्दीपेट-मुस्तबाद मार्ग पर लक्ष्मीदेवीपल्ली में रास्ता-रोको प्रदर्शन किया। कार्यकर्ताओं की मांग है कि सरकार मंडल के धान के खेतों के लिए सिंचाई का पानी तुरंत जारी करे।

चूंकि मंडल के अधिकांश हिस्सों को रंगनयका सागर और मल्लन्ना सागर से सिंचाई का पानी नहीं मिल रहा है, इसलिए बीआरएस कार्यकर्ताओं ने सरकार का ध्यान आकर्षित करने के लिए यह विरोध प्रदर्शन किया। इस प्रदर्शन में मंडल भर के कई किसान भी शामिल हुए। किसानों ने मांग की कि दोनों जलाशयों के तहत लंबित नहरों की खुदाई का काम पूरा किया जाए ताकि अंतिम छोर (ींरळश्र-शपव) के खेतों तक पानी पहुंच सके।

उन्होंने मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी से 'रैतु भरोसा' की यासंगी (रबी) किस्त बिना किसी देरी के जारी करने का भी आग्रह किया।

बीआरएस नेताओं ने कहा कि कृषि क्षेत्रों में बिजली की अनियमित आपूर्ति के कारण फसलें सूख रही हैं। उन्होंने कृषि क्षेत्र के लिए चौबीसों घंटे निर्बाध बिजली आपूर्ति की मांग की। नेताओं ने याद दिलाया कि बीआरएस सरकार ने अपने 10 साल के शासन के दौरान किसानों के कल्याण के लिए हर संभव प्रयास किए थे।

मदनूर में आधार केंद्र का उद्घाटन

मदनूर 2 मार्च (शुभ लाभ ब्यूरो) । सोमवार के दिन कामारेड्डी जिले के मदनूर मंडल केंद्र में तहसीलदार एमडी. मुजीब ने तहसीलदार कार्यालय परिसर में आधार केंद्र का उद्घाटन किया। इस अवसर पर बोलते हुए उन्होंने मंडल के गांवों के लोगों को नए आधार कार्ड बनवाने, आधार में बदलाव करवाने, आधार में नाम बदलवाने, मोबाइल लिंक करवाने और अन्य सेवाओं का लाभ उठाने का सुझाव दिया।

कार्यक्रम में वार्ड सुनील नरलावार, कार्यालय के अधिकारी और कर्मचारी तथा अन्य लोग उपस्थित थे।

तहसीलदार मुजीब ने बताया कि आधार कार्ड एक महत्वपूर्ण दस्तावेज है, जो नागरिकों को विभिन्न सरकारी योजन-ाओं का लाभ लेने में मदद करता है। उन्होंने सभी से आग्रह किया कि वे इस नई सुविधा का अधिक से अधिक लाभ उठाएं और सुनिश्चित करें कि उनकी जानकारी अपडेट रहे।

इस उद्घाटन के साथ ही क्षेत्र के निवासियों को आधार सेवाओं के लिए एक सुविधाजनक और सुलभ केंद्र प्राप्त हो गया है, जिससे उन्हें अपने दस्तावेजों में परिवर्तन करने में आसानी होगी।

मेदक के जीदीपाल्ली गांव के पास आवारा कुत्तों के हमले में चीतल घायल

मेदक, 02 मार्च (शुभ लाभ ब्यूरो)। सोमवार को मनोहरबाद मंडल के जीदीपाल्ली गांव के पास जंगल की सीमा पर एक चीतल (चित्तीदार हिरण), जो गलती से जंगल से बाहर निकल आया था, आवारा कुत्तों के हमले में घायल हो गया।

स्थानीय किसानों ने चीतल को आवारा कुत्तों से बचाया और वन अधिकारियों को सूचित किया। उन्होंने घायल वन्यजीव को पीने का पानी भी पिलाया। चूंकि हिरण काफी घबराया हुआ था, इसलिए उसे और अधिक चोट लगने से बचाने के लिए किसानों ने उसके दो पैर बांध दिए और उसे वन अधिकारियों को सौंप दिया।

अधिकारियों ने बताया कि चीतल की चोटों का उपचार करने के बाद उसे वापस जंगल में छोड़ दिया जाएगा।

मध्यपूर्व में जारी संघर्ष के कारण स्वदेश नहीं लौट पा रही जिम्बाब्वे टीम

मुम्बई, 02 मार्च (एजेंसियां)।

खाड़ी देशों में जारी संघर्ष के कारण जिम्बाब्वे की टीम टी20 विश्वकप क्रिकेट टूर्नामेंट से बाहर होने के बाद भी भारत में ही फंसी हुई है। जिम्बाब्वे की टीम दुबई हवाई अड्डे के बंद होने के बाद से ही स्वदेश वापसी की योजना पर अपने क्रिकेट बोर्ड के अगले आदेश का इंतजार कर रही है।

जिम्बाब्वे की टीम रविवार को सुपर आठ चरण के अपने अंतिम मैच में दक्षिण अफ्रीका से हार के बाद से ही स्वदेश लौटने की तैयारी में लगी थी पर अचानक ही अमेरिका और इजरायल के ईरान पर हमले के बाद से ही खाड़ी देशों से सभी उड़ाने बाधित हो गयीं। टीम के अधिकांश खिलाड़ी सोमवार सुबह से दिल्ली से तीन अलग-अलग चरणों में रवाना होने वाले थे पर ये संभव नहीं हुआ। टीम के मुख्य कोच जस्टिन सैमन्स ने बताया कि अभी वापसी को टाल दिया गया है अभी हम इंतजार की रणनीति पर काम कर रहे हैं।

वहीं जिम्बाब्वे के आलराउंडर ग्रीम क्रीमर दुबई में रहते हैं और मध्य पूर्व के प्रमुख हवाई अड्डों के हवाई क्षेत्र बंद होने के बाद उनकी यात्रा योजना भी अभी टल गई है। टीम के अन्य खिलाड़ियों को दुबई से आगे की उड़ान लेनी थी। मुख्य कोच सैमन्स ने कहा, खिलाड़ियों के लिए इस तरह की स्थिति की अनदेखी करना कठिन है लेकिन फिर भी सबका ध्यान रविवार को मैच के दौरान खेल पर ही था। उन्होंने मौजूदा स्थिति से खेल के प्रभावित होने के बारे में पूछे जाने पर कहा, सबके दिमाग में यह था कि उन्हें सोमवार को घर के लिए निकलना है। टीम के अंदर इस पर बात हो रही थी पर मैदान पर कदम रखते समय उनका पूरा ध्यान मैच पर ही था। सैमन्स ने कहा कि रविवार को टीम को कोई नई जानकारी नहीं दी गई है। उन्होंने कहा, जब हमने मैच शुरू किया था, तब कोई जानकारी नहीं थी। उसके बाद पूरा ध्यान खेल पर रहा। तब से मुझे कोई जानकारी नहीं मिली है।

दुबई हवाई अड्डा बंद होने के कारण खिलाड़ियों और सहयोगी स्टाफ के लिए अब अदीस अबाबा स्थित इथोपियाई एयरलाइंस के जरिए स्वदेश लौटने का विकल्प है। वहीं अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) ने भी कहा है कि टी20 विश्व कप से लौट रहे खिलाड़ियों और अधिकारियों के लिए वैकल्पिक उड़ानों की व्यवस्था कर रही है। यह कदम अमेरिका और ईरान के बीच संघर्ष के कारण उड़ाने बंद होने के कारण उठाया गया है। हमलों के बाद उत्पन्न व्यवधान को देखते हुए उठाया जा रहा है।

वहीं दक्षिण अफ्रीका की टीम सेमीफाइनल में पहुंची है और उसके दिमाग में भी वापसी को लेकर संशय है। टीम के मुख्य कोच शुक्री कानराड ने कहा कि पश्चिम एशिया में संघर्ष की स्थिति खिलाड़ियों के बीच चर्चा का विषय रहा है।

न्यूज ब्रीफ

सैमसन की प्रशंसा करते हुए गंभीर बोले, हमेशा से उसकी क्षमताओं का अंदाजा था

कोलकाता। भारतीय क्रिकेट टीम के मुख्य कोच गौतम गंभीर ने तीसरे सुपर-8 मुकाबले में शानदार पारी खेलने वाले बल्लेबाज संजू सैमसन की जमकर प्रशंसा की है। साथ ही कहा वह हमेशा से उसकी क्षमता जानते थे। गंभीर के अनुसार कहते हैं कि सब्र का फल मीठा होता है और यही उसे मिला है। सैमसन को न्यूजीलैंड के खिलाफ सीरीज में खराब प्रदर्शन के कारण विश्वकप के शुरुआती मैच के लिए टीम में जगह नहीं मिली थी। न्यूजीलैंड के खिलाफ उस सीरीज में सैमसन एक बार भी 30 रन तक नहीं पहुंच पाये थे, वहीं एक बार वह शून्य पर ही आउट हुए थे। इसके अलावा गोल्डन डक के साथ वह कुल 3 बार दो अंकों तक भी नहीं पहुंच पाये थे। गंभीर ने कहा, संजू एक विश्व स्तरीय खिलाड़ी है, सही जानते हैं कि वह कितना अच्छा खिलाड़ी है। टीम को जब उसकी सबसे ज्यादा जरूरत थी, तो उससे अपने को साबित किया। वेस्टइंडीज के खिलाफ मैच में उसकी क्षमताएं सामने आई हैं। उम्मीद है, यह उसके लिए बेहतर प्रदर्शन का समय है और आगे के दो और गेम में भी रहेगा। उसने वेस्टइंडीज के खिलाफ पारी में कभी भी तेज खेलने का प्रयास नहीं किया। केवल सामान्य शाट ही लगाये। मैंने उसे कभी बाल को ताकत से मारते हुए भी नहीं देखा, और उसमें इसी तरह की प्रतिभा है। जब आपको पता होता है कि गेम आपके नियंत्रण में है और आप जानते हैं कि आप अच्छा महसूस कर रहे हैं, तो मनोबल बढ़ा रहता है। वह नेट्स में भी गेंद को बहुत अच्छी तरह से खेल कर रहा है और अब उसने मैदान में उसी क्षमता को दिखाया है। उसे पता था कि विकेट बहुत अच्छा था, आउटफील्ड भी तेज थी, मैंने हमेशा कहा है कि वह एक शीर्ष स्तर का खिलाड़ी है, वह एक शानदार प्रतिभा है, उम्मीद है कि हम संजू से ऐसी और भी पारियों की उम्मीद करेंगे। हैं गंभीर ने कहा, लोग उसके स्कोर और बाकी चीजें देखते रहेंगे परन्तु टीम में वापसी करते हुए 23 और 24 की उस तरह की उन पारियों से उसे आत्मविश्वास मिला होगा। सभी जानते हैं कि न्यूजीलैंड के खिलाफ खेलना किसी के लिए भी आसान नहीं रहा था।

बाबर के बचाव में उतरे पुजारा

मुम्बई । भारतीय टेस्ट टीम के बल्लेबाज रहे चेतेश्वर पुजारा ने कहा है टी20 विश्वकप में पाकिस्तान के खराब प्रदर्शन के लिए केवल अनुभवी बल्लेबाज बाबर आजम को ही दोष देना सही नहीं हैं। पुजारा के अनुसार टीम प्रबंधन को बाबर के साथ स्पष्ट रुप से बातचीत कर बताना चाहिये कि टीम उनसे क्या चाहती है। पुजारा ने कहा कि अगर बाबर टीम की भविष्य की योजनाओं में फिट नहीं बैठते हैं, तो उन्हें यह बात स्पष्ट रुप से बता देनी चाहिये। उनके अनुसार, केवल एक खिलाड़ी से ही परिणाम प्रभावित नहीं होता, विफलता के लिए पूरी टीम जिम्मेदार होती है।पुजारा ने कहा कि पाक टीम के खराब प्रदर्शन का कारण मध्यक्रम की विफलता है। वहीं बाबर को इस टूर्नामेंट में मध्यक्रम में उतारा गया और वह रन नहीं बना पाये। उनके आउट होने से टीम का मध्यक्रम लगातार दबाव में दिखा, जिससे पाकिस्तान की बल्लेबाज ढ़हती दिखी।बाबर ने इस टूर्नामेंट में 6 मैच खेले और 4 पारियों में 91 रन बनाए। उनका औसत 22.75 और स्ट्राइक रेट 112.34 रहा। उनका सबसे अधिक स्कोर 46 रन रहा। ये उन्होंने अमेरिका के खिलाफ बनाया था। भारत के खिलाफ वह एक रन ही बना पाये।

बीसीसीआई ने भारतीय टीम की जीत के बाद का विडियो जारी किया

कोलकाता। संजू सैमसन की नाबाद अर्धशतकीय पारी से भारतीय क्रिकेट टीम ने टी20 विश्वकप के तीसरे और अंतिम सुपर-8 मैच में वेस्टइंडीज को पांच विकेट से हराकर सेमीफाइनल में प्रवेश किया। भारतीय टीम की जीत के बाद सैमसन ने ड्रेसिंग रूम में पहुंचते ही सबसे पहले घुटने टेककर और हाथ जोड़कर ईश्वर को याद किया। इस मैच में भारतीय टीम को जीत के लिए 196 रनों का कठिन लक्ष्य मिला था जिसे भारतीय टीम ने सैमसन की 97 रनों की पारी से हासिल कर लिया। सैमसन ने अपने करियर की सबसे अच्छी पारियों में से एक खेलकर एक बार फिर अपनी क्षमताएं दिखायी हैं। भारतीय टीम की जीत के बाद क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) ने एक वीडियो भी सोशल मीडिया में जारी किया है जिसमें भारतीय टीम की जीत के बाद के पलों को दिखाया गया है। इस वीडियो में दिख रह है कि सैमसन के विजयी शाट लगाते ही डगआउट में मौजूद सभी खिलाड़ी खुशी से झूम उठते हैं। इसके बाद सलामी बल्लेबाज अभिषेक शर्मा मैदान पर दौड़ लगाते हैं। कप्तान सूर्यकुमार यादव टीम टीम के साथ मैदान में उतरते हैं और सैमसन से मिलते हैं। इसके बाद बाकी खिलाड़ी भी उनसे मिलते हैं। वीडियो के अंत में नजर आता है कि ड्रेसिंग रूम में पहुंचते ही सैमसन अपनी किट के आगे घुटने टेकते हैं और फिर हाथ जोड़कर ऊपर वाले का आभार जताते हैं।

एमएलएस : मेसी के दो गोल की बदौलत इंटर मियामी ने आरलैंडो सिटी को 3-2 से हराया

आरलैंडो, 02 मार्च (एजेंसियां)।

फ्लोरिडा डर्बी में स्टार फुटबालर लियोनेल मेसी ने शानदार प्रदर्शन करते हुए दो गोल दागे और अपनी टीम इंटर मियामी को मेजर लीग साकर (एमएलएस) में 10 खिलाड़ियों तक सिमटी आरलैंडो सिटी पर 3-2 से रोमांचक जीत दिलाई। मुकाबला रविवार को आरलैंडो के इंटरएंडको स्टेडियम में खेला गया। मैच की शुरुआत में आरलैंडो सिटी ने आक्रामक खेल दिखाया। पहले हाफ में मार्को पासालिक और मार्टिन ओहेडा ने छह मिनट के भीतर गोल दागकर मेजबान टीम को बढ़त दिला दी।

दूसरे हाफ में इंटर मियामी ने रणनीति में बदलाव किया और फुल-बैक नोआ एलेन की जगह माटेओ सिलवेट्टी को मैदान पर उतारा। यह बदलाव तुरंत असरदार साबित हुआ। मैदान पर आने के चार मिनट के भीतर सिलवेट्टी ने टेलास्को सेगोविया के पास पर गोल कर टीम को मुकाबले में वापस ला दिया।

इसके बाद सेगोविया ने एक और शानदार मूव तैयार किया और आठ मिनट बाद मेसी को असिस्ट दिया। मेसी ने बाक्स के बाहर से बेहतरीन शाट लगाते हुए 2026 सीजन में अपना पहला लीग गोल दागा और स्कोर बराबर कर दिया।

मैच के 85वें मिनट में मेसी ने सेगोविया को पास दिया, जिन्होंने कर्लिंग शाट के जरिए गोल कर मियामी को बढ़त दिला दी और टीम की वापसी पूरी की।

इंजरी टाइम में आरलैंडो की मुश्किलें और बढ़ गईं जब कालिन गुस्के ने मेसी पर फाउल किया और दूसरा येलो कार्ड मिलने के बाद उन्हें मैदान से बाहर जाना पड़ा। इससे आरलैंडो सिटी 10 खिलाड़ियों तक सिमट गया।

इसके बाद मेसी ने फ्री-किक पर शानदार गोल कर इंटर मियामी की जीत पक्की कर दी। इस जीत के साथ इंटर मियामी ने आरलैंडो सिटी के खिलाफ सभी प्रतियोगिताओं में अपनी पहली जीत दर्ज की।

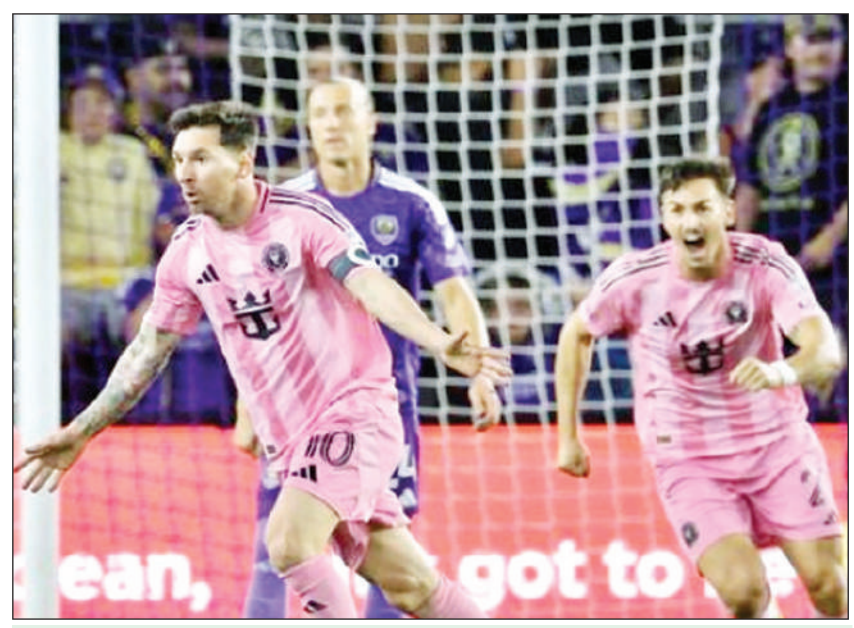

अमेरिका-इज़राइल के हवाई हमलों के बीच ईरान से सुरक्षित निकले पूर्व बार्सिलोना स्टार मुनिर

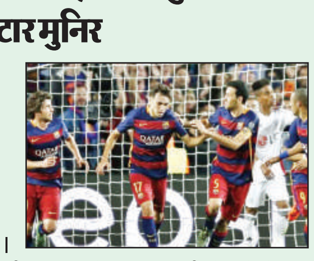

नई दिल्ली। पूर्व बार्सिलोना स्टार मुनिर एल हद्दादी ने पुष्टि की है कि अमेरिका और इज़राइल द्वारा ईरान पर किए गए हवाई हमलों के बीच वह सुरक्षित रूप से देश छोड़कर निकल चुके हैं। मोरक्को के फारवर्ड मुनिर एल हद्दादी ने इंस्टाग्राम स्टोरी पर स्पेनिश में लिखा, ईरान में मेरी स्थिति को लेकर आपके संदेशों और चिंता के लिए मैं सभी का धन्यवाद करता हूं। कल देश को हवाई मार्ग से छोड़ने की योजना थी, लेकिन अंत में हमें विमान से उतार दिया गया और उड़ान नहीं भर सके। मुनिर एल हद्दादी सितंबर 2025 में स्पेनिश क्लब सीडी लेगानेस से ईरानी क्लब एस्तेग़लाल एफसी से जुड़े थे। उन्होंने बताया कि मौजूदा क्लब ने उनकी सुरक्षित निकासी की व्यवस्था की। उन्होंने लिखा, क्लब ने मुझे सड़क मार्ग से देश छोड़ने के लिए कार उपलब्ध कराई, जिसकी मदद से मैं बिना किसी समस्या के सीमा पार कर सका। फिलहाल मैं तुर्की में सुरक्षित हूं और अगले कुछ घंटों में स्पेन पहुंच जाऊंगा। आप सभी की दयालुता के लिए धन्यवाद। ला मासिया अकादमी से निकले मुनिर एल हद्दादी ने एफसी बार्सिलोना के लिए चार सत्र खेले। इस दौरान उन्होंने तीन ला लीगा खिताब और 2015 में यूईएफए चैंपियंस लीग का खिताब जीता। मध्य-पूर्व क्षेत्र में शनिवार से तनाव चरम पर है, जब संयुक्त राज्य अमेरिका और इज़राइल ने ईरान पर हवाई हमले शुरू किए।

अफगानिस्तान के भारत दौरे का कार्यक्रम घोषित, जून में न्यू चंडीगढ़ करेगा पहले टेस्ट की मेजबानी

नई दिल्ली, 02 मार्च (एजेंसियां)।

भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) ने सोमवार को अफगानिस्तान के भारत दौरे के कार्यक्रम की घोषणा कर दी है। न्यू चंडीगढ़ का मैदान जून में एक ऐतिहासिक पल का गवाह बनने जा रहा है। यह मैदान 6 से 10 जून के बीच भारत और अफगानिस्तान के बीच खेले जाने वाले एकमात्र टेस्ट मैच की मेजबानी करेगा।

इसके साथ ही न्यू चंडीगढ़ भारत का 31वां टेस्ट वेन्यू बन जाएगा। यह मुकाबला अफगानिस्तान के भारत दौरे का हिस्सा होगा। अब तक इस मैदान पर आईपीएल मैच, एक पुरुष टी-20 अंतरराष्ट्रीय और कुछ महिला वनडे मुकाबले खेले जा चुके हैं, लेकिन यह पहला अवसर होगा जब यहां पांच दिवसीय टेस्ट मैच आयोजित किया जाएगा।

मैच की शुरुआत प्रतिदिन सुबह 9:30 बजे (भारतीय समयानुसार) होगी। अफगानिस्तान का यह दौरा केवल टेस्ट मैच तक सीमित नहीं रहेगा। टेस्ट के बाद दोनों टीमों के बीच तीन मैचों की वनडे सीरीज भी खेली जाएगी। पहला वनडे 14 जून 2026 को धर्मशाला में, दूसरा 17 जून को लखनऊ में और तीसरा 20 जून को चेन्नई में आयोजित होगा। तीनों वनडे मुकाबले दोपहर 1:30 बजे से शुरू होंगे। अफगानिस्तान ने आखिरी बार भारत में 2024 में द्विपक्षीय सीरीज खेली थी, जो तीन मैचों की टी-20 अंतरराष्ट्रीय श्रृंखला थी। भारत में दोनों टीमों के बीच अब तक केवल एक टेस्ट मैच खेला गया है, जो 2018 में बेंगलुरु के एम. चिन्नास्वामी स्टेडियम में आयोजित हुआ था।

अफगानिस्तान का भारत दौरा कार्यक्रम:

- एकमात्र टेस्ट: 6-10 जून, न्यू चंडीगढ़ - सुबह 9:30 बजे
- पहला वनडे: 14 जून, धर्मशाला - दोपहर 1:30 बजे
- दूसरा वनडे: 17 जून, लखनऊ - दोपहर 1:30 बजे
- तीसरा वनडे: 20 जून, चेन्नई - दोपहर 1:30 बजे

यह दौरा दोनों टीमों के लिए महत्वपूर्ण माना जा रहा है, खासकर टेस्ट क्रिकेट के लिहाज से, जहां अफगानिस्तान को भारत की मजबूत टीम के खिलाफ खुद को साबित करने का मौका मिलेगा।

किगाली में टूर डी रवांडा में अवार्ड समारोह

किगाली में टूर डी रवांडा में अवार्ड समारोह में भाग लेते हुए विजेता खिलाड़ी।

दिल्ली 23 साल बाद करेगी एसजेएफआई नेशनल कन्वेंशन की मेजबानी, गोल्डन जुबली संस्करण होगा ऐतिहासिक

नई दिल्ली, 02 मार्च (एजेंसियां)।

स्पोर्ट्स जर्नलिस्ट फेडरेशन आफ इंडिया (एसजेएफआई) का नेशनल कन्वेंशन 2026 आगामी 13 से 16 मार्च तक नई दिल्ली में आयोजित किया जाएगा। 23 वर्षों के लंबे अंतराल के बाद राष्ट्रीय राजधानी को इस प्रतिष्ठित वार्षिक आयोजन की मेजबानी का अवसर मिला है। इस बार का संस्करण विशेष रूप से ऐतिहासिक होगा क्योंकि इसके साथ एसजेएफआई अपनी स्वर्ण जयंती (गोल्डन जुबली) भी मना रहा है। आयोजन की मेजबानी दिल्ली स्पोर्ट्स जर्नलिस्ट एसोसिएशन (डीएसजेए) द्वारा की जा रही है।

एसजेएफआई को विश्व खेल पत्रकार संगठन इंटरनेशनल स्पोर्ट्स प्रेस एसोसिएशन (एआईपीएस) से मान्यता एवं संबद्धता प्राप्त है। चार दिवसीय इस राष्ट्रीय सम्मेलन में उत्तर, पूर्व, पश्चिम और दक्षिण जोन से 250 से अधिक वरिष्ठ खेल पत्रकार, खेल प्रशासक, नीति-निर्माता, ओलंपिक खिलाड़ी और उद्योग जगत के प्रतिनिधि हिस्सा लेंगे।

इस विशेष गोल्डन जुबली संस्करण में ग्रैंड स्पोर्ट्स कान्क्लेव का आयोजन किया जाएगा, जिसमें देश के शीर्ष खेल प्रशासक और ओलंपिक आइकन शामिल होंगे। इसके साथ ही जेके बोस इंटर-जोनल टी20 क्रिकेट टूर्नामेंट, एसी बाली टेबल टेनिस टूर्नामेंट, मार्डन पायथियन गेम्स जैसी पारिवारिक और युवा गतिविधियां तथा भव्य फाइनल्स एवं समापन समारोह भी कार्यक्रम का हिस्सा होंगे।

डीएसजेए के अध्यक्ष अभिषेक त्रिपाठी ने कहा कि आयोजन की तैयारियां लगभग पूरी हो चुकी हैं और यह सम्मेलन ऐतिहासिक साबित होगा। उन्होंने खेल मंत्रालय, खेल क्षेत्र की कंपनियों और भारतीय तीरंदाजी संघ के सचिव एवं दिल्ली भाजपा अध्यक्ष वीरेंद्र सचदेवा के सहयोग के लिए आभार व्यक्त किया।

एसजेएफआई के अध्यक्ष सरजू चक्रवर्ती ने कहा कि स्वर्ण जयंती नेशनल कन्वेंशन संगठन की 50 वर्ष की गौरवशाली यात्रा का प्रतीक है। उन्होंने कहा कि यह सम्मेलन न केवल विरासत का उत्सव होगा, बल्कि बदलते मीडिया परिदृश्य में खेल पत्रकारिता के भविष्य की दिशा भी तय करेगा।

मानद सचिव रमेश वरिकुप्पला ने इसे खेल पत्रकारिता में उत्कृष्टता, एकता और पेशेवर नैतिकता को सुदृढ़ करने वाला मंच बताया। उन्होंने कहा कि यह सम्मेलन संवाद, पेशेवर विकास और आपसी सहयोग को नई मजबूती देगा।

तीरंदाज अंकिता भकत की नजरें एशियाई खेलों में सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन पर लगी

नई दिल्ली, 02 मार्च (एजेंसियां)।

तीरंदाज अंकिता भकत आजकल 2026 एशियाई खेलों की तैयारियों में लगी हैं। अंकिता एशियाई खेलों में अच्छा प्रदर्शन करना चाहती हैं। इसमें वह अपने करियर का सर्वश्रेष्ठ औसत स्कोर पार करना चाहती हैं। उनका मानना है कि अगर तकनीक पर पूरी पकड़ बन गई, तो वह बड़े मंच पर देश के लिए बड़ा पदक जीत सकती हैं।अंकिता ने अपनी मेहनत से अंतरराष्ट्रीय स्तर पर फिर से पहचान बनाई है। पिछले साल उसने दक्षिण कोरिया में विपरीत हालातों में अभ्यास किया था। पेरिस ओलंपिक 2024 में चौथे स्थान पर रहने के कुछ महीनों बाद ही उन्होंने खुद को और बेहतर बनाने का फैसला लिया। अंकिता ने टोक्यो ओलंपिक पदक विजेता कांग चेयान्ग और जांग मिन ही को भी हाल में हराया था, वहीं पेरिस ओलंपिक की सिल्वर मेडलिस्ट सु-ह्योन पर भी जीत दर्ज की। ऐसे में अब वह एशियाई खेलों को लेकर उत्साहित हैं।

अंकिता ने बहुत कम उम्र में कोलकाता के सर्कस ग्राउंड से तीरंदाजी शुरू की थी। लकड़ी के धनुष से शुरुआत कर उन्होंने टाटा आर्चरी अकादमी, जमशेदपुर तक का सफर तय किया। 2016 में पहली बार भारतीय टीम में जगह मिली और तब से अब तक वह कई अंतरराष्ट्रीय पदक जीत चुकी हैं। 2023 एशियन गेम्स में टीम ब्रान्ज भी उनके खाते में है।पेरिस ओलंपिक में हालांकि कुछ निर्णायक तीर निशाने से रह गये थे जिससे वह असफल रहीं। अंकिता का साफ कहना है कि हर खिलाड़ी से कभी-कभी गलती होती है और वह उन पलों को सीख की तरह लेती हैं। कोच के अनुसार वह अब पहले से बेहतर हुई है।

कोच अमेलिया के मार्गदर्शन में वियतनाम के खिलाफ उतरेगी भारतीय महिला फुटबाल टीम, एएफसी महिला एशियन कप फुटबाल

पर्थ। एएफसी महिला एशियन कप फुटबाल में भारतीय महिला टीम 4 मार्च को वियतनाम के खिलाफ अपने अभियान की शुरुआत करेगी। भारतीय टीम को इस मुकाबले में पूरी ताकत से उतरना होगा। इसका कारण है कि वियतनाम का प्रदर्शन पिछले कुछ समय में लगातार बेहतर हुआ है। नई मुख्य कोच अमेलिया वाल्वेर्दे, के मार्गदर्शन में भारतीय टीम का ये पहला मुकाबला होगा। ये मुकाबला टीम के लिए आसान नहीं होगा। वियतनामी टीम साल 2022 में क्वार्टरफाइनल में पहुंची थी। इस मुकाबले के बाद भारतीय टीम को दो बार की विजेता जापान से खेलना होगा। ये मुकाबला भी काफी कठिन होगा क्योंकि जापान फीफा रैंकिंग में शीर्ष टीमों में से एक है। जापान की कई खिलाड़ी इंग्लैंड लीग में भी खेलती हैं, जिससे भी वह काफी बेहतर मानी जाती हैं। भारतीय टीम 10 मार्च को भारत चीनी ताइपे से खेलेगी। फीफा रैंकिंग में 67वें स्थान पर मौजूद भारत के लिए नाकआउट चरण में पहुंचना बड़ी उपलब्धि होगी। कोच वाल्वेर्दे के अनुसार भारतीय टीम के पास सही मिश्रण और सही सोच है। मौजूद जानकारी के अनुसार भारतीय टीम में युवा जोश और अनुभव का संतुलन है। 2022 संस्करण में शामिल सात खिलाड़ी फिर से टीम में हैं, जबकि छह नए चेहरे पहली बार इस मंच पर उतरेंगे।इस टूर्नामेंट के सेमीफाइनल और क्वार्टरफाइनल में हारने वाली टीमों के बीच प्ले-आफ जीतने वाली दो टीमों को सीधे 2027 विश्व कप के लिए प्रवेश मिलो जबकि बच हुई टीमों को इंटर-कान्टिनेंटल प्ले-आफ के जरिये आगे जाना होगा।

तेल खरीद पर बढ़ते संकट से निपटने के लिए भारत का प्लान बी तैयार

फिर रूस से बढ़ाएगा क्रूड आयल की खरीद, देश में कितने दिन का तेल रिजर्व

नई दिल्ली, 02 मार्च (एजेंसियां)। ईरान और अमेरिका में जारी युद्ध के बीच भारत ने अपनी तेल खरीद पर बढ़ते संकट से निपटने के लिए प्लान बी तैयार कर लिया है। मामले से जुड़े एक अधिकारी ने बताया कि ईरान युद्ध की वजह से होर्मुज जलडमरूमध्य जैसे कच्चे तेल के प्रमुख आपूर्ति मार्ग के बंद होने से भारत को निकट भविष्य में कच्चे तेल की आपूर्ति में किसी बड़े व्यवधान का सामना करने की आशंका नहीं है। अधिकारियों ने कहा कि कच्चे तेल का भंडार कम से कम 10 दिन की जरूरतों को पूरा करने के लिए पर्याप्त है और ईरान संकट लंबा खिंचता है तो भारत फिर से रूस के साथ तेल खरीद को बढ़ा सकता है। ईरान पर अमेरिका और इजरायल के सैन्य हमलों के बाद तेजी से बदलते घटनाक्रम में इस्लामिक गणराज्य के सर्वोच्च नेता के मारे जाने की खबरें भी शामिल हैं।

इससे संकेत मिलता है कि यह संघर्ष बहुत लंबा नहीं चलेगा। हालांकि, शीर्ष अधिकारियों और विश्लेषकों का कहना है कि यदि तनाव बढ़ता है तो भारत के पास आकस्मिक योजनाएं तैयार हैं। उसे अपनी तेल खरीद की रणनीति में भी बदलाव करना होगा और इसके लिए भारत तैयार है। ईरान के सरकारी मीडिया ने कहा था कि अमेरिका और इजरायल के मिसाइल हमलों के जवाब में उसने होर्मुज जलडमरूमध्य को बंद कर दिया है।

यह दुनिया के सबसे महत्वपूर्ण ऊर्जा निकासी बिंदुओं में से एक है, जिससे वैश्विक तेल और गैस आपूर्ति का लगभग 20 फीसदी हिस्सा गुजरता है। इस रास्ते के बंद होने से भारत पर भी गहरा असर पड़ने की आशंका है और इन बदलती परिस्थितियों में भारत के पास भी अपनी रणनीति बदलने का अवसर है। अधिकारियों ने कहा कि कम अवधि के लिए इसके बंद होने से भारत पर ज्यादा असर नहीं पड़ेगा, क्योंकि उसके पास ईंधन की जरूरतों को पूरा करने के लिए पर्याप्त आपूर्ति है।

हालांकि, यदि होर्मुज जलडमरूमध्य लंबे समय तक बंद रहता है, तो देश रूसी तेल की खरीद बढ़ाकर अपने आयात स्रोतों में बदलाव कर सकता है। इसका तत्काल प्रभाव तेल की कीमतों पर दिखेगा। ब्रेंट क्रूड इस सप्ताह सात महीने के उच्चस्तर लगभग 73 डालर प्रति बैरल पर बंद हुआ और सोमवार को यह 13 फीसदी बढ़कर 82 डालर प्रति बैरल से भी ऊपर जा चुका है। एक अधिकारी ने बताया कि भारतीय रिफाइनरी कंपनियों के पास टैंक और पारगमन में मिलाकर 10 से 15 दिन का कच्चा तेल भंडार है। इसके अलावा, उनके ईंधन टैंक भरे हुए हैं, जो देश की 7-10 दिन की ईंधन जरूरत को आसानी से पूरा कर सकते हैं। एक अन्य अधिकारी ने कहा कि भारत वेनेजुएला, ब्राजील और अफ्रीका जैसे दूरदराज के देशों से भी तेल खरीद सकता है, लेकिन रूस के साथ वापस क्रूड खरीदने की रणनीति सबसे असरकारक होगी।

न्यूज ब्रीफ

अनुशासित निवेश के लिए एसआईपी का ढेर नहीं, संतुलित पोर्टफोलियो बनाना जरूरी

नई दिल्ली। नोएडा के रहने वाले आशीष ने नई नौकरी लगते ही म्यूचुअल फंड में निवेश शुरू कर दिया। आशीष ने एक या दो नहीं, बल्कि 2,000 की 12 अलग-अलग म्यूचुअल फंड शुरू कर दीं। उन्हें लगा कि उन्होंने एक बड़ा पोर्टफोलियो बना लिया है और उन्होंने सोचा कि जितने ज्यादा फंड होंगे, उतना ही ज्यादा विविधीकरण होगा और उतना ही ज्यादा पैसा बनेगा। आशीष जैसे कई लोग के जरिये म्यूचुअल फंड में निवेश कर रहे हैं। एसोसिएशन आफ म्यूचुअल फंड्स इन इंडिया के अनुसार, 2025 की शुरुआत में के माध्यम से मासिक निवेश 26,400 करोड़ रुपये था, जो जनवरी 2026 तक 31,002 करोड़ रुपये पर पहुंच गया। हालांकि, हकीकत यह है कि आशीष का पोर्टफोलियो संतुलित नहीं है, बल्कि यह पोर्टफोलियो ओवरलैपिंग का शिकार है। आशीष के 12 फंडों में से 10 ने रिलायंस, एचडीएफसी बैंक और इंफोसिस के शेयर खरीद रखे हैं। यह निवेश नहीं है, इसे ओवर-डाइवर्सिफिकेशन कहा जाता है। अगर रिलायंस का शेयर गिरता है, तो आशीष के सभी 12 फंड एक साथ नीचे आएंगे। सिर्फ रिटर्न नहीं, जोखिम मैनेज करना सीखें जब 2025 में बाजार में उतार-चढ़ाव आया तो उन लोगों के पोर्टफोलियो सबसे ज्यादा गिरे जिन्होंने केवल स्माल-कैप में निवेश किया था। जब बाजार चढ़ता है, तो हर कोई विजेता दिखता है, लेकिन असली निवेशक वही है जिसका पोर्टफोलियो गिरावट के दौरान कम गिरे। एसआईपी निवेश में लगातार हो रही है बढ़ोतरी पिछले एक साल में एसआईपी इनफ्लो में लगातार बढ़ोतरी निवेशकों की बदलती सोच को दर्शाती है।

टिम ड्रेपर नेटवर्क समर्थित हैदराबाद का 'ड्रेपर स्टार्टअप हब' 20 शुरुआती चरणों के स्टार्टअप्स को करेगा फंड

हैदराबाद, 02 मार्च (एजेंसियां)। हैदराबाद के स्टार्टअप इकोसिस्टम को एक बड़ी मजबूती देते हुए, 'ड्रेपर स्टार्टअप हाउस हैदराबाद' आधिकारिक तौर पर 'ड्रेपर स्टार्टअप हब' में बदल गया है। इसके साथ ही, सिलिकॉन वैली के प्रसिद्ध वेंचर कैपिटलिस्ट टिम ड्रेपर द्वारा स्थापित वैश्विक ड्रेपर नेटवर्क के समर्थन से एक संरचित प्रारंभिक चरण (शरीश्रू-ींरसश) निवेश और त्वरण (रललशश्रशी-रींळेप) रणनीति की घोषणा की गई है।

यह हब 20 शुरुआती चरणों के स्टार्टअप्स में निवेश करने की योजना बना रहा है, जिसमें निवेश की राशि 50 लाख से 50 करोड़ के बीच होगी। यह कदम को-वर्किंग और को-लिविंग कम्युनिटी मॉडल से एक पूंजी-समर्थित एक्सेलेरेटर प्लेटफॉर्म की ओर बदलाव का प्रतीक है।

गच्चीबोवली में प्रमुख संस्थापकों और हितधारकों की एक सभा में इस बदलाव की घोषणा करते हुए, ड्रेपर स्टार्टअप हब हैदराबाद के सह-संस्थापक चैतन्य, साई कृष्णा और दीपिका ने कहा, हम सामुदायिक निर्माण से आगे बढ़कर संरचित त्वरण की ओर बढ़ रहे हैं। ड्रेपर स्टार्टअप हब अब सक्रिय रूप से होनहार शुरुआती संस्थापकों की पहचान करेगा, उन्हें परामर्श देगा और उनमें निवेश करेगा। यह हैदराबाद के स्टार्टअप कैपिटल पाइपलाइन को मजबूत करने की दिशा में एक निर्णायक कदम है।

मूल रूप से वैश्विक 'ड्रेपर स्टार्टअप हाउस' नेटवर्क के हिस्से के रूप में शुरू किया गया यह केंद्र एक उद्यमशील आवास (Co-Working + Co-Living) के रूप में कार्य करता था। इस परिवर्तन के साथ, यह अपनी सामुदायिक पहलों को जारी रखते हुए औपचारिक शुरुआती चरण के निवेश और संरचित त्वरण के क्षेत्र में प्रवेश कर रहा है।

यह हब टिम ड्रेपर द्वारा स्थापित वैश्विक ड्रेपर इकोसिस्टम के तहत संचालित होता है, जिन्होंने टेस्ला, स्काइप, कॉइनबेस, रॉबिनहुड, बायडू और स्पेसएक्स जैसे बड़े स्टार्टअप्स में शुरुआती निवेश किया था। ड्रेपर नेटवर्क ने इस हब से उभरने वाले स्केलेबल उपक्रमों (ीलर-श्ररलश्रश ींशर्पीीशी) का समर्थन करने में रुचि व्यक्त की है।

हब ने अपने 12-दिवसीय 'ड्रेपर फाउंडर्स प्रोग्राम' के दूसरे संस्करण की भी घोषणा की, जिसे ड्रेपर बैनर के तहत भारत के पहले गहन आवासीय एक्सेलेरेटर के रूप में पेश किया गया है।

अप्रैल में निर्धारित इस कार्यक्रम में एक बहु-स्तरीय स्क्रीनिंग प्रक्रिया के माध्यम से उच्च-क्षमता वाले संस्थापकों का चयन किया जाएगा। प्रतिभागियों को गहन संस्थापक प्रशिक्षण, प्रत्यक्ष परामर्श, निवेशकों तक पहुंच और वैश्विक इकोसिस्टम का अनुभव प्राप्त होगा।

लोकप्रिय एसयूवी रेनाल्ट डस्टर को बाजार में उतारने की तैयारी

नई दिल्ली, 02 मार्च (एजेंसियां)। भारतीय बाजार में रेनो इंडिया जल्द ही अपनी लोकप्रिय एसयूवी रेनाल्ट डस्टर को उतारने जा रही है।26 इसको जनवरी 2026 को कंपनी ने पेश किया था। अब इसकी लान्चिंग 17 मार्च को होगी, जहां कीमतों का भी ऐलान किया जाएगा। डस्टर की प्री-बुकिंग 21,000 रुपये में शुरू हो चुकी है। यह एसयूवी अब पहले से ज्यादा एडवांस फीचर्स और नए इंजन विकल्पों के साथ सीधे क्रेटा और सेल्टास जैसी गाड़ियों को टक्कर देने के लिए तैयार है। नई डस्टर तीन इंजन विकल्पों 1.0एल टर्बो (100 पीएस), 1.3एल टर्बो (163 पीएस/280 एनएम) और 1.8एल स्ट्रान्ग हाइब्रिड (160 एचपी) के साथ आएगी। 212 एमएम ग्राउंड क्लियरेंस, पैनोरमिक सनरूफ, वेंटिलेटेड सीट्स, डुअल स्क्रीन सेटअप और लेवल-2 एडीएएस जैसे फीचर्स इसे अपने सेगमेंट में और भी मजबूत बनाते हैं।

पेट्रोल वेरिएंट की डिलीवरी अप्रैल से शुरू होने वाली है। डिजाइन की बात करें तो एसयूवी का नया अवतार पहले से ज्यादा बोल्ड और मस्कुलर है। सिग्नेचर ग्रिल, फुल एलईडी हेडलाइट्स, आइब्रो-शेप डीआरएलएस और एडवेंचर ब्लैक अलाय व्हील्स इसके लुक को दमदार बनाते हैं। रियर में कनेक्टेड एलईडी लाइट बार और स्पोर्टी बंपर इसे आधुनिक अपील देते हैं। इंटीरियर में फाइटर-जेट इंस्पायर्ड डैशबोर्ड, 10.1-इंच टचस्क्रीन, 10.25-इंच डिजिटल क्लस्टर, पैनोरमिक सनरूफ, 48-कलर एम्बिएंट लाइटिंग और पावर्ड वेंटिलेटेड सीट्स जैसी प्रीमियम सुविधाएं मिलेंगी। सेफ्टी फीचर्स में 6 एयरबैग्स, 360 डिग्री कैमरा, ईएससी, एबीएस-ईबीडी, डिस्क ब्रेक्स, टीपीएमएस और इसोफिक्स मानक तौर पर दिए गए हैं, जबकि हाई वेरिएंट्स में एडीएएस लेवल-2 के 17 फीचर्स भी उपलब्ध होंगे।

प्रथम पृष्ठ का शेष...

कच्चे...

ट्रंप ने कहा कि अमेरिकी सेना ने ईरान को हिलाकर रख दिया हैं। उस पर जबरदस्त हमले किए जा रहे हैं लेकिन अभी तो बड़े हमले होना बाकी है। ट्रंप ने सीएनएन को दिए इंटरव्यू में कहा कि हम उन्हें (ईरान) बुरी तरह कुचल रहे हैं। हमारा ज्वॉइंट ऑपरेशन सही तरीके से आगे बढ़ रहा है। अमेरिका की सेना दुनिया की सबसे बड़ी और ताकतवर सेना है और हम बखूबी इसका इस्तेमाल कर रहे हैं।जब ट्रंप से पूछा गया कि क्या सैन्य कार्रवाई के अलावा अमेरिका ईरानी जनता को वहां के शासन से नियंत्रण वापस लेने में मदद करने के लिए अन्य कदम भी उठा रहा है? तो इस पर उन्होंने हां में जवाब दिया।ट्रंप ने कहा कि हम यकीनन ऐसा कर रहे हैं। हम अभी चाहते हैं कि ईरान के लोग घरों के भीतर ही रहें। हालात आगे और बिगड़ सकते हैं। हमने अभी तक उन्हें पूरी ताकत से निशाना बनाना शुरू भी नहीं किया है। हमलों की बड़ी लहर अभी आई ही नहीं है। असली बड़ा हमला जल्द होने वाला है।अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने दावा किया है कि ईरान के हमलों के बाद कई अरब देश अब सैन्य अभियान में शामिल होने के लिए दबाव बना रहे हैं। ट्रंप ने इसे अब तक का सबसे बड़ा आश्चर्य बताया है।सीएनएन को दिए इंटरव्यू में ट्रंप ने कहा कि ईरान ने बहरीन, जॉर्डन, कुवैत, कतर और संयुक्त अरब अमीरात जैसे देशों को निशाना बनाया, जिसके बाद इन देशों के रुख में बदलाव आया है। ट्रंप ने कहा कि हम हैरान थे। हमने उनसे कहा था कि हम संभाल लेंगे लेकिन अब वे लड़ना चाहते हैं। वे आक्रामक तरीके से लड़ रहे हैं। पहले बहुत देश शामिल होने वाले थे, लेकिन अब ज्यादा से ज्यादा देश हमारा साथ देने को बेताब है।

वही करूंगा जो मेरे देश के हित में हो : ब्रिटेन के पीएम स्टार्मर का ट्रंप को करारा जवाब

ब्रिटेन के प्रधानमंत्री कीर स्टार्मर ने ईरान संकट को लेकर अमेरिका और इजरायल के शुरुआती हमलों में शामिल न होने के अपने फैसले का बचाव किया है। उन्होंने डोनाल्ड ट्रंप पर पलटवार करते हुए कहा कि अमेरिकी राष्ट्रपति भले ही उनके फैसले से असहमत हों, लेकिन उनका कर्तव्य ब्रिटेन के राष्ट्रीय हितों को प्राथमिकता देना है। स्टार्मर ने कहा, यह तय करना मेरा दायित्व है कि ब्रिटेन के लिए क्या सही है, और मैंने वही किया है।कीर स्टार्मर ने स्पष्ट किया कि साइप्रस में स्थित ब्रिटिश सैन्य अड्डों का उपयोग अमेरिका द्वारा ईरान पर किए गए शुरुआती हमलों में नहीं किया गया। हालांकि, उन्होंने यह स्वीकार किया कि अमेरिका के अनुरोध पर ब्रिटेन ने विशेष और सीमित रक्षात्मक उद्देश्यों के लिए अपने सैन्य अड्डों के इस्तेमाल की अनुमति दी है।ब्रिटिश प्रधानमंत्री का यह बयान ट्रंप की उस आलोचना के बाद आया, जिसमें उन्होंने कहा था कि ब्रिटेन ने अमेरिकी विमानों को अपने एयरबेस इस्तेमाल करने की इजाजत देने में बहुत देर की, इसलिए वह कीर स्टार्मर से बहुत निराश हैं। ब्रिटिश अखबार द डेली टेलीग्राफ को दिए इंटरव्यू में ट्रंप ने खासतौर पर डिएगो गार्सिया एयर बेस का जिक्र करते हुए कीर स्टार्मर के फैसले पर निराशा जताई। ट्रंप ने कहा कि सहयोगी देशों के बीच ऐसा संकोच नहीं होना चाहिए। उन्होंने यह भी कहा कि स्टार्मर शायद हमलों की वैधता को लेकर चिंतित थे।

इस बीच, साइप्रस में स्थित ब्रिटिश रॉयल एयर फोर्स के एयर बेस पर एक ईरानी ड्रोन से हमला हुआ। साइप्रस के गृह मंत्रालय के अनुसार, दक्षिणी तट पर स्थित इस क्षेत्र से लोगों को निकाला गया, जबकि पाफोस एयरपोर्ट को भी कुछ समय के लिए खाली कराया गया।लारनाका और पाफोस एयरपोर्ट से 60 से अधिक उड़ानें रद्द करनी पड़ीं। ब्रिटेन के प्रधानमंत्री कीर स्टार्मर ने कहा कि खाड़ी देशों ने ब्रिटेन से अपनी रक्षा में अधिक भूमिका निभाने का अनुरोध किया है। उन्होंने बताया कि ब्रिटिश लड़ाकू विमान ईरानी ड्रोन हमलों को नाकाम करने में सफल रहे हैं। उन्होंने जोर देकर कहा कि साइप्रस बेस पर हमला ब्रिटेन के किसी फैसले का जवाब नहीं था, बल्कि क्षेत्रीय तनाव का हिस्सा है। ब्रिटिश सरकार का कहना है कि वह अमेरिका-इजरायल के उन हमलों में शामिल नहीं थी, जिसमें ईरान के सर्वोच्च नेता अयातुल्ला अली खामेनेई की मौत हुई।

9 लाख करोड़...

अगर दोनों स्टॉक एक्सचेंज को मिला लिया जाए तो सोमवार को मार्केट में गिरावट से निवेशकों को लगभग 9 लाख करोड़ रुपये का नुकसान उठाना पड़ा है।

श्चिमी एशिया में तनाव के कारण अमेरिका का बाजार भी लाल हो गया। सोमवार को अमेरिकी मार्केट खुलने के तुरंत बाद डाउ जोंस 483 पॉइंट्स यानी 1% नीचे था। एसएंडपी 500 और नैस्डैक दोनों में लगभग 0.7% की गिरावट आई। जिन सेक्टर्स पर सबसे ज्यादा असर पड़ा, उनमें एयरलाइंस शामिल हैं, क्योंकि कई कैरियर्स ने उड़ानें रोक दी हैं। डेल्टा और यूनाइटेड एयरलाइंस दोनों में 3% से ज्यादा की गिरावट आई। हालांकि, इस लड़ाई से डिफेंस स्टॉक्स में तेजी देखने को मिल रही है।

एशिया-यूरोप में भी मची तबाही

ईरान जंग के कारण दुनियाभर के शेयर बाजारों में गिरावट देखने को मिली है।

एशिया में: जापान के निक्केई में 1.35%, हॉन्ग कॉन्ग के हेंग सेंग में 2.14%, साउथ कोरिया के कोस्पी में 1% और ताईवान के ताईवान एसई में 0.90% की गिरावट आई। हालांकि, चीन के शंघाई कंपोजिट में 0.47% की तेजी आई।

यूरोप में: कमोबेश यही हाल यूरोप में भी देखने को मिल रहा है। यूरोप के सभी बड़े स्टॉक मार्केट में सोमवार को गिरावट देखने को मिल रही है।

अनमोल...

विश्व परमाणु संघ के अनुसार, प्राकृतिक यूरेनियम के जरिए काफी बिजली बनाई जा सकती है और इसका एक टुकड़ा भी कई क्विंटल कोयला के बराबर बिजली बना सकता है। कहा जाता है कि एक किलो यूरेनियम में 44000 किलोवाट बिजली बनाई जा सकती है। इसका मतलब है कि बहुत कम मात्रा में ज्यादा बिजली बनाई जा सकती है। अगर इतनी बिजली कोयले से बनाएं तो कई हजार टन तेल और गैस चाहिए।कई रिपोर्ट में ये सामने आया है कि यूरेनियम का अंडे के आकार का एक टुकड़ा 88 टन कोयले के बराबर होता है। यानी अंडे के आकार के एक टुकड़े से जितनी बिजली बनाई जा सकती है, उतनी बिजली बनाने के लिए 88 टन कोयला चाहिए।

राहुल ने...

स पद के लिए कोई व्यक्तिगत महत्वाकांक्षा नहीं है। वे एक साधारण व्यक्ति के रूप में जमीनी स्तर पर लोगों के बीच जाकर राजनीति कर रहे हैं। हालांकि, उन्होंने कहा कि देश की वर्तमान स्थिति को देखते हुए राहुल गांधी को प्रधानमंत्री बनाने के लिए एक मजबूत नेतृत्व और सामूहिक प्रयास की आवश्यकता है।राहुल गांधी का आह्वान: जन-केंद्रित कांग्रेस की ओर बढ़ें कार्यकर्ता लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने सोमवार को कांग्रेस नेताओं से पार्टी के शांति, अहिंसा और सत्य के मूल मूल्यों को बनाए रखने तथा जमीनी स्तर पर संगठन को मजबूत करने के लिए जनता के साथ मिलकर काम करने का आह्वान किया।हरिता रिसॉर्ट्स में जिला कांग्रेस कमेटी (डीसीसी) अध्यक्षों के प्रशिक्षण शिविर के समापन सत्र को संबोधित करते हुए राहुल गांधी ने कहा कि समानता कांग्रेस पार्टी का सबसे महत्वपूर्ण सिद्धांत है। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि पार्टी को जाति, धर्म, वर्ग, लिंग या आर्थिक स्थिति के आधार पर भेदभाव किए बिना कार्य करना चाहिए। उन्होंने नेताओं से अहंकार त्यागने और विनम्रता के साथ लोगों की सेवा करने का आग्रह करते हुए कहा कि पार्टी की ताकत जनता की ताकत में निहित है।पार्टी प्रतीक का उल्लेख करते हुए उन्होंने कहा कि अभय मुद्रा सभी धर्मों में निर्भयता और शांति का प्रतिनिधित्व करती है और इसे कांग्रेस की राजनीति का मार्गदर्शक होना चाहिए। उन्होंने पार्टी के भीतर महिलाओं को उचित सम्मान और प्राथमिकता देने की आवश्यकता पर भी बल दिया।डीसीसी अध्यक्षों को संबोधित करते हुए राहुल गांधी ने कहा कि यह पद एक जिम्मेदारी है, न कि आकर्षण का कोई पद। उन्होंने आश्वासन दिया कि यदि वे ईमानदारी से जनता के लिए काम करेंगे और कांग्रेस में जनता का विश्वास जगाएंगे, तो उन्हें विकास के अवसर मिलेंगे। उन्होंने भाजपा की नफरत और विभाजन की राजनीति के प्रति आगाह किया और कांग्रेस नेताओं से ऐसी कोशिशों का मुकाबला करने और देश की एकता की रक्षा करने का आह्वान किया।

इस अवसर पर बोलते हुए, एक डीसीसी अध्यक्ष ने कहा कि जिला इकाइयां हर महीने कम से कम 30 गांवों का दौरा करेंगी, डीसीसी कार्यालयों में शिकायत प्रकोष्ठ स्थापित करेंगी और जनता की समस्याओं को हल करने की दिशा में काम करेंगी। उन्होंने कहा कि बूथ से जिला स्तर तक की समितियों का गठन दो महीने के भीतर किया जाएगा। उन्होंने किसानों के मुद्दों, रोजगार गारंटी योजना की चिंताओं, आजीविका पर अंतरराष्ट्रीय समझौतों के प्रभाव और गिग वर्कर्स द्वारा सामना की जाने वाली समस्याओं के लिए लड़ने का संकल्प लिया।

तेलंगाना सरकार की प्राथमिकताओं में पिछड़ा वर्ग सर्वोपरि

टीपीसीसी अध्यक्ष एमएलसी महेश कुमार गौड़ ने कहा कि दस दिवसीय प्रशिक्षण शिविर, जिसमें राहुल गांधी ने सक्रिय रूप से भाग लिया, ऐतिहासिक था और इसने डीसीसी अध्यक्षों को व्यापक वैचारिक प्रशिक्षण प्रदान किया। उन्होंने कहा कि राहुल गांधी के दृष्टिकोण का अनुसरण करते हुए, तेलंगाना में कांग्रेस सरकार ने पिछड़ा वर्ग को सर्वोच्च प्राथमिकता दी है, जिसमें मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी के नेतृत्व में जातिगत मुद्दों पर एक ऐतिहासिक विधेयक पारित करना भी शामिल है।महेश कुमार गौड़ ने कहा कि भाजपा और बीआरएस द्वारा विधेयक को रोकने के कथित प्रयासों के बावजूद, कांग्रेस ने पंचायत, नगर पालिका और कॉर्पोरेटर सीटों में प्राथमिकता देकर मजबूत बीसी प्रतिनिधित्व सुनिश्चित किया। उन्होंने यह भी कहा कि प्रमुख डीसीसी नियुक्तियों में भी बीसी को प्राथमिकता दी गई है और पूरे राज्य में पार्टी को और मजबूत करने के लिए जल्द ही जिला समितियों का गठन किया जाएगा।

राहुल गांधी की सहमति और भाजपा के खिलाफ मोर्चा

मुख्यमंत्री की इस अपील पर प्रतिक्रिया देते हुए राहुल गांधी मुस्कुराए और सहमति में सिर हिलाया, जो जिम्मेदारी लेने और केंद्र में भाजपा के नेतृत्व वाली सरकार के खिलाफ लड़ाई का नेतृत्व करने की उनकी तत्परता का संकेत था।पार्टी द्वारा जारी एक बयान के अनुसार, इस महत्वपूर्ण बैठक में एआईसीसी महासचिव के.सी. वेणुगोपाल, टीपीसीसी अध्यक्ष एमएलसी महेश कुमार गौड़, एआईसीसी प्रभारी मीनाक्षी नटराजन और अन्य वरिष्ठ पार्टी नेता उपस्थित थे।

राहुल गांधी के दौरे के दौरान तनाव: छात्र नेता हिरासत में

वरिष्ठ कांग्रेस नेता राहुल गांधी के शहर के दौरे के दौरान सोमवार को हैदराबाद के कुछ हिस्सों में हल्का तनाव व्याप्त रहा। पुलिस ने एहतियात के तौर पर सोमवार तड़के से ही बेरोजगार छात्र संघों के नेताओं को हिरासत में लेना शुरू कर दिया था।पुलिस ने अशोक नगर में रहने वाले छात्र संघ नेता कोडंगल रवि को सुबह करीब 5 बजे हिरासत में ले लिया। सूत्रों के अनुसार, अधिकारियों ने इस आशंका के आधार पर कार्रवाई की कि राहुल गांधी के दौरे के दौरान विरोध प्रदर्शन आयोजित किए जा सकते हैं।बेरोजगार छात्रों ने पुलिस की इस कार्रवाई की कड़ी निंदा की है। उन्होंने आरोप लगाया कि ये गिरफ्तारियां अवैध हैं और बिना किसी पूर्व सूचना के की गई हैं। छात्र नेताओं का कहना है कि वे अपनी मांगों को शांतिपूर्ण ढंग से उठाना चाहते थे, लेकिन ममनमानी हिरासतफ के जरिए उन्हें ऐसा करने से रोक दिया गया।

संवाद के ...

आसिफ अली जरदारी ने कहा, ममेरा संदेश भारत के लिए है कि वह युद्ध के माहौल से बाहर आए और सार्थक बातचीत की मेज पर बैठे, क्योंकि यही क्षेत्रीय शांति और स्थिरता का रास्ता है। उनका यह बयान ऐसे समय आया है जब दक्षिण एशिया में सुरक्षा हालात को लेकर तनाव बढ़ा हुआ है।

अफगानिस्तान पर जरदारी का तीखा हमला

उन्होंने कहा कि सीमा-पार हमलों को लेकर पाकिस्तान की सहनशीलता की सीमा समाप्त हो चुकी है। उन्होंने अफगान नेतृत्व पर दोहा समझौता का उल्लंघन करने का आरोप लगाया और कहा कि अफगान धरती से तहरीक-ए-तालिबान पाकिस्तान और बलोचिस्तान लिबरेशन आर्मी जैसे आतंकी संगठनों को पनाह मिल रही है। उन्होंने कहा कि किसी भी घरेलू या विदेशी ताकत को पड़ोसी क्षेत्रों से पाकिस्तान की शांति भंग करने की इजाजत नहीं दी जाएगी।

गिलगित-बाल्टिस्तान में कर्फ्यू लागू

पाकिस्तान के राष्ट्रपति ने ईरान के खिलाफ जारी सैन्य कार्रवाइयों की निंदा की। उन्होंने ईरान की संप्रभुता का समर्थन किया और अयातुल्ला अली खामेनेई की मौत पर शोक व्यक्त किया। इस बीच, ईरान के सर्वोच्च नेता की हत्या के बाद हुए हिंसक प्रदर्शनों के मद्देनजर पाकिस्तान के कब्जे वाले गिलगित-बाल्टिस्तान के स्कर्दू में सेना तैनात कर तीन दिन का कर्फ्यू लगाया गया है। साथ ही पाकिस्तान-अफगानिस्तान सीमा पर झड़पें जारी हैं।

BOOK YOUR DISPLAY CLASSIFIED ADVERTISEMENTS AT
Timings : 9 am to 7 pm
Head office
SHREE SIDDIVINAYAK PUBLICATIONS
Plot No. A-23/5 & 6 2nd Floor,
APIE, Balanagar, Hyderabad - 500 037
City office
SHREE SIDDIVINAYAK PUBLICATIONS
4th Floor, 19 Towers (T19),
Near Bus Stand, Ranigunj,
Secunderabad - 500 003
8688868345

शुभ लाभ
म्हारो भाग्यनगर
दैनिक हिन्दी शुभ लाभ, हैदराबाद, मंगलवार, 03 मार्च, 2026

शुभ लाभ
आपकी सेवा में
शुभ लाभ से जुड़ी किसी भी समस्या या सुझाव के लिए मो. 86888 68345 पर संपर्क करें ।

पावरग्रिड दक्षिण क्षेत्र-I की राजभाषा कार्यशाला कोप्पल में सम्पन्न

हैदराबाद, 02 फरवरी (शुभ लाभ ब्यूरो) ।

दिनांक 27-28 फ़रवरी, 2026 के दौरान पावरग्रिड दक्षिण क्षेत्र-ख के अधीनस्थ उपकेंद्रों के राजभाषा नोडल अधिकारी की दो-दिवसीय कार्यशाला सह बैठक का आयोजन कोप्पल (कर्नाटक) में किया गया। उक्त कार्यक्रम का उद्घाटन मुख्य अतिथि श्री जी. श्रीनिवास राव, व. उप महाप्रबंधक (मुनिराबाद उपकेंद्र-कोप्पल) के कर-कमलों द्वारा वरिष्ठ अधिकारियों की गरिमामय उपस्थिति में किया गया।इस कार्यक्रम में संकाय सदस्य के रूप में प्रथम दिन के दौरान (1) डॉ. प्रेम सिंह, संयुक्त निदेशक (राजभाषा)-से.नि., गृह मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा राजभाषा नीति, अधिनियम एवं नियम, वर्तनी की अशुद्धियाँ, संशोधित वार्षिक कार्यक्रम एवं तिमाही रिपोर्ट के मुख्य बिंदुओं पर चर्चा का आयोजन किया गया।द्वितीय दिवस के दौरान (2) डॉ. सौरव कुमार, राजभाषा प्रभारी, भारतीय रासायनिक प्रौद्योगिकी संस्थान, सिकंदराबाद द्वारा कंठस्थ-3.0 (भारती-बहुभाषी अनुवाद सारथी) एवं संसदीय राजभाषा समिति की संशोधित निरीक्षण प्रश्नावली भरने हेतु ध्यान देने योग्य बातें एवं संबंधित विभिन्न दस्तावेजों का रखरखाव आदि विषयों पर सत्रों का संचालन किया गया।

इस कार्यशाला का उद्देश्य पावरग्रिड के अधिकारियों में राजभाषा के प्रयोग को मजबूत करना और विभिन्न मुद्दों पर जानकारी साझा करना था। कार्यशाला में संबोधित किए गए बिंदुओं पर उपस्थित अधिकारियों ने गहन चर्चा की और अपनी समस्याओं के समाधान के लिए सुझाव दिए।कार्यक्रम के अंत में, सभी प्रतिभागियों ने इस अवसर को महत्वपूर्ण और शिक्षाप्रद बताया, जिससे उन्हें अपने कार्यों में राजभाषा का सही ढंग से उपयोग करने की प्रेरणा मिली।

राजस्थानी उत्सव फाउंडेशन का तम्बोला 15 को

श्रृंग ऋषि भवन में भव्य आयोजन की तैयारियां तेज

हैदराबाद, 02 मार्च (शुभ लाभ ब्यूरो)। राजस्थानी उत्सव फाउंडेशन द्वारा तंबोला कार्यक्रम का भव्य आयोजन रविवार, 15-03-2026 को सायं 4:30 बजे से श्रृंग ऋषि भवन में किया जाएगा। कार्यक्रम को सफल एवं आकर्षक बनाने के लिए तैयारियां जोर-शोर से चल रही हैं।

इसी संदर्भ में रविवार, 01-03-2026 को दोपहर 3 बजे श्रृंग ऋषि भवन में एक बैठक आयोजित की गई। बैठक की शुरुआत गायत्री वंदन से हुई। इसके पश्चात कार्यक्रम संयोजक संदीप जायलवाल ने तंबोला कार्यक्रम की विस्तृत रूपरेखा प्रस्तुत की।

कार्यक्रम को भव्य स्वरूप देने हेतु उपस्थित सदस्यों ने अपने-अपने सुझाव रखे। साथ ही निर्णय लिया गया कि कार्यक्रम के विजेताओं को आकर्षक एवं उचित पुरस्कार प्रदान किए जाएंगे।

रामदेव नागला ने सभी समाज बंधुओं एवं महिलाओं से विशेष अपील करते हुए कहा कि कार्यक्रम को सफल और भव्य बनाने के लिए अधिक से अधिक संख्या में सहभागिता सुनिश्चित करें।

बैठक में रामदेव नागला, अनिल जायलवाल, नंदकिशोर व्यास, संदीप जायलवाल, कन्यालाल ओझा, गोकुलचंद उपाध्याय, रूपचंद व्यास, चंद्रभान व्यास, नरेश पांडिया, विजय पांडे, प्रेमलता व्यास, अर्चना ओझा, आराधना ओझा, दुर्गा तिवारी, शीला पांडे व अन्य सदस्य उपस्थित रहे।

अंत में रूपचंद व्यास द्वारा धन्यवाद ज्ञापन के साथ बैठक का समापन किया गया।

गंडीमैसम्मा में रंगारंग गेर नृत्य के साथ मनाया गया होली महोत्सव

सीरवी नवयुवक मंडली के आयोजन में समाजजनों की उत्साहपूर्ण भागीदारी

हैदराबाद, 02 मार्च (शुभ लाभ ब्यूरो)।

मेड़चल के गंडीमैसम्मा स्थित पोचमपल्ली में सीरवी नवयुवक मंडली द्वारा होली महोत्सव के उपलक्ष्य में भव्य एवं रंगारंग गेर नृत्य कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में समाज के बड़ी संख्या में गणमान्य सदस्य, महिलाएं एवं युवा उपस्थित रहे। पारंपरिक वेशभूषा में प्रस्तुत गेर नृत्य ने उपस्थित जनसमूह को मंत्रमुग्ध कर दिया।

कार्यक्रम में सीरवी समाज बडेर के संरक्षक मांगीलाल काग, उपाध्यक्ष सोहनलाल परिहार, उपाध्यक्ष दुर्गाराम मुलेवा, कोषाध्यक्ष भंवरलाल काग, सचिव प्रेम पंवार, सह सचिव मंगलराम पंवार, मोहनलाल काग, भुडाराम बर्फा, उदाराम काग उपस्थित रहे।

इसी प्रकार चदुराम चोयल, गैर अध्यक्ष पुराराम सैणचा, उपाध्यक्ष भानाराम सैणचा, सचिव मांगीलाल गेहलोत, कोषाध्यक्ष मुकेश हाम्बड़, सह कोषाध्यक्ष अशोक पंवार, ताराराम काग, अशोक गहलोत, लकाराम सोलंकी, ताराराम सैणचा, केसाराम मुलेवा, सुरेश पंवार, तेजाराम हाम्बड़, जगदीश सोलंकी, मुकेश सोलंकी, गोविंदराम हाम्बड़ भी कार्यक्रम में शामिल हुए।

कार्यक्रम में पुष्पेंद्र, पेमाराम, भेराराम चोयल, भंवरलाल काग, नदुराम गेहलोत, नेमाराम, कन्हैयालाल, मंगलाराम मुलेवा, कानाराम बर्फा, किशोर बर्फा, मुकेश, मोहनलाल बर्फा, नेमाराम राठौड़, बगदाराम, ओमप्रकाश सहित महिला भजन मंडली व अन्य समाजजन उपस्थित रहे।

भजन मंडली द्वारा प्रस्तुत होली के पारंपरिक गीतों ने कार्यक्रम की गरिमा को और अधिक बढ़ाया। उत्साह, उमंग और सामाजिक एकता के साथ मनाया गया यह होली महोत्सव समाज के बीच आपसी भाईचारे और सांस्कृतिक परंपराओं को सुदृढ़ करने का माध्यम बना।

जीडीमेटला में सीरवी समाज बडेर द्वारा होली महोत्सव आयोजित

पूजा-अर्चना एवं होली दहन के साथ सम्पन्न हुआ कार्यक्रम

हैदराबाद, 02 मार्च (शुभ लाभ ब्यूरो)। जीडीमेटला स्थित सीरवी समाज बडेर, जीडीमेटला में होली महोत्सव के उपलक्ष्य में श्रद्धा एवं उल्लास के साथ कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर विधि-विधान से पूजा-अर्चना की गई तथा पारंपरिक रीति-रिवाजों के अनुसार होली दहन का आयोजन किया गया।कार्यक्रम में संरक्षक मांगीलाल काग, उपाध्यक्ष सोहनलाल परिहार, उपाध्यक्ष दुर्गाराम मुलेवा, सचिव प्रेम पंवार, कोषाध्यक्ष भंवरलाल काग सहित समस्त कार्यकारिणी सदस्यगण एवं समाज बंधु उपस्थित रहे। होली दहन के अवसर पर समाजजनों ने एकता, भाईचारे एवं सामाजिक सद्भाव का संदेश दिया। कार्यक्रम श्रद्धा, उत्साह और पारंपरिक माहौल में संपन्न हुआ, जिसमें सभी ने मिलकर होली पर्व की मंगलकामनाएं व्यक्त कीं।

श्री वैष्णव सत्संग मंडल, सुल्तान बाजार के तत्वावधान में श्री नरसिंह मंदिर में होली के रसिया, होली के रंग श्री राधा-कृष्ण के संग कार्यक्रम श्रद्धा एवं उत्साह के साथ आयोजित किया गया। कार्यक्रम में मंडल के राधेश्याम दुर्गा राठी, ओमप्रकाश शारदा गुप्ता, बद्री प्रसाद सुरेखा सारडा, देवकिशन श्यामलता नावंधर, गोपीकिशन इंदिरा बंग, गुलाबचंद जयश्री देवड़ा, इंदिरा, पवन भराडिया सहित अनेक सदस्यों ने सहभागिता निभाई। विशेष रूप से दामु गुरु एवं गोपाल दोबा का आगमन रहा।

बेगम बाजार में विशाल श्याम बाबा फाल्गुन कीर्तन सम्पन्न

हैदराबाद, 02 मार्च (शुभ लाभ ब्यूरो)।

बेगम बाजार स्थित राजस्थानी क्षत्रिय माली संघ के तत्वावधान में विशाल श्याम बाबा फाल्गुन कीर्तन का भव्य आयोजन किया गया। कार्यक्रम में श्रद्धा, भक्ति और उत्साह का अद्भुत संगम देखने को मिला। बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने उपस्थित होकर श्याम बाबा के भजनों का आनंद लिया।

कीर्तन में दिल्ली से पधारी भजन गायिका रितु पांचाल तथा भजन गायक प्रतीक दाहिमा ने अपने मधुर भजनों से भक्तों को भाव-विभोर कर दिया। फाल्गुन माह के अवसर पर प्रस्तुत श्याम भजनों पर श्रद्धालु देर रात तक झूमते रहे।कार्यक्रम में मुख्य अतिथि जगन्नाथद्वारा खाकी अखाड़ा पीठाधीश्वर अमृत दास खाकी उपस्थित थे। अवसर पर अरुण दास, विंध्याचल ब्राह्मण सेवा संघ के अध्यक्ष सुनील कुमार पाण्डेय, गिरिराज मिश्रा,

आशीष कालिया, लखन तोतला, शुभम तोतला, खुशाल तोतला, केशव तोतला, विनोद शर्मा, अरुणा तोतला, बबीता तोतला, शंकर यादव सहित अन्य भक्तगण मौजूद रहे।

श्री बालाजी राजस्थानी मंडल अमीरपेट द्वारा आयोजित होली दहन कार्यक्रम में उपस्थित मंडल के अध्यक्ष अशोक सिंह राजपुरोहित, पूर्वाध्यक्ष उत्तम सिंह राजपुरोहित, आनंद सोनी,साथ में राजेन्द्र चंडक, विनोद बंग,राजेश बजाज,जितेंद्र अग्रवाल ,जुगल किशोर अग्रवाल,मुन्ना भूतड़ा एवं रामानंद राठी।

महावीर इंटरनेशनल हैदराबाद का होली मिलन एवं फेलोशिप मीट

हैदराबाद, 02 मार्च (शुभ लाभ ब्यूरो) । महावीर इंटरनेशनल हैदराबाद द्वारा आलेख्या रिसॉर्ट मोईनाबाद में होली मिलन एवं फेलोशिप मीट का आयोजन अत्यंत उत्साह, उल्लास एवं रंगारंग वातावरण के साथ सफलतापूर्वक संपन्न किया गया। कार्यक्रम में सदस्यों ने आपसी प्रेम और भाईचारे के साथ होली उत्सव का आनंद लिया।

इस अवसर पर संस्था के नए सदस्यों को माननीय रीजनल डायरेक्टर शील कुमार जैन एवं इंटरनेशनल डायरेक्टर सीमा शील कुमार जैन द्वारा शपथ ग्रहण एवं एमआई बैज प्रदान कर सम्मानित किया गया। बैज पिनिंग समारोह संस्था के चेयरमैन विनोद संचेती द्वारा संपन्न कराया गया। कार्यक्रम की संपूर्ण व्यवस्था एवं संचालन की जिम्मेदारी भी उन्होंने अत्यंत कुशलता एवं समर्पण के साथ निभाई, जिससे आयोजन भव्य एवं सुव्यवस्थित रहा।

कार्यक्रम की विशेषता प्राकृतिक (ऑर्गेनिक) रंगों एवं रंग-बिरंगे पुष्पों के साथ मनाई गई, जिसने पूरे वातावरण को आनंद से भर दिया।

इस सफल आयोजन हेतु - अर्चना नाहटा का, जिन्होंने भोजन एवं रिसॉर्ट व्यवस्था का उत्कृष्ट संचालन किया। उपाध्यक्ष अजय नाहटा एवं संयोजक वीर अरुण खिवसरा का, जिन्होंने अथक परिश्रम करते हुए स्वादिष्ट व्यंजन, ठंडाई, फल, मिठाइयों एवं अतिथि सत्कार की उत्कृष्ट व्यवस्था की। सह-संयोजक साधना सिसोदिया का, जिन्होंने रोचक तंबोला खेल का सफल आयोजन किया। अनीता खिवसरा का विशेष आभार व्यक्त किया गया, जिन्होंने मनोरंजक कपल गेम का संचालन कर सभी का भरपूर मनोरंजन किया।

कार्यक्रम के दौरान सदस्यों ने स्विमिंग, रेन डांस, विभिन्न खेलों एवं फेलोशिप गतिविधियों का आनंद लिया, जिससे यह आयोजन हंसी-खुशी, आपसी मेल-मिलाप एवं यादगार पिकनिक के रूप में परिवर्तित हो गया।

अतः चेयरमैन विनोद संचेती के धन्यवाद ज्ञापन के साथ यह आयोजन उत्साह, एकता एवं आनंद के साथ अत्यंत सफल रहा।

संघी समिति तेलंगाना की बैठक सम्पन्न

हैदराबाद, 02 मार्च (शुभ लाभ ब्यूरो) । संघी समिति तेलंगाना की महत्वपूर्ण बैठक शमशाबाद स्थित प्रेम संघी के एन.एस. फार्म हाउस में आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता करते हुए अध्यक्ष नागेंद्र संघी ने सभी सदस्यों का स्वागत किया और अपने उद्बोधन में संगठन की एकता एवं सक्रिय सहभागिता पर जोर दिया।

तत्पश्चात, सचिव प्रभात संघी ने पिछली बैठक की कार्यवाही (मिनट्स) का वाचन किया, जिसे सर्वसम्मति से अनुमोदित किया गया।

बैठक में सर्वसम्मति से निर्णय लिया गया कि होली मिलन समारोह 15 मार्च को एन.एस. फार्म्स में आयोजित किया जाएगा। सभी संघी परिवारों से आग्रह किया गया कि वे अधिक से अधिक संख्या में उपस्थित होकर कार्यक्रम को भव्य एवं सफल बनाएं।साथ ही, 30 एवं 31 मार्च को रेजड़ी खेजड़ी, काजरा में आयोजित होने वाले वार्षिक श्री शीतला माता मेले में भी सहभागिता करने का अनुरोध किया गया।

बैठक में अध्यक्ष नागेंद्र संघी, उपाध्यक्ष पंकज संघी, सचिव प्रभात संघी, संयुक्त सचिव अवधेश संघी, संजय संघी, कोषाध्यक्ष अनिल संघी, सलाहकार प्रताप नारायण संघी, सुबोध संघी, राजेंद्र संघी, निर्मला संघी, शशि संघी, प्रेम संघी, नकुल संघी, कविता संघी, सुनीता संघी, इंद्रा संघी, विवेक नारायण संघी, गौरव संघी, सुषमा संघी, यश संघी तथा सी.ए. मिषिका संघी उपस्थित रहे।

इस बैठक ने संगठन के लक्ष्यों और सामूहिक गतिविधियों को आगे बढ़ाने के लिए महत्वपूर्ण दिशा-निर्देश प्रदान किए।

ठंडी होली पूजन सम्पन्न

हैदराबाद, 02 मार्च (शुभ लाभ ब्यूरो) । अवंतिनगर क्षेत्र में महिलाओं ने पारंपरिक उल्लास और श्रद्धा के साथ गिड़कुलों की माला धारण कर ठंडी होली पूजन सम्पन्न किया गया। ।

ठंडी होली विशेष रूप से महिलाओं द्वारा शीतलता, सौहार्द और पारिवारिक सुख-समृद्धि की कामना के लिए मनाई जाती है। इस अवसर पर महिलाएँ पारंपरिक वेशभूषा में एकत्रित होकर गिड़कुलों (सूखे उपलों/कंडों) की माला बनाती हैं, प्रतीकात्मक रूप से उसे धारण करती हैं तथा विधि-विधान से पूजन करती हैं।

पूजन के दौरान मंगल गीत, भजन और लोक परंपराओं का निर्वहन किया गया। वातावरण में भक्ति, उत्साह और सामूहिक एकता की भावना स्पष्ट दिखाई दी। महिलाओं ने एक-दूसरे को अबीर-गुलाल लगाकर होली की शुभकामनाएँ भी दीं।

यह आयोजन न केवल धार्मिक आस्था का प्रतीक रहा, बल्कि समाज में पारंपरिक संस्कृति को संजोए रखने और नई पीढ़ी को उससे जोड़ने का भी माध्यम बना।

सूत्रधार साहित्यिक एवं सांस्कृतिक संस्था का फाल्गुन महोत्सव धूमधाम से सम्पन्न

हैदराबाद, 02 मार्च (शुभ लाभ ब्यूरो) । सूत्रधार साहित्यिक एवं सांस्कृतिक संस्था, हैदराबाद, भारत द्वारा फाल्गुन महोत्सव का भव्य ऑनलाइन आयोजन किया गया। कार्यक्रम में देश के विभिन्न राज्यों से साहित्यकारों और कवियों ने सहभागिता कर आयोजन को यादगार बना दिया।

संस्थापिका सरिता सुराणा ने अपने स्वागत उद्बोधन में कहा कि यह संस्था के लिए अत्यंत गर्व और प्रसन्नता का विषय है कि आज 75वीं मासिक गोष्ठी का आयोजन किया जा रहा है। संस्था निरंतर प्रगति पथ पर अग्रसर है और सभी सदस्यगण इसके सहभागी एवं साक्षी रहे हैं। उन्होंने सभी उपस्थित सदस्यों का हार्दिक स्वागत एवं अभिनंदन करते हुए वरिष्ठ लेखिका भावना पुरोहित को काव्य गोष्ठी की अध्यक्षता हेतु वर्चुअल मंच पर आमंत्रित किया।

कार्यक्रम का शुभारंभ सस्मिता नायक द्वारा मधुर स्वर में प्रस्तुत सरस्वती वंदना से हुआ। इसके पश्चात सरिता सुराणा ने संस्था द्वारा आयोजित अब तक के साहित्यिक एवं सांस्कृतिक कार्यक्रमों की विस्तृत जानकारी दी। उन्होंने बताया कि संस्था ने अब तक 10 बड़े ऑफलाइन तथा 400 से अधिक ऑनलाइन कार्यक्रम सफलतापूर्वक आयोजित किए हैं। इनमें उद्घाटन समारोह, पुस्तक लोकार्पण, सम्मान समारोह, वार्षिकोत्सव, अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस पर विशेष 'गार्गी सम्मान समारोह', हिन्दी दिवस परिचर्चा, विद्यार्थियों के लिए विद्यालयों में कविता एवं निबंध प्रतियोगिताएं, सरकारी विद्यालयों में निःशुल्क हिन्दी सुलेख माला पुस्तकों का वितरण तथा जरूरतमंद बच्चों को शैक्षिक सहायता जैसे विविध कार्यक्रम शामिल हैं।काव्य गोष्ठी का आरंभ श्रीया धपोला की प्रेरणादायक कविता तुम्हें खुद ही संभलना होगा से हुआ। इसके बाद कटक (उड़ीसा) से रिमझिम झा, बिहार से पिंकी मिश्रा, कोलकाता से सुशीला चनानी ने होली खेल रहे नंदलाल जैसी रचनाओं से होली गीतों का सुंदर वातावरण निर्मित किया।

हैदराबाद से अमिता श्रीवास्तव ने आध्यात्मिक भावों से ओतप्रोत रचना प्रस्तुत की, वहीं अशोक दोशी ने होली पर एक प्रभावशाली गीत सुनाया। मुंबई से नवल किशोर अग्रवाल ने बुरी लत त्यागें / अपने अंदर झांकें जैसी सशक्त रचना का पाठ किया।

सस्मिता नायक ने ओड़िया भाषा में आसीची-आसीची होली गीत प्रस्तुत कर सभी का मन मोह लिया। दर्शन सिंह ने पंजाबी भाषा में अपनी रचना सुनाई। हर्षलता दुधोड़िया ने मनमोहक लांगुरिया गीत की प्रस्तुति से श्रोत-ाओं को भावविभोर कर दिया।

सरिता सुराणा ने मीराबाई के भजन होली खेलत है गिरधारी की सस्वर प्रस्तुति दी। गोष्ठी का कुशल संचालन तृप्ति मिश्रा ने किया और अपनी रचना भी प्रस्तुत की।

अध्यक्षीय उद्बोधन में भावना पुरोहित ने सभी प्रतिभागियों की रचनाओं की मुक्तकंठ से प्रशंसा की तथा अपनी रचना होली पर बरसात / नीले आसमान में / इंद्रधनुषी रंगों की पिचकारी / हरि और हर का खेल का प्रभावशाली पाठ किया। गोष्ठी में किरन सिंह ने भी अपनी उपस्थिति दर्ज कराई।कार्यक्रम अत्यंत उल्लासपूर्ण एवं सौहार्दपूर्ण वातावरण में संपन्न हुआ।

साहित्य सेवा समिति की 133वीं मासिक गोष्ठी का सफल आयोजन

हैदराबाद, 02 मार्च (शुभ लाभ ब्यूरो) । साहित्य सेवा समिति ने अपनी 133वीं मासिक गोष्ठी ऑनलाइन प्रारूप में प्रथम रविवार, 1 मार्च 2026 को सफलतापूर्वक संपन्न की। समिति के अध्यक्ष डॉ. दयाकृष्ण गोयल एवं महामंत्री ममता जायसवाल की उपस्थिति में आयोजित इस गोष्ठी को दो सत्रों में संपादित किया गया। प्रथम सत्र में विषय चर्चा तथा द्वितीय सत्र में स्वरचित काव्य रचनाओं का पाठ किया गया।कार्यक्रम का शुभारंभ नीमा रवि द्वारा मधुर सरस्वती वंदना से हुआ। तत्पश्चात डॉ. दयाकृष्ण गोयल ने होली के संदर्भ में स्वागत भाषण प्रस्तुत किया।

इस गोष्ठी का विषय था- हिंदी साहित्य गीतों में व फिल्मी गीतों में होली के रंग। विषय प्रवेश कराते हुए ममता जायसवाल ने कहा कि मध्ययुगीन और छायावादी साहित्य में होली का वर्णन अपनी पूर्णता के साथ मिलता है, किंतु इसका व्यापक और आकर्षक स्वरूप लोकगीतों एवं लोक साहित्य में अधिक दृष्टिगोचर होता है। फिल्मी गीतों में भी होली के गीत सदैव प्रासंगिक रहे हैं। 1940 के दशक से प्रारंभ हुआ फिल्मी होली गीतों का सिलसिला आज तक निरंतर लोकप्रियता के साथ जारी है।

उज्जैन क्षेत्र के प्रमुख स्तंभकार शशांक दुबे ने मुख्य वक्ता के रूप में विषय पर प्रकाश डालते हुए कहा कि गीत जन-मन में गहराई तक उतर जाते हैं, जबकि संवाद का प्रभाव सीमित हो सकता है। साहित्य हो या फिल्म-दोनों में पद्य और संवाद की प्रस्तुति महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है।

सी.पी. दायमा ने विषय चर्चा को आगे बढ़ाते हुए विचार व्यक्त किया कि फिल्मी साहित्य और मान्य (शास्त्रीय) साहित्य में गीतों के संदर्भ में भिन्नता लगभग नगण्य है। सुनीता लुल्ला, दर्शन सिंह, जी. परमेश्वरन, गीता अग्रवाल, प्रहलाद जोशी आदि वक्ताओं ने भी होली संदर्भित गीतों में फिल्मी गीतों की वर्चस्वता को स्वीकार किया। प्रथम सत्र का संचालन ममता जायसवाल ने किया।

द्वितीय सत्र का संचालन गीता अग्रवाल ने अत्यंत सुंदर ढंग से किया। इस सत्र में उपस्थित कवियों द्वारा लोकगीत, श्रृंगार गीत, ग़ज़ल एवं व्यंग्य रचनाओं की प्रभावशाली प्रस्तुतियाँ दी गईं। काव्य पाठ करने वालों में सी.पी. दायमा, सत्य प्रसन्न, बैजनाथ सुनहरे, प्रहलाद जोशी, संगीता श्रीवास्तव, उमेश चंद यादव, दर्शन सिंह, गीता अग्रवाल, ममता जायसवाल, सुनीता लुल्ला एवं डॉ. दयाकृष्ण गोयल प्रमुख रहे।कार्यक्रम में गिरधारी लाल गुप्ता, जी. परमेश्वरन, नीमा रवि एवं के.पी. अग्रवाल की गरिमामयी उपस्थिति रही।अध्यक्षीय उद्बोधन में डॉ. दयाकृष्ण गोयल ने विषय की प्रासंगिकता तथा कवियों की उत्कृष्ट प्रस्तुतियों की सराहना करते हुए सभी को साधुवाद दिया। अंत में के.पी. अग्रवाल के धन्यवाद ज्ञापन के उपरांत सभा का समापन किया गया।

कर्मठ आर्य समाजी और पूर्व सांसद डॉ. जे. एम. वाघमारे का निधन, अंतिम संस्कार आज

हैदराबाद, 02 मार्च (शुभ लाभ ब्यूरो) । मध्य दक्षिण आर्य प्रतिनिधि सभा शिक्षा इकाई के कर्मठ आर्य समाजी, पूर्व राज्यसभा सदस्य, स्वामी रामानंद तीर्थ मराठवाड़ा यूनिवर्सिटी के पूर्व वाइस चांसलर और महान विचारक डॉ. जनार्दन माधवराव वाघमारे का सोमवार सुबह 8.30 बजे 93 वर्ष की आयु में निधन हो गया। उनके निधन से शिक्षा, सामाजिक क्षेत्र और आर्य जगत में शोक की लहर दौड़ गई। खासकर आर्य जगत और शिक्षा क्षेत्र की हस्तियां आहत हैं। उनका अंतिम संस्कार मंगलवार की सुबह 11 बजे कवठा, तहसील औसा, लातूर स्थित उनके खेत में वैदिक विधि से किया जाएगा।

11 नवंबर, 1934 को जन्मे डॉ. वाघमारे ने जीवन भर शिक्षा और सामाजिक बदलाव के काम में खुद को समर्पित किया। एक शिक्षाविद्, साहित्यकार और राजनेता के तौर पर उन्होंने राज्य और देश में अपनी एक अलग पहचान बनाई।

डॉ. वाघमारे नांदेड़ की स्वामी रामानंद तीर्थ मराठवाड़ा यूनिवर्सिटी के संस्थापक और पहले वाइस चांसलर थे। यूनिवर्सिटी की स्थापना से लेकर एजुकेशनल इंफ्रास्ट्रक्चर बनाने तक उन्होंने अहम भूमिका निभाई। मराठवाड़ा में आम आदमी के लिए हायर एजुकेशन के दरवाज़े खोलने में उनका बड़ा रोल था। उन्होंने इंग्लिश लिटरेचर के प्रोफेसर के तौर पर लंबे समय तक पढ़ाया। उन्होंने नीग्रो लिटरेचर, दलित साहित्य और प्रगतिशील साहित्य आंदोलन पर बल दिया। उन्होंने सामाजिक न्याय, सामाजिक एकता, आर्य विचारधारा का प्रचार आदि के लिए योगदान दिया।डॉ. वाघमारे इंडियन नेशनल कांग्रेस पार्टी से राज्यसभा के लिए चुने गए थे। राज्यसभा में अपने कार्यकाल के दौरान, उन्होंने शिक्षा, सोशल जस्टिस और वंचितों के मुद्दों पर असरदार रोल निभाया। उन्होंने तत्कालीन लातूर नगर परिषद् अब (लातूर महापालिका) के अध्यक्ष की भी ज़िम्मेदारी संभाली। उनके जाने से देश के विचारकों व आर्य जगत में एक बड़ा खालीपन आ गया है। डॉ. वाघमारे को 'लातूर पैटर्न' के जनक के तौर पर जाना जाता है, जो शिक्षा के क्षेत्र में पूरे भारत में जाना जाता है। उन्होंने लातूर में कॉम्पिटिटिव और रिजल्ट-ओरिएंटेड पढ़ाई के तरीकों, अनुशासित पढ़ाई और छात्रों का स्तर व गुणवत्ता ऊंची करनेवाली पढ़ाई का कॉन्सेप्ट डाला। लातूर पैटर्न, जिसका ज़िक्र आज पूरे देश में सम्मान के साथ किया जाता है, उसकी शुरुआती नींव डॉ. जे. एम. वाघमारे ने ही रखी थी।

विभिन्न हस्तियों द्वारा शोक व्यक्त

तेलंगाना आर्य प्रतिनिधि सभा के प्रधान व वेद विद्वान विट्ठलराव आर्य ने कहा कि डॉ. वाघमारे मध्य दक्षिण (निज़ाम स्टेट) आर्य प्रतिनिधि सभा से जुड़े रहे। पंडित नरेन्-द्रजी के जमाने से ही वे शिक्षा व आर्य समाज की गतिविधियों के लिए हैदराबाद आते जाते थे वे तत्कालीन मराठवाड़ा, कर्नाटक, तेलंगाना आंध्र के शिक्षा विभाग में थे।

ब्यावर यूथ क्लब ने बॉक्स क्रिकेट के साथ मनाया होली मिलन

हैदराबाद, 02 मार्च (शुभ लाभ ब्यूरो) । ब्यावर यूथ क्लब द्वारा वर्ष 2026 के अपने प्रथम फेलोशिप कार्यक्रम एवं आगामी होली पर्व के उपलक्ष्य में 'होली मिलन' समारोह का भव्य आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम 28 फरवरी को अतापुर स्थित छशु -ीशपर में रोमांचक बॉक्स क्रिकेट इवेंट के रूप में संपन्न हुआ।

कार्यक्रम की शुरुआत जोश और उत्साह के साथ हुई, जहाँ क्लब के सदस्यों ने क्रिकेट मैदान पर शानदार प्रदर्शन किया। खेल के साथ-साथ हंसी-मजाक, आपसी संवाद और सौहार्दपूर्ण वातावरण ने आयोजन को विशेष बना दिया।क्लब के अध्यक्ष एवं मंत्री ने सभी मेंटर्स और सदस्यों का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि इतनी बड़ी संख्या में सदस्यों की उपस्थिति ने इस इवेंट को न केवल सफल बनाया, बल्कि इसे यादगार और ऊर्जावान भी बना दिया।इस आयोजन को सफल बनाने में क्लब के अनेक उत्साही सदस्यों का महत्वपूर्ण योगदान रहा। प्रमुख रूप से दीपक साखंला, अरविंद खिंवसरा, जिनेंद्र लुकंड, नीलेश पीपाड़ा, अभिषेक मेहता, राहुल जैन, सौरभ जैन, प्रफुल्ल जैन, अरिहंत नबारिया, निखिल पीपाड़ा, सौरभ पीपाड़ा, अभिषेक पीपाड़ा, राजेश पाड़ावत, दक्ष पाड़ावत, अजय खिंवसरा, मोहित कावडिया, अक्षय अलीजर, शेरू खिंवसरा, विशेष खिंवसरा, उज्ज्वल खिंव-सरा, मोहित लुकंड, विनीत लुकंड, करण लुकंड, पंकज लुकंड, आशीष लुकंड, अंकित लुकंड, अभिषेक राठौड़, राजेश टोडरवाल एवं रौनक टोडरवाल सहित अन्य सदस्यों की सक्रिय भागीदारी रही।कार्यक्रम के समापन पर टीम ब्यावर यूथ क्लब ने घोषणा की कि उनका अगला बड़ा इवेंट शीघ्र आयोजित किया जाएगा, जिसकी तैयारियां प्रारंभ कर दी गई हैं। सभी सदस्यों ने एक-दूसरे को होली की अग्रिम शुभकामनाएँ देते हुए उत्साह और सौहार्द के साथ इस रंगारंग दिन का समापन किया।

अग्रवाल समाज तेलंगाना मैरिज डाटा कमेटी की 30वीं सभा सम्पन्न

हैदराबाद, 02 मार्च (शुभ लाभ ब्यूरो) । अग्रवाल समाज तेलंगाना मैरिज डाटा कमेटी की 30वीं सभा आज सफलतापूर्वक सम्पन्न हुई। सभा में छह अभिभावकों ने भाग लिया और अपने-अपने बायोडाटा के अनुसार विचार-विमर्श किया।

सभा का संचालन चेयरमैन अजय अग्रवाल ने किया। बैठक के दौरान कन्वीनर सतीश अग्रवाल, वाइस चेयरमैन सुनील मित्तल, अशोक जिंदल तथा लक्ष्मी नारायण अग्रवाल ने उपस्थित अभिभावकों को बायोडाटा दिखाने और उपयुक्त प्रस्तावों पर चर्चा कराने में सहयोग प्रदान किया।

बैठक में पारिवारिक मूल्यों, पारस्परिक समझ और उपयुक्त वैवाहिक संबंधों के चयन पर सकारात्मक चर्चा हुई। अंत में कन्वीनर सतीश अग्रवाल ने सभी उपस्थित अभिभावकों का आभार व्यक्त करते हुए सभा का समापन किया।

दक्षिण पश्चिम रेलवे के कार्यवाहक महाप्रबंधक को ज्ञापन सौंपा

कर्नाटक-राजस्थान रेल संपर्क सुदृढ़ करने की मांग

हुब्बल्ली, 02 मार्च (शुभ लाभ ब्यूरो) । कर्नाटक, राजस्थान, गुजरात एवं महाराष्ट्र के बीच निरंतर बढ़ती यात्री मांग को ध्यान में रखते हुए एक प्रतिनिधिमंडल ने दक्षिण पश्चिम रेलवे के कार्यवाहक महाप्रबंधक पी. अनंत को रेल संपर्क सुदृढ़ एवं विस्तारित करने संबंधी विस्तृत ज्ञापन सौंपा।

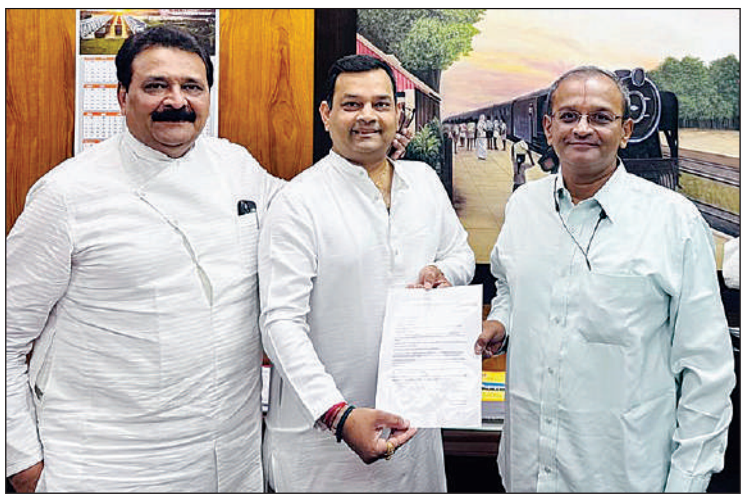

ज्ञापन में व्यापारिक समुदाय, विद्यार्थियों, रक्षा कर्मियों, प्रवासी श्रमिकों तथा विभिन्न परिवारों की बढ़ती यात्रा आवश्यकताओं का उल्लेख करते हुए त्वरित एवं सकारात्मक कार्यवाही की मांग की गई।

प्रतिनिधिमंडल द्वारा प्रस्तुत प्रमुख मांगें निम्नलिखित हैं:

ट्रेन संख्या 20693/20694 (बेंगलुरु-जोधपुर) का नियमितीकरण

प्रतिनिधिमंडल ने आग्रह किया कि बेंगलुरु से जोधपुर के मध्य संचालित ट्रेन संख्या 20693/20694, जो वर्तमान में सप्ताह में दो दिन संचालित होती है, उसे स्थायी (रेगुलर) सेवा के रूप में चलाया जाए तथा यात्रियों की सुविधा हेतु अतिरिक्त कोच जोड़े जाएं। यह ट्रेन कर्नाटक और राजस्थान के बीच महत्वपूर्ण संपर्क कड़ी है और इसमें निरंतर उच्च यात्री भार देखा जा रहा है।

ट्रेन संख्या 14805/14806 (यशवंतपुर-बाड़मेर एक्सप्रेस) की आवृत्ति बढ़ाने की मांग

ट्रेन संख्या 14805/14806 की वर्तमान साप्ताहिक सेवा को बढ़ाकर सप्ताह में कम से कम दो या तीन बार संचालित करने का प्रस्ताव रखा गया। बढ़ती प्रतीक्षा सूची एवं यात्री दबाव को देखते हुए इसे अत्यंत आवश्यक बताया गया।

ट्रेन संख्या 22689/22690 का जोधपुर/बाड़मेर तक विस्तार

यशवंतपुर से अहमदाबाद के मध्य संचालित ट्रेन संख्या 22689/22690 को भीलड़ी-जालोर मार्ग से जोधपुर अथवा बाड़मेर तक विस्तारित करने का सुझाव दिया गया। इससे उत्तर कर्नाटक एवं राजस्थान के विस्तृत क्षेत्र को सीधी रेल सुविधा प्राप्त होगी तथा यात्रियों को बार-बार ट्रेन बदलने की आवश्यकता नहीं पड़ेगी।

नई साप्ताहिक एक्सप्रेस ट्रेन प्रारंभ करने का प्रस्ताव

व्यापारियों, विद्यार्थियों, रक्षा कर्मियों एवं प्रवासी समुदाय की बढ़ती यात्रा मांग को ध्यान में रखते हुए यशवंतपुर से जोधपुर/बाड़मेर तक भीलड़ी एवं जालोर मार्ग से नई साप्ताहिक एक्सप्रेस ट्रेन प्रारंभ करने की मांग की गई। इससे वर्तमान ट्रेनों पर दबाव कम होगा और क्षेत्रीय रेल संपर्क सुदृढ़ होगा।

दिव्यांग यात्रियों के लिए ऑनलाइन रियायती टिकट बुकिंग सुविधा

दिव्यांग यात्रियों की सुविधा हेतु रियायती टिकट बुकिंग व्यवस्था को आईआरसीटीसी की वेबसाइट एवं मोबाइल ऐप के माध्यम से ऑनलाइन उपलब्ध कराने की मांग की गई। वर्तमान में स्टेशन पर जाकर टिकट प्राप्त करना विशेषकर ग्रामीण क्षेत्रों में रहने वाले दिव्यांग यात्रियों के लिए कठिन है।

यदि यह सुविधा ऑनलाइन उपलब्ध कराई जाती है तो दिव्यांगजन घर बैठे टिकट बुक कर सकेंगे, जिससे उनकी यात्रा अधिक सरल एवं सुरक्षित बनेगी तथा रेलवे सेवाओं में उनकी भागीदारी बढ़ेगी। यह पहल डिजिटल इंडिया अभियान को भी सशक्त समर्थन प्रदान करेगी तथा सामाजिक समावेशन एवं न्याय की दिशा में महत्वपूर्ण कदम सिद्ध होगी। साथ ही इस सुविधा के व्यापक प्रचार-प्रसार का भी अनुरोध किया गया।

प्रतिनिधिमंडल में दक्षिण पश्चिम रेलवे सलाहकार समिति (जेडआरयूसीसी) सदस्य महेंद्र सिंघी तथा बेंगलुरु मंडल रेलवे सलाहकार समिति सदस्य अश्विन सेमलानी सहित अन्य सदस्य उपस्थित रहे। प्रतिनिधिमंडल ने कहा कि इन रेल सेवाओं के सुदृढ़ीकरण से व्यापार, पर्यटन, सामाजिक एकीकरण एवं क्षेत्रीय आर्थिक विकास को महत्वपूर्ण प्रोत्साहन मिलेगा।

कार्यवाहक महाप्रबंधक ने सभी मांगों को गंभीरता से सुना तथा आश्वासन दिया कि प्रस्तावों का परीक्षण परिचालनिक व्यवहार्यता एवं यात्री मांग के आधार पर किया जाएगा।

समाज के प्रतिनिधियों ने आशा व्यक्त की कि रेलवे प्रशासन लाखों यात्रियों के हित में सकारात्मक निर्णय लेते हुए इन महत्वपूर्ण रेल संपर्कों को सुदृढ़ करने की दिशा में ठोस कदम उठाएगा।

दादी भक्तों ने खेली चन्दन की होली

बेंगलोर, 02 मार्च (शुभ लाभ ब्यूरो) । दादी धाम प्रचार समिति के तत्वावधान में रांका कॉलोनी स्थित निर्माणाधीन श्री सालासर बालाजी मंदिर के हॉल में रविवार को चन्दन की होली का भव्य आयोजन किया गया। इस अवसर पर दादी जी का सुंदर दरबार सजाया गया।कार्यक्रम की शुरुआत सालासर बालाजी मंदिर के उपाध्यक्ष सतीश मित्तल, समिति के अध्यक्ष शिवकुमार संतोष टेकड़ीवाल, कार्यक्रम संयोजक रचना डालमिया, दीपेश-शिवानी बंसल, और राघव चौधरी ने विधिवत पूजन कर हनुमान चालीसा के पाठ के साथ की।दादी जी के भजनों और धमाल पर श्रीमती अलका खेड़वाल, रामसुंदर बगड़िया, और अनूप अग्रवाल द्वारा प्रस्तुतियों ने भक्तों को नाचने और झूमने पर मजबूर कर दिया। सभी भक्तों ने गंगाजल और चन्दन से हॉल में होली खेलकर आनंद लिया।

इस अवसर पर सती की महिमा नामक पुस्तक का विमोचन भी किया गया और समिति द्वारा प्रकाशित दादीजी पंचांग 26-27 का वितरण किया गया। उपस्थित भक्तों ने होली पर्व की शुभकामनाएं दीं।कार्यक्रम में मनीत सोमानी, संजय नोपानी, संजीव-अंशु खेतान, विनय-मीणा राय, रामबिलास अग्रवाल, किशोरी लाल लोहिया समेत बड़ी संख्या में भक्त उपस्थित थे। दादीजी रसोई (प्रसाद) के साथ कार्यक्रम का समापन हुआ, और सचिव संजय चौधरी ने आभार प्रकट किया। संचालन शिवकुमार टेकड़ीवाल ने किया।

इस प्रकार, यह आयोजन दादी जी के भक्तों के लिए एक यादगार पल बना, जिसमें सभी ने धार्मिक और सांस्कृतिक मिलन का आनंद लिया।

ब्रह्मर्षि सेवा समाज हैदराबाद का रंगोत्सव एवं होली मिलन समारोह सम्पन्न

हैदराबाद, 02 मार्च (शुभ लाभ ब्यूरो)। ब्रह्मर्षि सेवा समाज हैदराबाद द्वारा रविवार, 1 फरवरी 2026 को प्रातः 10:00 बजे से रंगों का त्योहार होली मिलन समारोह गंडीपेट स्थित ड्यू ड्रॉप पार्टी फार्म हाउस में हर्षोल्लास एवं धूमधाम के साथ मनाया गया।

समाज के महासचिव श्री पंकज कुमार (सीए) ने प्रेस को बताया कि होली ब्रह्मर्षि समाज का पारंपरिक त्योहार है और समाज की स्थापना के समय से ही इसे सदस्यों के साथ सामूहिक रूप से मनाया जाता रहा है। इस वर्ष भी परंपरा का निर्वहन करते हुए शहरद्वय के ब्रह्मर्षि परिवारों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया।

समाज की उपाध्यक्ष श्रीमती अनीता राय ने गुलाल का टीका लगाकर सभी सदस्यों का स्वागत किया। सदस्यों ने एक-दूसरे को गले मिलकर होली की शुभकामनाएँ दीं और गुलाल लगाया। इस अवसर पर भोजपुरी, मैथिली, बज्जिका आदि भाषाओं में पारंपरिक लोकगीत गाकर वातावरण को रंगमय बना दिया गया।

महिला शाखा की अध्यक्ष गीतू शर्मा, कार्यकारिणी सदस्य पूजा मिश्रा एवं स्वप्निल राय के नेतृत्व में पुरुष, महिला और बच्चों के लिए विभिन्न मनोरंजक खेल एवं प्रतियोगिताएं आयोजित की गईं, जिनमें सभी ने उत्साहपूर्वक भाग लिया।

पुरुष वर्ग की खेल प्रतियोगिता के विजेता कुमार प्रियंवद, राजेश मिश्रा, आर्यव मिश्रा, मुकेश कुमार एवं मुकुंद कुमार रहे। लड़कियों की प्रतियोगिता में अक्षिति मिश्रा, रीया एवं मनस्वी पाराशर विजेता रहीं। बच्चों की प्रतियोगिता में आराध्या एवं अभिनव मिश्रा ने बाजी मारी। अनीता राय के नेतृत्व में होली विशेष तंबोला का भी आयोजन किया गया। सभी विजेताओं को समाज की ओर से पुरस्कार प्रदान किए गए।

उपस्थित सदस्यों ने फार्म हाउस की सुविधाओंस्विमिंग, बैडमिंटन, झूला आदिका भी आनंद लिया। होली की मस्ती और उल्लासपूर्ण माहौल ने पूरे वातावरण को मनमोहक बना दिया।

कार्यक्रम के दौरान स्वादिष्ट जलपान, मध्यान्ह भोजन एवं हाई टी की व्यवस्था रही। वरिष्ठ सदस्य एस.एन. शर्मा एवं रत्नेश कुमार की गरिमामयी उपस्थिति उल्लेखनीय रही। धन्यवाद ज्ञापन के साथ कार्यक्रम का समापन हुआ।

कार्यक्रम की सफलता में सह सचिव मुकेश कुमार, पूर्व कोषाध्यक्ष प्रेमशंकर सिंह, गोविंद जी राय, पूर्व उपाध्यक्ष सुधा राय, प्रियंका सिंह सहित अनेक सदस्यों का विशेष योगदान रहा।

इस अवसर पर डॉ. आशा मिश्रा, जी.पी. शर्मा, प्रतिभा शर्मा, आईशु, कुमार प्रियंवद, अनु कुमारी, आलोक सिंह, श्वेता सिंह, मीतू शर्मा, सरोज सिंह, नेहा सिंह, अमित पराशर, सुगंधा पाराशर, ज्ञान प्रकाश शर्मा, कार्तिक, जय किशोर सिंह, पिंटू सिंह, विनय कुमार सिंह, अशोक कुमार राय, मुकुंद चौधरी, मोती मिश्रा, प्रेमशीला सिंह, सुभाष सिंह, बेबी सिंह, अंजली सिंह, आभा कुमार, पिंकी राय, सुभाषचंद्र, अनुपम चंद्र, रिंकू सिंह, आर्यव मिश्रा, अक्षिति मिश्रा सहित अनेक सदस्यों ने अपनी उपस्थिति से कार्यक्रम को सफल बनाया।

माथुर वैश्य इंटरनेशनल हैदराबाद ग्रेटर क्लब द्वारा रंगभरी एकादशी के पावन अवसर पर हिन्दी नगर माता मंदिर में सामूहिक रूप से होली फाग का शुभारंभ किया गया। इस अवसर पर सभी श्रद्धालुओं ने राधा-कृष्ण के भजनों का ढोलक और मंजीरों की मधुर धुनों के साथ सामूहिक गायन किया। भक्ति और उल्लास से ओतप्रोत वातावरण में होली फाग की पारंपरिक शुरुआत की गई। कार्यक्रम में क्लब की अध्यक्षा दिव्या, कोषाध्यक्षा कविता, सचिव रश्मि गुप्ता, पीआरओ बीना गुप्ता, श्वेता कतरौलिया, पूजा, रीतू, तनुजा, प्राची, चन्द्रकान्ता सहित अन्य धार्मिक महिलाएं विशेष रूप से उपस्थित रहीं।

रणस्थलम में 'विशिष्ट हिंदी प्रतिभा रत्न पुरस्कार-2025' समारोह सम्पन्न

उत्तरांध्र के छात्र, शिक्षक व विद्यालय हुए सम्मानित

हैदराबाद, 02 मार्च (शुभ लाभ ब्यूरो)। हिंदी सेवासदन की ओर से आंध्र प्रदेश में कक्षा 6 से इंटरमीडियट तक अध्ययनरत विद्यार्थियों के लिए आयोजित हिंदी प्रतियोगिता परीक्षा के विजेताओं को 'विशिष्ट हिंदी प्रतिभा रत्न पुरस्कार-2025' से सम्मानित किया गया। यह भव्य समारोह श्रीकाकुलम जिले के रणस्थलम स्थित भाष्यम विद्यालय में कोने श्रीधर के नेतृत्व में धूमधाम से आयोजित हुआ।

दो चरणों में हुई प्रतियोगिता परीक्षा

हिंदी सेवासदन द्वारा विद्यालय एवं कॉलेज स्तर पर प्रथम चरण की हिंदी प्रतियोगिता परीक्षा आयोजित की गई, जिसमें कक्षा अनुसार प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय स्थान प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों का चयन जिला एवं राज्य स्तरीय द्वितीय चरण परीक्षा के लिए किया गया।

द्वितीय चरण में उत्तरांध्र संयुक्त जिलों श्रीकाकुलम, विजयनगरम एवं विशाखपट्टणमके प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय स्थान प्राप्त करने वाले छात्रों, उत्कृष्ट हिंदी अध्यापकों, प्राध्यापकों, विद्यालयों एवं कॉलेजों को ङ्गविशिष्ट हिंदी प्रतिभा रत्न पुरस्कार-2025फ प्रदान किया गया।

मुख्य अतिथि के करकमलों से सम्मान

कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में केंद्र सहकारिता एवं पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय की हिंदी सलाहकार समिति के सदस्य एस. गैबुवली उपस्थित रहे। विशिष्ट अतिथि के रूप में सेवानिवृत्त जिला शिक्षाधिकारी बी. मल्लेश्वर राव ने भी अपनी गरिमामयी उपस्थिति दर्ज कराई।

अतिथियों के करकमलों से छात्रों को पदक एवं प्रशंसा पत्र प्रदान किए गए। वहीं हिंदी अध्यापक, प्राध्यापक तथा उत्कृष्ट विद्यालय एवं कॉलेजों के प्रतिनिधियों को शॉल, माला एवं स्मृति चिह्न देकर सम्मानित किया गया।

हिंदी के महत्व पर दिया गया संदेश

एस. गैबुवली ने अपने संबोधन में कहा कि इस प्रकार की हिंदी प्रतियोगिता परीक्षाओं से छात्रों में राजभाषा हिंदी के प्रति जागरूकता बढ़ती है तथा पाठ्य पुस्तकों पर उनकी पकड़ मजबूत होती है। विशेष रूप से दसवीं कक्षा के विद्यार्थियों के लिए यह परीक्षा अत्यंत उपयोगी है, जिससे वे अंतिम परीक्षा को अधिक आत्मविश्वास के साथ लिख सकते हैं। साथ ही प्रतियोगी परीक्षाओं की लेखन पद्धति एवं समय-प्रबंधन की समझ भी विकसित होती है।

कार्यक्रम में हिंदी मंच के अध्यक्ष, आंध्र प्रदेश हिंदी प्रचार सभा के संयोजक एवं केंद्र वित्त मंत्रालय की हिंदी सलाहकार समिति के सदस्य कोने श्रीधर, आंध्र प्रदेश हिंदी प्रचार सभा के अध्यक्ष डॉ. सी.एल. नायुडु, हिंदी मंच की नेता बाडा मंजुला, रामाराव, एलूरु श्रीनिवास, उमाबाला, पाडेरु शेट्टी सूरी बाबु, भाष्यम विद्यालय के प्राचार्य ईश्वर राव, एम.वी. मल्लेश्वर राव, सूर्या अस्पताल के डॉ. यश्वंत, विभिन्न जिलों के प्रतिनिधि प्रभावति, पद्मनाभ राजु, एस. संतोषी सहित उत्तरांध्र संयुक्त जिलों श्रीकाकुलम, विजयनगरम एवं विशाखपट्टणमके हिंदी अध्यापक, प्राध्यापक, विद्यालय एवं कॉलेज प्रतिनिधि, छात्र-छात्राओं के अभिभावक एवं अन्य गणमान्यजन उपस्थित रहे।

समारोह उत्साह एवं गरिमा के साथ सम्पन्न हुआ, जिसमें हिंदी भाषा के प्रचार-प्रसार और विद्यार्थियों के उत्साहवर्धन का संदेश दिया गया।

हाल ही में चेन्नई में भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री नितिन नबीन से शिष्टाचार भेंट करते हुए बीजेपी के गोवंश विकास प्रकोष्ठ के पूर्व राष्ट्रीय कार्यकारिणी सदस्य महेश अग्रवाल।

DAILY शुभ लाभ Classifieds FIND BUY SELL

CHANGE OF NAME

I, BABITHA SHYAM is legally wedded Spouse of Service No-14665089Y, Rank-HAV Name-Shyam Kumar M R/o Cheruvichery, PO-Mathamangalam, Via-M M Bazar, District-Kannur,PIN-670306,State-Kerala, I have changed my Name from BABITHA SHYAM to BABITHA D add in my husband service documents date 27 Feb 2026 before X Spl Judicial Magistrate Hyderabad.

CHANGE OF NAME

I, NAVEENA is legally wedded Spouse of Service No-14663741A, Rank-HAV Name-Chevuru Arogyaswamy, R/o Vill-Melupaka, PO-Polireddypalem, District-Nellore,PIN-524123,State-Andhra Pradesh I have changed my Name from NAVEENA to CHEVURU NAVEENA and DOB is 16 February 1988 add in my husband service documents vide affidavit date 27 Feb 2026 before X Spl Judicial Magistrate Hyderabad.

CHANGE OF NAME & DOB

I, Service No-14665089Y, Rank-HAV Name-Shyam Kumar M R/o Cheruvichery, PO-Mathamangalam, Via-M M Bazar, District-Kannur,PIN-670306,State-Kerala, I have changed my Mother Name from SHYAMALA M to KOMALA MANNIYATH and also date of birth changed from 01/07/1953 to 01/01/1958 add in my service documents vide affidavit date 26 Feb 2026 before G Ramchander Advocate Secunderabad.

CHANGE OF NAME

मैं, मदामासेट्टी नागमणि, पति : मदामसेट्टी सतीश, निवासी : ग्राम येल्लांडु, डाकघर – येल्लांडु, तहसील – येल्लांडु, जिला – भद्राद्री कोत्तागुडेम (पूर्व में खम्मम जिला पुनर्गठित होकर नया जिला भद्राद्री कोत्त ागुडेम बनाया गया), राज्य – तेलंगाना, पिन – 507123, अपना नाम मदामासेट्टी नागमणि से बदलकर मदामसेट्टी नागमणि कर लिया है। यह परिवर्तन दिनांक 02-03-2026 के शपथपत्र के माध्यम और येल्लांडु में न्यायिक प्रथम श्रेणी मजिस्ट्रेट की आज्ञा से किया गया है।

CHANGE OF NAME & DOB

I, Service No-14652621F, Rank-HAV Name-N Narayanan R/o Vill-Alagarnayakkanpatti, PO-Velnagar (Periyakulam East), Teh-Periyakulam, District-Theni,PIN-625604,State-Tamilnadu, I have changed my Mother Name from N RAJESHWARI to RAJESWARI and also date of birth changed from 01/07/1962 to 01/01/1959 add in my service documents vide affidavit date 26 Feb 2026 before G Ramchander Advocate Secunderabad.

CHANGE OF NAME & DOB

I, Service No-14652621F, Rank-HAV Name-N Narayanan R/o Vill-Alagarnayakkanpatti, PO-Velnagar (Periyakulam East), Teh-Periyakulam, District-Theni,PIN-625604,State-Tamilnadu, I have changed my Son Name from KISHOR HARI RAM to KISHORE HARI RAM N and also date of birth changed from 12/03/2012 to 12/03/2010 add in my service documents vide affidavit date 26 Feb 2026 before G Ramchander Advocate Secunderabad.

आरटीसी ने एसी बसों के किराए में की भारी कटौती

हैदराबाद , 02 मार्च (शुभ लाभ ब्यूरो)।

ग्रीष्म ऋतु के आगमन से पहले शहर के यात्रियों को बड़ी राहत देते हुए तेलंगाना सड़क परिवहन निगम (टीजी एसआरटीसी) ने हैदराबाद में संचालित ई-मेट्रो एसी और मेट्रो डीलक्स बसों के टिकट किराए में कटौती की घोषणा की है। संशोधित दरें रविवार से प्रभावी हो गई हैं।अधिकारियों ने स्पष्ट किया कि किराए में यह कटौती विशेष रूप से ई-मेट्रो एसी और मेट्रो डीलक्स एसी बसों पर ही लागू होगी। शहर या अंतरराज्यीय सेवाओं की किसी अन्य श्रेणी के किराए में कोई बदलाव नहीं किया गया है।

किराए में संशोधन के तहत, मेट्रो डीलक्स एसी बसों का किराया प्रत्येक चार किलोमीटर के लिए 30 रुपये से घटाकर 25 रुपये कर दिया गया है। इसका अर्थ है कि प्रति स्लैब में 5 रुपये की कमी की गई है।

ई-मेट्रो एसी श्रेणी में किराए में और भी अधिक कटौती की गई है। इस सेगमेंट में प्रत्येक चार किलोमीटर के लिए किराया 35 रुपये से घटाकर सीधा 25 रुपये कर दिया गया है, जो प्रति स्लैब 10 रुपये की बड़ी गिरावट है। निगम का यह कदम चिलचिलाती गर्मी में आम जनता को एसी बसों के सफर के लिए प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से लिया गया है।

दिव्यांगजनों के लिए मुफ्त बस यात्रा की खबर फर्जी

तेलंगाना राज्य सड़क परिवहन निगम (टीजीएसआरटीसी) ने आरटीसी बसों में दिव्यांग व्यक्तियों के लिए मुफ्त यात्रा संबंधी खबरों को पूरी तरह फर्जी बताते हुए स्पष्ट किया है कि इस प्रकार का कोई आदेश जारी नहीं किया गया है।निगम ने 2 मार्च, 2026 को अपने आधिकारिक एक्स हैंडल पर बयान जारी कर कहा कि सोशल मीडिया पर प्रसारित की जा रही जानकारी भ्रामक है। टीजीएसआरटीसी ने फर्जी खबरें फैलाने वालों के खिलाफ सख्त आपराधिक कार्रवाई की चेतावनी भी दी है और जनता से अपील की है कि वे केवल आधिकारिक घोषणाओं पर ही भरोसा करें। एक सप्ताह पूर्व टीजीएसआरटीसी ने स्पष्ट किया था कि 25 फरवरी से 13 मार्च 2026 तक आयोजित इंटरमीडिएट पब्लिक परीक्षाओं के दौरान बस पास रखने वाले सभी पुरुष परीक्षार्थी ग्रेटर हैदराबाद जोन में परीक्षा केंद्रों तक आने-जाने के लिए निःशुल्क यात्रा कर सकते हैं। यह सुविधा केवल परीक्षार्थियों के लिए अस्थायी रूप से लागू की गई थी।

आंध्र प्रदेश में अलग योजना

उल्लेखनीय है कि दिसंबर 2025 में एन चंद्रबाबू नायडू ने आंध्र प्रदेश राज्य सड़क परिवहन निगम (एपीएसआरटीसी) की बसों में सभी दिव्यांगजनों के लिए मुफ्त परिवहन सुविधा की घोषणा की थी। साथ ही अमरावती को दिव्यांग-अनुकूल शहर के रूप में विकसित करने का आश्वासन भी दिया गया था। इस योजना से आंध्र प्रदेश में लगभग दो लाख दिव्यांगजनों को लाभ मिलने की उम्मीद जताई गई थी। टीजीएसआरटीसी ने स्पष्ट किया है कि तेलंगाना में वर्तमान में दिव्यांगजनों के लिए ऐसी कोई मुफ्त बस यात्रा योजना लागू नहीं है।

हैदराबाद के विकास को मिली रफ्तार: परियोजनाओं को दी मंजूरी

हैदराबाद, 02 मार्च (शुभ लाभ ब्यूरो)।

ग्रेटर हैदराबाद नगर निगम (जीएचएमसी) की सोमवार को आयोजित एक उच्च स्तरीय बैठक में शहर के बुनियादी ढांचे को मजबूत करने के लिए कई महत्वपूर्ण परियोजनाओं को हरी झंडी दी गई। इसमें खिलवत स्थित चौमहल्ला पैलेस के पास एक मल्टी-लेवल पार्किंग कॉम्प्लेक्स का निर्माण भी शामिल है।नगर प्रशासन और शहरी विकास के विशेष मुख्य सचिव और विशेष अधिकारी जयेश रंजन ने बैठक के दौरान रसूलपुरा जंक्शन पर 4-लेन वाली एकतरफा सड़क के निर्माण और इसके लिए 26 संपत्तियों के अधिग्रहण की संशोधित योजना को मंजूरी दी। इसके अलावा, ओवैसी जंक्शन फ्लाईओवर से संतोष नगर की ओर जाने वाले मलेफ्ट आर्म डाउन रैम्पफ के निर्माण पर भी मुहर लगाई गई। बैठक में जीएचएमसी कमिश्नर आर. वी. कर्णन और अन्य वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे।

फ्लाईओवर और अंडरपास निर्माण को प्राथमिकता

बैठक में एनएफसीएल और टीवी9 जंक्शनों पर फ्लाईओवर और अंडरपास कार्यों को भी स्वीकृति दी गई। साथ ही, रेतीबोवली-नानल नगर जंक्शनों पर फ्लाईओवर/ग्रेड सेपरेटर के निर्माण और इसके लिए 106 संपत्तियों के अधिग्रहण को मंजूरी मिली। अन्य प्रमुख कार्यों में फलकनुमा में एक समानांतर आरओबी के लिए प्रशासनिक अनुमति, फतहनगर फ्लाईओवर का नवीनीकरण और अफजल सागर नाले का पुनर्निर्माण शामिल है। विशेष रूप से, बरकतपुरा जंक्शन पर अटल बिहारी वाजपेयी की प्रतिमा स्थापित करने का भी निर्णय लिया गया।

मेलारदेवपल्ली और काटेडन जंक्शनों पर बनेगा 6-लेन ग्रेड सेपरेटरपरिवहन को सुगम बनाने के लिए मेलारदेवपल्ली-शमशाबाद रोड-काटेडन जंक्शनों पर 6-लेन वाले ग्रेड सेपरेटर के निर्माण और पाटीगड्डा आरओबीके निर्माण को मंजूरी दी गई है। इसके अतिरिक्त, बुनियादी ढांचे को और अधिक विस्तार देने के उद्देश्य से साइबराबाद और मल्कजगिरी निगमों के लिए 500-500 करोड़ रुपये के बजट आवंटन को भी बैठक में पारित किया गया।

कालेश्वरम जांच में हरीश राव को मिला अत्यधिक न्याय : तेलंगाना सरकार

हैदराबाद , 02 मार्च (शुभ लाभ ब्यूरो)।

तेलंगाना सरकार ने सोमवार को हाई कोर्ट में कहा कि कालेश्वरम सिंचाई परियोजना में कथित अनियमितताओं की पी.सी. घोष आयोग द्वारा की गई जांच के दौरान पूर्व मंत्री और बीआरएस विधायक टी. हरीश राव को केवल मप्राकृतिक न्यायफ ही नहीं, बल्कि मअत्यधिक न्यायफ मिला है।

यह दलील मुख्य न्यायाधीश आलोक अराधे और न्यायमूर्ति जे. श्रीनिवास राव (संदर्भित पीठ) के समक्ष पेश की गई। राज्य सरकार की ओर से पेश वरिष्ठ अधिवक्ता अभिषेक मनु सिंघवी ने तर्क दिया कि हरीश राव ने बिना किसी दबाव या आपत्ति के स्वेच्छा से इस जांच में भाग लिया था। सिंघवी ने कहा, ङ्गङ्घप्रक्रिया का पालन न करने की एक भी शिकायत नहीं की गई, न ही जिरह का कोई अनुरोध किया गया। अब रिपोर्ट और आरोपों को रद्द करने की उनकी याचिका केवल एक मबाद का विचारफ है।ङ्घङ्ग

सिंघवी ने आरोप लगाया कि याचिकाकर्ता इस गलत धारणा पर आगे बढ़ रहे हैं कि तथ्य-खोज आयोग दंडात्मक या प्रतिशोधात्मक होते हैं। उन्होंने कहा, ङ्गङ्घवे कानून के ऐसे संस्करण से लड़ रहे हैं जो वास्तव में अस्तित्व में ही नहीं है। चूंकि ये रिपोर्टें अनुपालन लागू करने के बजाय केवल तथ्य जुटाने के लिए हैं, इसलिए उनकी दलीलें बेबुनियाद हैं।ङ्घङ्ग उन्होंने आगे कहा कि मामले को राज्य पुलिस के बजाय सीबीआई को सौंपना सरकार की पारदर्शिता और नेक नियति को दर्शाता है, न कि किसी राजनीतिक प्रतिशोध को।

परियोजना की कमियों को उजागर करते हुए सिंघवी ने नेशनल डैम सेफ्टी अथॉरिटी का हवाला दिया और कहा कि केंद्रीय एजेंसी ने परियोजना के कार्यान्वयन, विशेष रूप से मेदिगड्डा बैराज पर गंभीर चिंताएं जताई हैं। उन्होंने दलील दी कि इतनी बड़ी परियोजना, जिस पर 80,000 करोड़ रुपये से अधिक खर्च किए गए, उसके लिए आवश्यक स्वीकृतियां प्राप्त नहीं की गईं। सिंघवी ने कहा, ङ्गङ्घकेंद्रीय जल आयोग से कोई मंजूरी नहीं ली गई, उच्च शक्ति समिति की सिफारिशों की अनदेखी की गई और सबसे महत्वपूर्ण बात यह कि कैबिनेट उप-समिति से भी कोई अनुमोदन नहीं लिया गया।ङ्घङ्ग

अभिषेक मनु सिंघवी ने डिजाइन दोषों और सिंचाई मंत्रालय (तब हरीश राव के पास) तथा मुख्यमंत्री कार्यालय के बीच फाइलों की आवाजाही की ओर इशारा किया। उन्होंने कैग की रिपोर्ट का हवाला देते हुए बताया कि परियोजना की लागत 1.4 लाख करोड़ रुपये से अधिक हो गई है। उन्होंने अपनी दलीलें समाप्त करते हुए कहा, ङ्गङ्घइस परियोजना की एकमात्र विरासत यह है कि राज्य अब ब्याज के रूप में प्रति वर्ष लगभग 6,500 करोड़ रुपये का भुगतान कर रहा है।ङ्घङ्ग अदालत मंगलवार को केसीआर, वरिष्ठ आईएएस अधिकारी स्मिता सबरवाल और पूर्व आईएएस अधिकारी एस.के. जोशी की याचिकाओं पर राज्य के जवाब सुनेगी।

मानव सेवा ही माधव सेवा: राधे-राधे ग्रुप द्वारा विभिन्न स्थानों पर नित्य अन्नदान

हैदराबाद, 02 मार्च (शुभ लाभ ब्यूरो)।

परोपकार और सेवा की अपनी समृद्ध परंपरा को जारी रखते हुए मराधे-राधे ग्रुपफ द्वारा सोमवार को शहर के प्रमुख स्थानों पर नित्य अन्नदान (अल्पहार) सेवा का सफल आयोजन किया गया। यह सेवा नामपल्ली स्थित पब्लिक गार्डन (पिलर नंबर अ1265) और बेगमबाजार स्थित गौशाला, पुल की माता मंदिर के पास आयोजित की गई।

सोमवार, 2 मार्च 2026 को फाल्गुन मास, शुक्ल पक्ष की चतुर्दशी तिथि के पावन अवसर पर इस सेवा का आयोजन किया गया। विशेष रूप से, यह सेवा भारत कोकिला श्रीमती सरोजिनी नायडू जी की पुण्यतिथि की स्मृति में समर्पित की गई। सुबह 7:31 बजे से ही ग्रुप के सदस्यों ने जरूरतमंदों के बीच अल्पहार का वितरण शुरू कर दिया था।

इस पुनीत कार्य में राधे-राधे ग्रुप के वरिष्ठ सदस्यों और कार्यकर्ताओं ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। सेवा कार्य में मुख्य रूप से महेश अग्रवाल, रवि अग्रवाल, विनोद तोषनीवाल, अनिल भाई और गोविंद राम जी सक्रिय रहे।

साथ ही महेश गोयल, अरुण विजयवर्गीय, लता गोयल, नीलम विजयवर्गीय, मीना अग्रवाल, शर्मिला अग्रवाल, अर्चना शास्त्री, रेणु शर्मा, रेणु गुप्ता और रामप्रकाश अग्रवाल ने भी अपनी सेवाएँ अर्पित कीं।

अन्नदान के दौरान सुनीता अग्रवाल, रोहित अग्रवाल, सुमन अग्रवाल, प्रीतिका अग्रवाल, जयप्रकाश सारडा, भगीराम गोयल, महेश गुप्ता, सुशील गुप्ता, मनीष गुप्ता, निशा गुप्ता, कैलाश चंद केडिया, निर्मला केडिया, सुरेश सिंघल, सोहनलाल दाहिमा, ई-जगन चम्पापेट और मनीष अग्रवाल सहित ग्रुप के अन्य सदस्यों ने अपनी उपस्थिति दर्ज कराई।

कार्टून कॉर्नर

नशे में धुत युवक ने मर्सिडीज के बोनट पर पुलिसकर्मी को 800 मीटर तक घसीटा

हैदराबाद , 02 मार्च (शुभ लाभ ब्यूरो)।

गच्चीबाउली इलाके में शनिवार को एक दिल दहला देने वाली घटना सामने आई, जहाँ नशे में धुत एक युवक ने तेज रफ्तार कार चलाते हुए एक अन्य वाहन को टक्कर मार दी और रोकने की कोशिश कर रहे पुलिसकर्मी को बोनट पर लटकाकर करीब 800 मीटर तक घसीटा। पुलिस ने आर-ोपी के खिलाफ महत्या के प्रयासफ का मामला दर्ज कर उसे गिरफ्तार कर लिया है।

घटना का वीडियो रविवार को सोशल मीडिया पर वायरल हो गया।गच्चीबाउली पुलिस के अनुसार, आरोपी की पहचान 24 वर्षीय जी. तरुण के रूप में हुई है, जो नरसिंगी का निवासी है। उसे रविवार को न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया। गौरतलब है कि शनिवार को आरोपी का जन्मदिन था। जांच में उसके रक्त में अल्कोहल का स्तर (बीएसी) 160 मिलीग्राम पाया गया, जबकि कानूनी सीमा मात्र 30 मिलीग्राम है।आरोपी अपनी मर्सिडीज बेंज कार से नानकरामगुडा इलाके में जा रहा था, तभी उसने एक कार को पीछे से टक्कर मार दी और डिवाइडर से टकराते हुए मौके से भाग निकला।

सूचना मिलते ही पुलिस ने मार्ग पर नाकेबंदी कर दी।गच्चीबाउली इंस्पेक्टर के. बालराजू ने बताया, ङ्गङ्घट्रैफिक पुलिस ने पहले उसे गच्चीबाउली चौराहे पर रोकने की कोशिश की, लेकिन वह चकमा देकर भाग गया। जब वह खखखढ जंक्शन पहुंचा, तो कांस्टेबल ई. नरसिम्हुलु ने उसे रोकने का प्रयास किया।

अणुव्रत समिति का 78वां स्थापना दिवस प्रेरणादायी कार्यक्रम के साथ सम्पन्न

हैदराबाद, 02 मार्च (शुभ लाभ ब्यूरो)।

अणुव्रत समिति के 78वें स्थापना दिवस के उपलक्ष्य में द्वितीय चरण का भव्य एवं प्रेरणादायी कार्यक्रम मोड़ा मार्केट स्थित टैगोर स्कूल परिसर में गरिमामय वातावरण में सम्पन्न हुआ। यह आयोजन अणुव्रत विश्व भारती सोसाइटी के तत्वावधान में स्थानीय अणुव्रत समिति, हैदराबाद द्वारा आयोजित किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता अनिलजी कातरेला एवं अशोकजी मेडतवाल ने की।

मंत्री श्रीमती रीटा सुराणा ने बताया कि कार्यक्रम का शुभारंभ नमस्कार महामंत्र एवं अणुव्रत गीत के सुमधुर संगान से हुआ, जिसे टैगोर स्कूल के विद्यार्थियों ने श्रद्धा व उत्साह के साथ प्रस्तुत किया। 'ॐ' की ध्वनि के साथ ध्यान साधना का प्रयोग कराया गया, जिससे वातावरण आध्यात्मिक ऊर्जा से ओत-प्रोत हो उठा।चंदन द्वारा आचार संहिता का प्रभावपूर्ण वाचन किया गया। निशा चंदन एवं विद्यार्थियों ने लघु नाटिका और कविता पाठ के माध्यम से अणुव्रत के नैतिक मूल्यों को प्रस्तुत किया। एस. अंजली, खुशबू, कौशिक सामंता एवं दिगेश वैष्णव ने नशा मुक्ति विषय पर जागरूकतापूर्ण विचार रखे। अणुव्रत गीत का भावार्थ समझाते हुए विद्यार्थियों को सिद्धांतों के पालन का संकल्प दिलाया गया।इस अवसर पर अणुव्रत रैली भी निकाली गई, जिसमें विद्यार्थियों ने नैतिकता, संयम एवं नशा मुक्ति का संदेश दिया। विद्यालय की प्रिंसिपल श्रीमती गायत्री शंकर ने अतिथियों का स्वागत करते हुए समिति के नैतिक एवं सामाजिक कार्यों की सराहना की। प्रचार-प्रसार हेतु उन्हें अणुव्रत कैलेंडर व डायरी भेंट कर स्वागत पट्टा पहनाया गया।तृतीय चरण में अणुव्रत क्रिएटिव प्रतियोगिता में राज्य स्तर पर चयनित विद्यार्थियों को मोमेंटो एवं प्रमाणपत्र वितरित किए गए। बच्चों को खाद्य सामग्री एवं स्टेशनरी भी प्रदान की गई। कार्यक्रम का संचालन रीटा सुराणा ने किया तथा अंत में संतोष जी पींचा ने आभार व्यक्त किया। अल्पाहार की व्यवस्था श्रीमती संतोष निशा पींचा द्वारा की गई।

आगापुरा में होलिका दहन का दृष्य

वेमुलावाड़ा मंदिर परिसर से दरगाह स्थानांतरित तेलंगाना हाई कोर्ट में सुनवाई जारी

हैदराबाद, 02 मार्च (शुभ लाभ ब्यूरो)। तेलंगाना हाई कोर्ट को सूचित किया गया कि वेमुलावाड़ा स्थित श्री राजा राजेश्वर स्वामी मंदिर परिसर के अंदर मौजूद दरगाह ˉ दरगाह हज़रत सैयद ताजुद्दीन खाजा बाग सवार ˉ को दूसरी जगह स्थानांतरित कर दिया गया है।सुनवाई के दौरान एडवोकेट जनरल ए. सुदर्शन रेड्डी ने अदालत को बताया कि दरगाह को मंदिर परिसर से हटाकर अन्य स्थान पर शिफ्ट किया जा चुका है और वर्तमान में मंदिर के अंदर कोई दरगाह मौजूद नहीं है।

वहीं, याचिकाकर्ता की ओर से पेश अधिवक्ता जीशान ने तर्क दिया कि मुतवल्ली को दरगाह को उसके मूल स्थान से स्थानांतरित करने का कोई अधिकार नहीं है।मामला वर्तमान में हाई कोर्ट में विचाराधीन है और अगली सुनवाई की प्रतीक्षा की जा रही है।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, सम्पादक गोपाल अग्रवाल द्वारा श्री शेषसाई इंटरप्राइजेज प्लॉट नंबर. 98/1, को-ऑपरेटिव इंडस्ट्रीयल एस्टेट, गांधी नगर, बालानगर के पास मेडचेल-मल्काजगिरि जिला. हैदराबाद 500037, तेलंगाना स्टेट से मुद्रित तथा प्लॉट नं. ए-23/5 तथा 6, दूसरा माला, ओपीआईई, बालानगर, हैदराबाद, मेडचल मलकाजगिरी जिला, तेलंगाना राज्य-500037 से प्रकाशित। आर. एन. आई रजिस्टर्ड नं. TELHIN/2019/78163, फोन नं. 040-29551811. E-mail : dailyshubhlabh@gmail.com.